गांव की गलियों से सरहद पार तक

dainikworldwisenews@gmail.com

वर्ल्ड वाइज न्यूज

डब्ल्यू डब्ल्यू एन

RNI.NO: JHAHIN/2023/85732

हजारीबाग ■ शनिवार, 10 मई,2025 ■ विक्रम सम्वत् 2082 ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य :5 रू ■ वर्ष :02 ■ अंकः 291 ■ झारखंड संस्करण

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

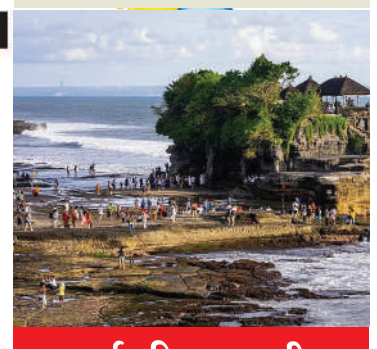

वर्ल्ड टूरिज्म, बाली।

भारत की जवाबी कार्रवाई से हिला पाकिस्तान

कराची बंदरगाह और पेशावर में जोरदार धमाके, ब्लैकआउट और मोबाइल नेटवर्क ठप

एजेंसी, इस्लामाबाद

भारत की जवाबी सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान में तनाव चरम पर है। गुरुवार देर रात कराची बंदरगाह पर 8 से 12 तेज़ धमाकों की आवाज़ सुनी गई, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में आपात ब्लैकआउट कर दिया गया और मोबाइल नेटवर्क पूरी तरह ठप हो गया। जवाबी कार्रवाई के तहत भारतीय नौसेना ने भी मोर्चा संभाल लिया है। सूत्रों के अनुसार भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के कराची बंदरगाह और उससे जुड़े रणनीतिक ठिकानों पर सटीक हमला किया है। यह हमला पाकिस्तान की ओर से बढ़ते हमलों और सीमा पार गतिविधियों के जवाब में किया गया है। इसी बीच, पेशावर शहर में भी एक जोरदार विस्फोट की खबर सामने आई है। स्थानीय मीडिया और नागरिकों के अनुसार धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी और भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि अभी तक विस्फोट का स्थान और कारणों को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने क्षेत्र को सील कर दिया है और जांच शुरू कर दी गई है। भारतीय जवाबी कार्रवाई के इतर बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में भी पाकिस्तानी सेना के ठिकानों पर सिलसिलेवार हमले हुए हैं। पाकिस्तानी सेना के फ्रंटियर कोर मुख्यालय को हथियारबंद लोगों ने निशाना बनाया। यहां कई विस्फोटों के बाद गोलीबारी भी हुई। इन घटनाओं के बाद पाकिस्तान में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है और देशभर के संवेदनशील ठिकानों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

अमृतसर से जम्मू, पठानकोट से भुज तक पाकिस्तान के हमलों को नाकाम किया 'सुदर्शन चक्र' ने : नई दिल्ली । अमृतसर से जम्मू, पठानकोट से भुज तक पाकिस्तान के हमलों को नाकाम करके भारत के एयर मिसाइल डिफेंस सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' ने अपनी ताकत दिखा दी है। भारत ने ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू करते समय ही दुश्मन के किसी भी जवाबी हमले को रोकने के लिए इस प्रणाली को सक्रिय कर दिया था, जिससे भारतीय लड़ाकू विमानों को सुरक्षित रूप से ऑपरेशन पूरा करने में मदद मिली।

सेनाओं ने सरकार को दिलाया भरोसा- सभी नापाक मंसूबों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा

एजेंसी, नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को बड़े पैमाने पर किए गए पाकिस्तानी ड्रोन हमले को विफल करने के बाद हालात पर आज चीफ डिफेंस ऑफ स्टाफ और तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठक की। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को साउथ ब्लॉक में दो घंटे चली इस समीक्षा बैठक में शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने लड़ाकू वर्दी पहनकर हर तरह का मुकाबला करने का संदेश दिया। देश की वर्तमान सुरक्षा स्थिति पर तीनों सेनाओं ने सरकार को भरोसा दिलाया कि राष्ट्र की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए सभी नापाक मंसूबों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा। रक्षा मंत्री के साथ सीडीएस जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह और रक्षा सचिव आरके सिंह सहित सेना के शीर्ष अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। यह बैठक ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद पाकिस्तान की सैन्य गतिविधियों पर भारत की जवाबी कार्रवाई के मद्देनजर हुई, जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद भारतीय सेना ने 8 और 9 मई की मध्यरात्रि के दौरान पश्चिमी सीमा और जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान की ओर से किए गए कई ड्रोन हमलों को नाकाम किया।

'लेह से सर क्रीक तक घुसपैठ की कोशिश, पाक ने तुर्किये ड्रोन का किया इस्तेमाल

एजेंसी, नई दिल्ली । ऑपरेशन सिंदूर' से बौखलाए पाकिस्तान की कायरना हरकतों को लेकर विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बार फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के नापाक चेहरे और इरादों का पर्दाफाश कर दिया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह 8 से 9 मई की रात की पाकिस्तान के हमलों की जानकारी दी। इस दौरान सबसे बड़ी खुलासा यह हुआ कि पाकिस्तान ने अतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर लेह से लेकर सरक्रीक तक 36 जगहों पर 300-400 ड्रोन से घुसपैठ की कोशिश की। ये ड्रोन तुर्किये के बताए जा रहे हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया, 'पाकिस्तानी सेना ने सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की नीयत से पूरी पश्चिमी सीमा पर भारतीय वायुक्षेत्र का कई बार उल्लंघन किया। पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा पर भारी कैलिबर वाले हथियारों से गोलाबारी भी की। अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर लेह से लेकर सरक्रीक तक 36 जगहों पर 300-400 ड्रोन का इस्तेमाल कर घुसपैठ का प्रयास किया। भारतीय सशस्त्र बलों ने काइनेटिक और नॉन काइनेटिक साधनों से कई ड्रोन मार गिराए।

संक्षिप्त समाचार

जेपी नड्डा ने की सभी स्वास्थ्य केन्द्रों, स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा

नई दिल्ली । भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच राजधानी नई दिल्ली में आज एक के बाद एक कई बैठकों का दौर जारी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को देश के सभी स्वास्थ्य केंद्रों और स्वास्थ्य बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बीच आईपीएल स्थगित

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) को स्थगित कर दिया गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और सीमा पर युद्ध जैसे हालात के मद्देनजर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह फैसला लिया है। जल्द ही औपचारिक घोषणा किये जाने की उम्मीद है।

उत्तराखंड के हरिद्वार में भी हाई अलर्ट

हरिद्वार । भारत और पाकिस्तान के मध्य चल रहे तनाव को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर देशभर के कई शहरों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। इसी क्रम में सुरक्षा की दृष्टि से उत्तराखंड की तीर्थ नगरी हरिद्वार को भी संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। इसके मद्देनजर जिले में चौकसी बढ़ा दी गई है। जगह-जगह बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ विभिन्न क्षेत्रों में मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है।

ऑपरेशन सिंदूर के सशस्त्र बलों के समर्थन में आया बॉलीवुड, कलाकारों ने साझा किए एकजुटता के संदेश

एजेंसी, नई दिल्ली

पहलगाम आंतकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों के सफल ऑपरेशन सिंदूर पर पूरे देश के साथ भारतीय फिल्म उद्योग ने भी खूब समर्थन दिया है। सशस्त्र बलों के साथ फिल्म इंडस्ट्री ने एकजुटता दिखाते हुए ऑपरेशन सिंदूर के पोस्टर के साथ अपना उत्साह बढाने वाले संदेश साझा किए। इसमें देश के विविध फिल्म उद्योगों के प्रतिनिधि जिनमें हिंदी, तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़, पंजाबी और अन्य शामिल हैं। सोशल मीडिया अकाउंट पर कई जाने-माने कलाकारों ने एकजुटता और प्रोत्साहन के संदेश साझा किए हैं, जिनमें अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, रजनीकांत,

आलिया भट्ट, अल्लू अर्जुन, विक्की कौशल, कंगना रनौत, कैटरीना कैफ, श्रद्धा कपूर, मोहनलाल, आर माधवन, सामंथा प्रभु और रणवीर सिंह शामिल हैं। ऑपरेशन सिंदूर में शामिल सशस्त्र बलों के सफल प्रयासों को सलाम करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया। एकता की यह अभिव्यक्ति कई प्लेटफार्मों पर देखी जा रही है जिसमें सोशल मीडिया से लेकर मुख्यधारा के प्रेस में मुखर हो कर कलाकार अपना समर्थन दे रहे हैं। अल्लू अर्जुन ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पहलगाम पीड़ितों के साथ न्याय किया है। वहीं, अभिनेता अक्षय कुमार ने सेना का उत्साह बढ़ाते हुए ऑपरेशन सिंदूर का पोस्टर जारी करते हुए जय हिंद लिखा। यह सिलसिला लगातार जारी है। निर्माता, निर्देशक, संगीतकार, लेखक और प्रभावशाली लोगों ने भी रचनात्मक और सांस्कृतिक मंचो से सेना का उत्साह बढ़ाने का काम किया है। मनोरंजन जगत से ऑपरेशन सिंदूर को मिलता समर्थन उनके राष्ट्रीय एकता की ओर प्रतिबद्धता और बॉर्डर पर देश की रक्षा करने वाले सेना के लिए सम्मान को उजागर करता है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण सीए की परीक्षाएं स्थगित

एजेंसी, नई दिल्ली। देशभर में तनावपूर्ण सुरक्षा स्थिति को देखते हुए इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने मई 2025 में होने वाली चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) परीक्षाओं के शेष पेपरों को स्थगित करने की घोषणा की है। यह परीक्षाएं 9 से 14 मई तक आयोजित होने वाली थीं।आईसीएआई ने शुक्रवार को एक सार्वजनिक सूचना में कहा कि 09 से 14 मई तक निर्धारित सभी परीक्षाएं, जिनमें फाइनल, इंटरमीडिएट और पोस्ट क्वालिफिकेशन कोर्स की परीक्षाएं भी हैं, उन्हें स्थगित कर दिया गया है। संशोधित तिथियों की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपडेट के लिए नियमित रूप से आधिकारिक वेबसाइट icai.org देखते रहें।

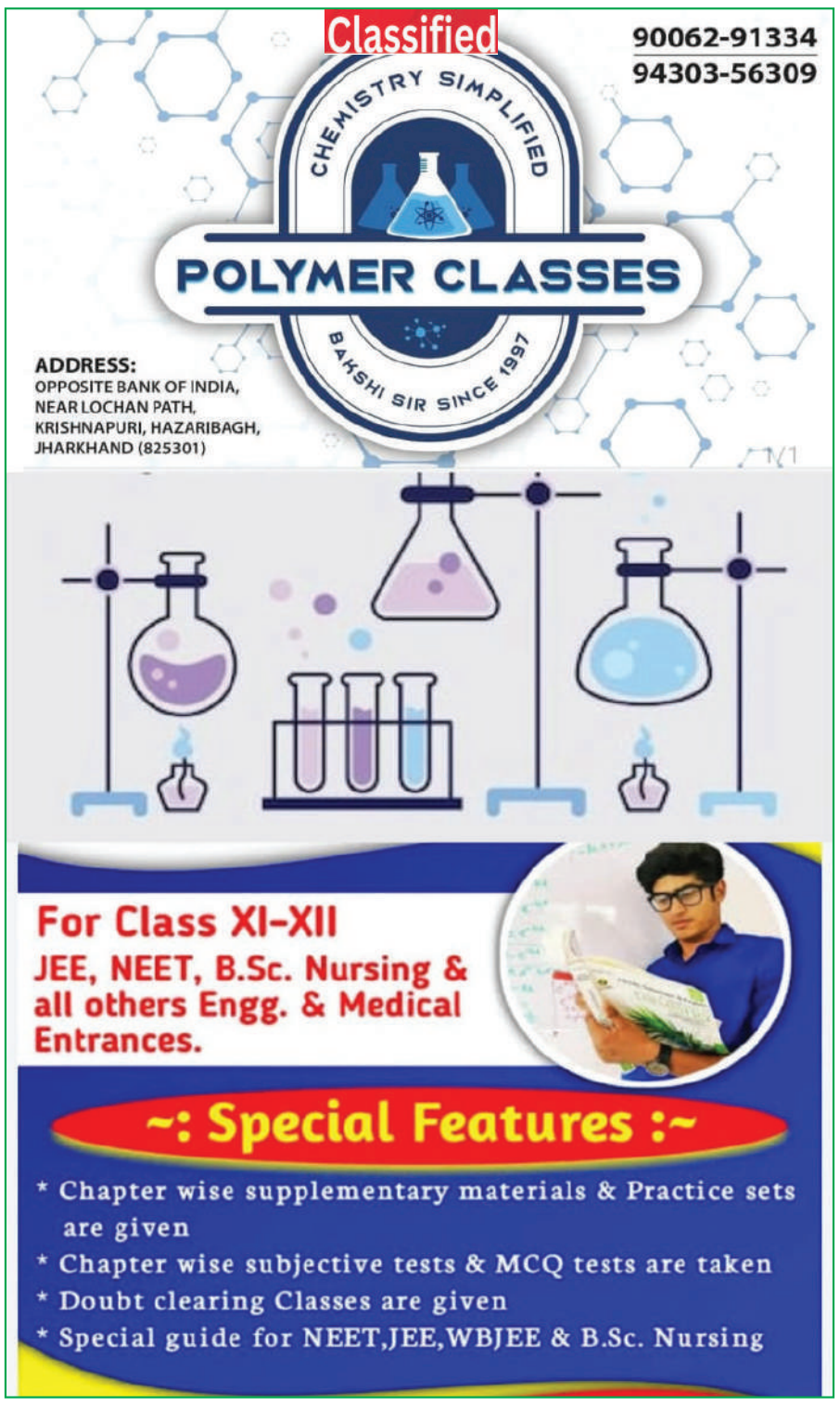

सीमा पर पंजाब सरकार लगाएगी एंटी ड्रोन सिस्टम

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पंजाब सरकार ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर एंटी ड्रोन सिस्टम लगाने और पंजाब की 13 जेलों में फाइव जी जैमर लगाने की मंजूर दी है। साथ ही युद्ध जैसे हालातों में जमाखोरी से निपटने के लिए सरकार ने छह जिलों में 12 मंत्रियों को नियुक्त करने का फैसला लिया है। शुक्रवार को कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पत्रकारों को बताया कि पठानकोट से लेकर अबोहर तक कुल 532 किलोमीटर का एरिया पाकिस्तान की सीमा से सटा हुआ है। यहां आएदिन ड्रोन के माध्यम से हथियार व नशा भेजा जा रहा है। इससे छुटकारा पाने के लिए पंजाब की सीमा में एंटी ड्रोन सिस्टम को विकसित किया जाएगा। आज की बैठक में इसे मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना को बीएसएफ के साथ मिलकर लागू किया जाएगा, क्योंकि बीएसएफ ने कुछ क्षेत्र में एंटी ड्रोन सिस्टम विकसित कर लिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने तथा उनका मुफ्त इलाज करने के लिए शुरू की गई फरिश्ते योजना का विस्तार कर दिया है।

यूएस के उप राष्ट्रपति ने दिए संकेत-भारत अपने तरीके से निपटे

एजेंसी, वॉशिंगटन

भारत और पाकिस्तान का तनाव फिलहाल कम होता दिखाई नहीं दे रहा है। इसी बीच अमेरिका ने इशारों ही इशारों में संकेत दे दिया है कि भारत अपने तरीके से पाकिस्तान से निपट ले और वो इसमें कोई दखल नहीं देगा। अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वैंस ने इशारों में यह भी जता दिया कि भारत को अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय हितों की रक्षा करने का पूरा हक है। वेंस ने कहा, हम इन देशों को कंट्रोल नहीं कर सकते। भारत को पाकिस्तान से शिकायतें हैं और पाकिस्तान ने जवाब दिया है। हम बस यही कर सकते हैं कि तनाव न बढ़े, लेकिन इस जंग में अमेरिका

का कोई रोल नहीं बनता। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में मौजूद नौ आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया है। ये कार्रवाई जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के जवाब में की गई, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गुरुवार को भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर बड़ा बयान दिया।

ऑपरेशन सिंदूर.....के अलावा भी 9 प्रमुख सैन्य अभियानों में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को धूल चटाई

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने आतंक के खिलाफ अपनी नीति को बार-बार स्पष्ट किया है कि किसी भी हमले का जवाब सटीक और प्रभावशाली होगा। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर ने फिर साबित किया कि भारत अपनी सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब भारत ने इस तरह की सख्त कार्रवाई कर दुश्मन को जबाव दिया हो। भारत के इतिहास में इसतरह कई सैन्य अभियान हुए हैं, जिसमें पाकिस्तान को करारा जवाब दिया गया है।

भारत के अब तक के प्रमुख सैन्य अभियान : ऑपरेशन अब्लेज : साल 1965 में कच्छ के रण क्षेत्र में तनाव के बाद यह रक्षात्मक कार्रवाई थी, इससे सीमा की रक्षा सुनिश्चित की गई।

ऑपरेशन रिडलः साल 1965 में ही ऑपरेशन पाकिस्तान के जिब्राल्टर और ग्रैंड स्लैम के जवाब

में किया गया था। इसका उद्देश्य पाक सेना को पीछे धकेलना और सीमाओं की सुरक्षा करना था।

ऑपरेशन कैक्टस लिलीः इसके बाद साल 1971 में बांग्लादेश की आजादी के लिए हुए युद्ध में यह प्रमुख सैन्य अभियान था। 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया।

ऑपरेशन त्रिशूल और पायथनः इस तरह साल 1971 में भारतीय नौसेना द्वारा कराची बंदरगाह पर हमला कर पाकिस्तानी नौसैनिक ताकत को कमजोर किया गया।

ऑपरेशन मेघदूतः इसके बाद साल 1984 में भारत ने सियाचिन ग्लेशियर पर रणनीतिक बढ़त हासिल की और आज भी वहां नियंत्रण बनाए हुए है।

ऑपरेशन विजयः कारगिल युद्ध में भारत ने दुश्मन को पीछे हटने पर मजबूर किया। यह भारत की सैन्य क्षमताओं की बड़ी जीत थी।

ऑपरेशन सफेद सागरः साल 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तानी ठिकानों पर सटीक हमले किए।

ऑपरेशन बंदरः मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी शिविरों को एयरस्ट्राइक से निशाना बनाया। वहीं ऑपरेशन सिंदूर के तहत पहलगाम हमले में 26 निर्दोष लोगों की हत्या के जवाब में यह कार्रवाई की गई। भारत ने पाकिस्तान और पीओके में स्थित नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इसमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्य अड्डे शामिल थे।

वर्ल्ड फेमस

भारत और पाकिस्तान के बीच बनी तनावपूर्ण स्थिति और ज्यादा खराब हो सकती है। पाकिस्तान की सरकार ने कहा है कि वह अब भारत के साथ पूर्ण युद्ध की ओर जाने का रास्ता चुनेंगे।

सेवा भावना की मिसाल
मदर टेरेसा

मदर टेरेसा (26 अगस्त, 1910 5 सितम्बर, 1997) का जन्म अग्नेसे गोंकशे बोजशियु के नाम से एक अल्बेनीयाई परिवार में उस्कुब, ओटोमन साम्राज्य (आज का सोप्जे, मेसेडोनिया गणराज्य) में हुआ था। मदर टेरसा रोमन कैथोलिक नन थीं, जिनके पास भारतीय नागरिकता थी। उन्होंने 1950 में कोलकाता में मिशनरीज़ ऑफ चेरिटी की स्थापना की। 45 सालों तक गरीब, बीमार, अनाथ, और मरते हुए इन्होंने लोगों की मदद की और साथ ही चेरिटी के मिशनरीज के प्रसार का भी मार्ग प्रशस्त किया।

1970 तक वे ग़रीबों और असहायों के लिए अपने मानवीय कार्यों के लिए प्रसिद्द हो गयीं, माल्कोम मुगेरिज के कई वृत्तचित्र और पुस्तक जैसे समथिंग ब्यूटीफुल फॉर गोड में इसका उल्लेख किया गया। उन्होंने 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार और 1980 में भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया। मदर टेरेसा के जीवनकाल में मिशनरीज़ ऑफ चेरिटी का कार्य लगातार विस्तृत होता रहा और उनकी मृत्यु के समय तक यह 123 देशों में 610 मिशन नियंत्रित कर रही थी। इसमें एचआईवी/एड्स, कुष्ठ और तपेदिक के रोगियों के लिए धर्मशालाएं/ घर शामिल थे, और साथ ही सूप रसोई, बच्चों और परिवार के लिए परामर्श कार्यक्रम, अनाथालय और विद्यालय भी थे। मदर टेरसा की मृत्यु के बाद उन्हें पोप जॉन पॉल द्वितीय ने धन्य घोषित किया और उन्हें कोलकाता की धन्य की उपाधि प्रदान की।

ईश्वर हर इंसान में बसता है। मानव मात्र की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है। निर्धन व असहाय लोगों की सेवा में मदर टेरेसा ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। लोगों ने भी इनकी ममता को सम्मान देते हुए इन्हें मदर का दर्जा दिया। चेहरे पर झुर्रियाँ, लगभग पाँच फुट लंबी, गंभीर व्यक्तित्व वाली यह महिला असाधारण सी थी। पैर में साधारण सी चप्पल पहने तथा कंधे पर दवाइयों का झोला टाँगे मदर टेरेसा असाध्य बीमारियों से पीड़ित लोगों को दवाइयाँ देकर उनकी सेवा करती थीं।

जीवन का सफर

27 अगस्त 1910 को मैकेडोनिया गणराज्य की राजधानी स्कोप्ज में एक कृषक दंपत्ति के घर इस महान विभूति का जन्म हुआ था। मदर टेरेसा का असली नाम अगनेस गोंजे बोयाजिजू था। बचपन में ही अगनेस ने अपने पिता को खो दिया। बाद में उनका लालन-पालन उनकी माता ने किया। सेवा भावना की अनूठी मिसाल मदर टेरेसा ने 5 सितम्बर 1997 को दुनिया को अलविदा कह दिया। मदर का पार्थिव शरीर मदर हाउस में दफनाया गया।

समाजसेवा की ओर रुझान

महज 18 वर्ष की छोटी उम्र में ही मदर टेरेसा ने समाज सेवा को अपना ध्येय बनाते हुए मिस्टरस ऑफ लॉरेंटो मिशन से स्वयं को जोड़ा। सन् 1928 में मदर टेरेसा ने रोमन कैथोलिक नन के रूप में कार्य शुरू किया। दार्जिलिंग से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद मदर टेरेसा ने कलकत्ता का रुख किया।

24 मई 1931 को कलकत्ता में मदर टेरेसा ने टेरेसा के रूप में अपनी एक पहचान बनाई। इसी के साथ ही उन्होंने पारंपरिक वस्त्रों को त्यागकर नीली किनारी वाली साड़ी त्यागने का फैसला किया। मदर टेरेसा ने कलकत्ता के लॉरेंटो कान्वेंट स्कूल में एक शिक्षक के रूप में बच्चों को शिक्षित करने का कार्य भी किया। सन् 1949 में मदर टेरेसा ने गरीब, असहाय व अस्वस्थ लोगों की मदद के लिए मिशनरिज ऑफ चैरिटी की स्थापना की। जिसे 7 अक्टूबर 1950 में रोमन कैथोलिक चर्च ने मान्यता दी। मदर टेरेसा ने निर्मल हृदय और निर्मला शिशु भवन के नाम से आश्रम खोले। जिनमें वे असाध्य बिमारी से पीडित रोगियों व गरीबों की स्वयं सेवा करती थी। जिसे समाज ने बाहर निकाल दिया हो। ऐसे लोगों पर इस महिला ने अपनी ममता व प्रेम लुटाकर सेवा भावना का परिचय दिया।

मदर टेरसा

जन्म - 26 अगस्त 1910
उस्कुब, ओटोमन साम्राज्य (आज का सोप्जे, मेसेडोनिया गणराज्य)
मृत्यु - 5 सितंबर 1997 (87वर्ष)
कोलकाता, भारत
राष्ट्रीयता अल्बीनियाई, व्यवसाय रोमन केथोलिक नन, मानवतावादी

अमर चित्रकथा 'मदर टेरेसा' पर

26 अगस्त को मदर टेरेसा की 100वीं जन्म तिथि है। इसी उपलक्ष्य में 'अमर चित्रकथा' का नया संस्करण लांच होने जा रहा है। यह किताब 4क् पृष्ठों की होगी, जिसमें मदर टेरेसा के जीवन के उस महत्वपूर्ण मोड़ के बारे में दर्शाया गया है,जहां से उन्होंने गरीबों की सेवा करने का निश्चय किया था। उसमें बताया है कि जब मदर टेरेसा कलकत्ता से दार्जिलिंग जा रही थीं तो उन्हें एक आवाज सुनाई दी। मदर टेरेसा को ऐसा लगा कि कोई उनसे कहा रह है कि गरीबों की सेवा करो। बस यहीं से उन्होंने अपनी जिंदगी को पीड़ित मानवता की सेवा में लगा दिया। एसीके मीडिया अगस्त 2010 से अमर चित्रकथा सीरीज को नए टाइटल के साथ प्रारंभ लांच करने जा रहा है। एसीके मीडिया की वीपी प्रॉडक्ट मैनेजमेंट सविता पाई ने कहा कि 'मदर टेरेसा' सीरिज की पहली किताब को लांच करने के लिए 26 अगस्त परफेक्ट डेट है। इसमें मदर टेरेसा की उनके महान कार्यो का वर्णन मिलेगा। खासकर बच्चों के लिए यह काफी उपयोगी होगी। अमर चित्रकथा की संपादक रीना पुरी ने कहा कि इस पुस्तक के कन्टेंट जुटाने में हमने दो सिस्टर की भी मदद ली है, जिन्होंने मदर टेरेसा को जॉइन किया था। हमने कन्टेंट की प्रमाणिकता के लिए पहली स्क्रिप्ट मिशनरीज ऑफ चेरिटी को भेजी है।

हंसगुल्ले

एक आदमी बोर्डिंग हाउस के एक कमरे में रहता था। उसके साथ तीन और लोग भी रहते थे। एक दिन वो बोर्डिंग हाउस के मैनेजन के पास सबकी शिकायत लेकर पहुंचा- जनाब इन लोगों के साथ रहना बहुत मुश्किल है। मैनेजन ने पूछा क्यों? उस आदमी न कहा कि- एक ने चार बिल्लियां पाली हुई हैं। एक ने एक कुत्ता और एक ने बकरी सारे दिन कमरे में बदबू आती रहती है। ताजी हवा को तरस गया हुं कुछ कीजिए न जनाब। मैनेजर ने कहा-कमरे में खिड़कियां हैं उन्हें खोल दिया करें। आदमी बोला-ऐसे कैसे खोल दिया करें। अगर खिड़की खोल दी तो मेरे सारे कबूतर उड़ नहीं जाएंगे?

• • • • • •

एक देश के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और उनकी पार्टी का लीडर सपनों पर चर्चा कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा-कल रात मैंने सपना देखा कि मुझे विश्व का प्रधानमंत्री बना दिया गया है। इस पर राष्ट्रपति ने भी तुरंत कहा-हां मुझे भी कुछ इसी तरह का सपना आया था कि मैं विश्व के राष्ट्रपति पद पर था। इस पर पार्टी के लीडर ने कहा- लेकिन मुझे तो कल रात मेरे द्वारा की गई ऐसी कोई नियुक्ति याद नहीं है।

• • • • • •

मालिक- जानते हो तुम पहले आदमी हो जो इतने सालों से काम कर रहे हो बाकी तुमसे पहले जो थे, वह चंद महीनों में चले गए। कितने मेरे पैसे लेके भाग गए तो किसी की चोरी पकड़ी गई। जबकि तुम न तो मेरे पैसे लेके भागे और न ही कभी तुम्हारी चोरी पकड़ी गई
नौकर -बेवकूफ थे बेचारे। सोने का अंडा देने वाली मुर्गी को एक ही झटके में काट डालते थे।

• • • • • •

डॉक्टर-क्या तुम नहीं जानते कि रात में नौ बजे क्लीनिक बंद हो जाता है।
कुत्त के काटे मरीज- डॉक्टर साहब पर कुत्ता यह बात नहीं जानता था।

• • • • • •

एक पहुंचे हुए साधू जिनकी प्रसिद्धि दूर दूर तक फैली हुई थी। एक शहर में आए। एक दिन वह प्रवचन कर रहे थे कि एक व्यक्ति ने आकर उनके चरण पकड़ लिए - महाराज मुझे अपनी पत्नी को वश में करने का कोई उपाय बताइये। साधू जी ने गंभीर होकर कहा-बच्चा इसका कोई उपाय होता तो मैं साधू ही क्यों बनता।

कहानी

आज्ञाकारी सेनापति

पुराने समय में नंदनपुर में राजा कौआ अपनी रानी के साथ एक घने पेड़ पर रहता था। वह अपनी रानी से बहुत प्यार करता था। एक दिन दोनों घूमने के लिए निकले तो महल की ओर उड़ चले। वहाँ स्वादिष्ट मछली देखकर रानी के मुँह में पानी आ गया, किंतु सख्त पहरा होने के कारण वे उसे उठा न सके। दोनों वापस अपने घोंसले में आ गए।

अगले दिन राजा कौए ने रानी से कहा, चलो प्रिये, बहुत भूख लगी है, चलो भोजन की खोज में चलते हैं। मुझे तो उसी महल का स्वादिष्ट भोजन चाहिए अन्यथा मैं अपने प्राण त्याग दूँगी। राजा कौआ सोच में पड़ गया। तभी वहाँ सेनापति कौआ आ गया। क्या बात है महाराज? आप काफी चिंतित नजर आ रहे हैं? सेनापति कौए ने पूछा। राजा ने उसे अपनी चिंता का कारण बताया। सेनापति ने कहा, महाराज आप चिंता न करें, मैं रानी को मनपसंद भोजन ला दूँगा। आठ होशियार कौओं को लेकर सेनापति कौआ महल में रसोई की छत पर जा बैठा। उसने निर्देश दिया, ध्यान से सुनो। जब राजा का खाना जा रहा होगा, तो मैं ऐसी चेष्टा करूँगा जिससे रसोइए के हाथ से थाल गिर जाए। तुममें से चार अपनी-अपनी चोंच में चावल भर लेना और चार अन्य मछली। फिर रानी के पास उड़ जाना। वह रसोइया जैसे ही आँगन में आएगा, तब मैं उस पर झपट्टा मारूँगा।

कुछ देर बाद जब जैसे ही रसोइया खाना लेकर आँगन में पहुँचा तो सेनापति कौए ने अपनी चोंच रसोइए के सिर पर दे मारी। रसोइए के हाथ से थाल छूट गई। थाल के गिरते ही आठों कौए अपनी-अपनी चोंच भरकर उड़ गए। उधर सिपाहियों ने सेनापति कौए को पकड़ लिया। वह सोचने लगा, कोई बात नहीं मेरा चाहे कुछ भी हो, मगर रानी की इच्छा तो पूरी हो गई। फिर उसे राजा के पास ले जाया गया। ऐ कौए! तूने मुझे नाराज करके अपनी जान खतरे में डाली। बता ऐसा क्यों किया तूने?

जैसे ही रसोइया खाना लेकर आँगन में पहुँचा तो सेनापति कौए ने अपनी चोंच रसोइए के सिर पर दे मारी। रसोइए के हाथ से थाल छूट गई। थाल के गिरते ही आठों कौए अपनी-अपनी चोंच भरकर उड़ गए। उधर सिपाहियों ने सेनापति कौए को पकड़ लिया। वह सोचने लगा, कोई बात नहीं मेरा चाहे कुछ भी हो, मगर रानी की इच्छा तो पूरी हो गई।

आपके थाल का भोजन हमारी रानी को चाहिए था। मैंने उसे लाने का वचन दिया था और अब उसे पूरा किया है... बस। मैं आपकी कैद में हूँ, जो सजा आप देना चाहें मुझे मंजूर होगी। कहकर सेनापति कौआ खामोश हो गया। ऐसे स्वामी भक्त को तो उपहार मिलना चाहिए... सजा नहीं। इसे आजाद कर दो... और सुनो... आज से जो भी खाना मेरे लिए बनेगा, उसमें से तुम्हारे राजा, रानी व तुम्हारे लिए हिस्से में भेजा जाएगा और तुम्हारी प्रजा के लिए भी ढेर सारा चावल रोज पका करेगा। सेनापति कौआ राजा को प्रणाम करके वापस अपने राजा के पास पहुँच गया।

पहेलियां

तीन अक्षर का मेरा नाम,
उल्टा-सीधा एक समान।
मैं हूं एक जाति का नाम।

• • •

वायुमण्डल की ऊपरी सतह पर,
भाईयों में पाई जाती हूं,
सूर्य की कॉस्मिक विकिरण से,
सभी जीव की जान बचाती हूं।

• • •

न ही मैं खाता हूं,
न ही मैं पीता हूं,
फिर भी सबके घरों की,
मैं रखवाली करता हूं।

• • •

हरी-हरी पूंछ, सफेद घोड़ा,
बताने में समय,
मैं लेता बहुत थोड़ा।

• • •

दो सुंदर लड़के,
दोनों एक रंग के,
एक बिछड़ जाए,
तो दूजा काम न आए।

• • •

हम पेड़ों पर चढ़े,
धरती पर भी चले,
चूहे हमको देखकर डरे,
कुत्ते देख हम डरे?

• • •

उत्तर - ईसाई, वायुमण्डल की ओजोन परत, ताला, मूली, जूता, बिल्ली

झुमरीतिलैया को सुंदर और सुसज्जित करने की पहल

- अतिक्रमण हटाओ अभियान में आयी तेजी
- ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर कई वाहनों पर लगा जुर्माना
- ओटो-टोटो को बस स्टैंड के अंदर ही लगाने का निर्देश

अरुण सूद, वर्ल्ड वाइज न्यूज

झुमरीतिलैया (कोडरमा)। पिछले कुछ दिनों से झुमरी तिलैया शहर में अतिक्रमण की गई भूमि को मुक्त कराने में प्रशासन तत्पर है। लंबे अंतराल के बाद शहर को अतिक्रमण से मुक्त कराने में ऐसी पहल देखी गई है। इसे लोग सराहनीय कदम बता रहे हैं। शहर को सुंदर और सुसज्जित करने के लिए कुछ अहम निर्णय भी लिए गए। अतिक्रमण क्षेत्र में पुनः ठेला लगाने वाले पर 5000 का जुर्माना लगाया जाएगा। शहर में चलने वाले ऑटो, टोटो व अन्य रिक्शा वाहनों को बस स्टैंड के अंदर ही खड़ा करना होगा। रास्ते के किनारे दोपहिया और चार पहिया बड़ा या छोटा वाहन खड़ा पाया गया, तो उस पर उचित जुर्माना अविलंब लगाया जाएगा। इस अतिक्रमण हटाओ अभियान में कोडरमा के एसडीएम, सिटी मैनेजर लिमांशु कुमार. रेवेन्यू इंस्पेक्टर शंभू कुमार. संतोष मेहता. अभिषेक कुमार. अजीत कुमार. राजू राम. विमल कुमार बलराम. दुलारचंद तथा तिलैया थाना से पुलिस पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इस संदर्भ में सिटी मैनेजर लिमांशु कुमार ने बताया कि ये कड़े कदम इसलिए उठाए जा रहे हैं ताकि जन जीवन का अगला कदम सुरक्षित हो।

गुरुदेव की रचनाएं आज भी प्रासंगिक : डॉ नीलमणि मुखर्जी

- अन्नदा कॉलेज में 164वीं जयंती
- पर याद किए गए गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर
- सांस्कृतिक कार्यक्रम में बिखरी रवीन्द्र संगीत की धुन

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। अन्नदा महाविद्यालय के लिटरेरी सोसाइटी, बांग्ला विभाग तथा CSECA के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को गुरुदेव रवींद्रनाथ नाथ टैगोर की 164 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर नीलमणि मुखर्जी, प्रोफेसर इंचार्ज डॉ सुभाष कुमार एवं अन्य शिक्षकों द्वारा गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद बांग्ला विभाग के राजश्री राय ने सभा में उपस्थित सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अन्नदा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने गुरुदेव के बहुआयामी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को उनसे प्रेरणा लेने की बात कही और यह भी कहा कि गुरुदेव की रचनाएं आज भी प्रासंगिक है। प्रोफेसर इंचार्ज प्रोफेसर सुभाष कुमार ने भी गुरुदेव के विशिष्ट व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला एवं उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ बंशीधर प्रसाद रूखैयार ने नैतिक मूल्यों पर बात करते हुए यह कहा कि हमें देश भक्ति और नैतिकता गुरुदेव से सीखना चाहिए। इस विशेष अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। सामाजिक विस्तार एवं सांस्कृतिक गतिविधि की समन्वयक डॉ रत्ना चटर्जी द्वारा रवींद्र संगीत प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय के सुरजीत दास ने भी रवींद्र संगीत प्रस्तुत किया। महाविद्यालय की छात्रा तनिष्का सोनल राय, संस्कृति रंजन, श्वेता कुमारी, चंदन कुमार, सौम्या त्रिवेदी ने अपने गायन एवं काव्य पाठ से सभी का मन मोह लिया। अनुज कुमार ने अपने गिटार वादन से रवींद्र संगीत की धुन बजाकर सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय में 3 मई 2025 को निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें निबंध प्रतियोगिता में श्वेता कुमारी प्रथम, मनीष कुमार पाठक द्वितीय एवं चंदन कुमार दास तृतीय स्थान पर रहे। सांत्वना पुरस्कार लक्ष्मी कुमारी को मिला। पेंटिंग प्रतियोगिता में देव आनंद प्रथम, मर्यादा जैन द्वितीय लोकेश कुमार तृतीय एवं श्रेया कुमारी को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर नीलमणि मुखर्जी ने प्रदान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ बादल रक्षित, डॉ सुचोरिता घोष, डॉ राजीव रंजन, डॉ शक्तिधर नाथ पाठक, डॉ छाया सिंह आदि का विशेष योगदान रहा। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन लिटरेरी सोसायटी की सदस्य डॉ छाया सिंह ने किया।

डीसी के निर्देश पर लगा जनता दरबार, फरियादियों ने लगाई गुहार

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। उपायुक्त नैन्सी सहाय के निदेशानुसार, सामाजिक सुरक्षा निदेशक निवेदिता रॉय ने शुक्रवार को समाहरणालय सभा कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं को सुना तथा इसके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों आवेदन अग्रसारित करते हुए निर्धारित समय सीमा पर निष्पादन करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में सन्तोष कुमार सिंह एवं संजीव कुमार समस्त योग शिक्षक एचडब्ल्यूसी हजारीबाग ने 2 वर्ष पूर्व से कार्य कर रहे योग शिक्षकों की पुनः नियुक्ति के संबंध में आवेदन सौंपा, कुम्हार टोली हज़ारीबाग से सुमित चंद्र सहाय ने एलपीसी निर्गत नहीं किए जाने के संबंध में आवेदन दिया, डांडी आंचल थाना गिद्दी की रीमा देवी ने अपने जमीन पर अवैध कब्जा एवं अतिक्रमण हटाने के संबंध में आवेदन दिए, दादपुर पंचायत चौपारण के मोहम्मद वसीम ने ट्राई साइकिल उपलब्ध किए जाने को लेकर आवेदन दिए, विष्णुगढ़ की सुनीता कुमारी ने पिता के संपत्ति में अधिकार एवं मायका में सम्मान प्राप्ति के लिए संबंधित पदाधिकारी को आवेदन सौंपा। समाजिक सुरक्षा निदेशक ने जनता दरबार में आए सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए जांचोपरांत त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया।

लावारिस कुत्तों का बंध्याकरण सह टीकाकरण अभियान आज

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। पहल संस्था की ओर से 10 मई की दोपहर 12 बजे से लावारिस कुत्तों का बंध्याकरण एवं एन्टी रेबीज का टीकाकरण निःशुल्क वेटरिनरी अस्पताल, कल्लू चौक हजारीबाग में कराया जाएगा।

बाल संसद के नव निर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मालवीय मार्ग, हजारीबाग में शुक्रवार को पूर्व निर्धारित योजनानुसार नव निर्वाचित बाल संसद के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। शिशु, बाल, किशोर भारती एवं कन्या भारती के अध्यक्ष, मंत्री एवं सेनापति के पदों पर नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बतौर मुख्य अतिथि अधिवक्ता सतीश कुमार एवं विशिष्ट अतिथि विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव ज्ञानचंद प्रसाद मेहता ने सामूहिक रूप से पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में सचिव ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव एक प्रमुख अंग है। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अपने दायित्व का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी एवं सत्य निष्ठा के साथ करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मौके पर प्रधानाचार्य संजीव कुमार झा ने बाल संसद के पदाधिकारियों के दायित्व का निर्वहन प्रभावी पूर्ण ढंग से करने के निमित विभिन्न महत्वपूर्ण एवं आवश्यक सुझाव प्रदान किया। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों का चयन चुनावी प्रक्रिया के आधार पर हुआ था जिसमें विद्यालय के भैया - बहनों ने अपने-अपने मत का प्रयोग किया था। कन्या भारती के अध्यक्ष के रूप में बहन प्रियांशी कुमारी, मंत्री के रूप में बहन सोनम कुमारी एवं सेनापति के रूप में बहन अनुष्का कुमारी ने शपथ ली। किशोर भारती के अध्यक्ष रूप में भैया उदित कुमार, मंत्री के रूप में भैया प्रज्ञान कुमार एवं सेनापति के रूप में भैया अमित कुमार ने शपथ ली। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह को सफलतापूर्वक संपादन करने में विद्यालय के प्रभारी शैलेंद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ आचार्य मनोज कुमार पांडे एवं रितेश कुमार ने अपने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी आचार्य बंधु- भगिनी ने अपना सराहनीय योगदान दिया।

कार्य को त्वरित गति से पूरा करने का निर्देश

डीसी ने समाहरणालय परिसर में बन रहे अतिरिक्त बजगृह एवं अभिलेखागार के निर्माण कार्यों का किया अवलोकन

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। उपायुक्त नैन्सी सहाय ने शुक्रवार को कोषागार के बजगृह से संलग्न एक अतिरिक्त बजगृह के निर्माण के साथ-साथ निदेशक, कोषागार एवं सांस्थिक वित्त निदेशालय, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 175 दिनांक 30.04.2025 के आलोक में निर्मित होने वाले अभिलेखागार के निर्माण कार्य का अवलोकन किया। अवलोकन के क्रम में बजगृह निर्माण कार्य के उपरी तल्ले में होने वाले जिला पेंशन एवं लेखा कार्यालय के निर्माण कार्य का अनुमोदन दिया गया। उल्लेखनीय है कि वित्त विभागीय संकल्प संख्या 2049 दिनांक 29.07.2022 के द्वारा जिला भविष्य निधि कार्यालय को पुनर्नामित एवं पुनर्गठन करते हुए जिला पेंशन एवं लेखा कार्यालय के रूप में नामित करते हुए निदेशित किया गया है कि जिला पेंशन एवं लेखा कार्यालय द्वारा ही जिला स्तर पर पेंशन, लेखा, भविष्य निधि एवं राष्ट्रीय बचत संबंधी सभी कार्यों का निष्पादन किया जाना है। वर्तमान आवंटित स्थान में तीन कार्यालयों के समायोजन होने से संचिकाओं एवं आवश्यक सामग्री का रख-रखाव के साथ-साथ पदस्थापित एवं प्रतिनियुक्त कर्मियों को कार्य करने में उत्पन्न होने वाली कठिनाई एवं सेवानिवृत/वृद्ध अंशदाताओं को वर्तमान कार्यालय के तृतीय तल्ला पर रहने के कारण संबंधित पेंशनरों को आने जाने में उत्पन्न होने वाली कठिनाई को देखते हुए उपायुक्त एवं जिला पेंशन एवं लेखा पदाधिकारी-सह-कोषागार पदाधिकारी द्वारा व्यक्तिगत रूचि लेते हुए निर्माण कार्य का स्वयं अवलोकन करते हुए कार्य को त्वरित गति से संपादित करने के लिए संबंधित संवेदक को निर्देश दिया गया।

मोबलिचिंग के दोषियों को हो फांसी की सजा : नायक

- मृतक के आश्रितों को पचास लाख मुआवजा एवं दी जाए नौकरी
- आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी ने सरकार से की मांग

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची। बोकारो जिले में अल्पसंख्यक युवा मो. अब्दुल कलाम को पीट-पीट कर बेहरमी से मॉबलिंचिंग करने वाले दोषियों को फांसी की सजा हो एवं मृतक के आश्रितों को पचास लाख मुआवजा एवं नौकरी दिया जाए। यह बात शुक्रवार को आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने बोकारो जिला मे अल्पसंख्यक युवा मो अब्दुल कलाम को पीट पीट कर बेहरमी से मॉबलिंचिंग करने पर अपनी प्रतिक्रिया में कही। उन्होने आगे कहा कि आज फिर एक बार मॉबलिंचिंग के कारण एक मजलूम मां ने अपने घर के इकलौते सहारे को खो दिया है। इसकी जितना भी निन्दा की जाए कम है। झारखंड के बोकारो जिले में यह घटना घटी है। अल्पसंख्यक समुदाय का युवा मो. अब्दुल कलाम को भीड़ ने बेहरमी से पीट-पीट कर जान से मार दिया, तो दुसरी ओर बुढमु में एक अल्पसंख्यक समाज के बुजुर्ग के साथ मारपीट करने से मौत होना यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। श्री नायक ने आगे कहा कि हेमंत है तो हिम्मत है के नारे के साथ छाती चौड़ा करने वालों की सरकार में अल्पसंख्यक युवा का सेंदरा किया जा रहा है। अगर सरकार इस घटना को गंभीरता से नही लेती है, तो आए दिन इसी तरह बेहरमी से अल्पसंख्यको मॉबलिंचिंग किया जाता रहेगा और सरकार में बैठे दो अल्पसंख्यक मंत्री अल्पसंख्यक समाज के रहने के बावजूद मॉबलिंचिंग की घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रही, जो इन्हें चुल्लू भर पानी में डूबकर मर जाना चाहिए। जब राज्य में दलित, आदिवासी, मूलवासी, अल्पसंख्यक समाज सुरक्षित है ही नहीं, तो क्या फायदा ऐसे मंत्रियों के रहने का। झारखंड में सबसे महत्वपूर्ण और जरूरी मामला है तो वो मॉबलिंचिंग का मगर सरकार लगातार मॉबलिंचिंग की घटनाओं को नजरअंदाज करके मॉबलिंचिंग पर कानून न बना करके सिर्फ मॉबलिंचिंग के मुद्दे को चुनावी मुद्दा तक ही सीमित रखना चाहती है। मगर सरकार की यह बहुत बड़ी भूल है। यह मॉबलिंचिंग की घटना सभ्य समाज के लिए कलंक है।सरकार अविलंब मॉबलिंचिंग कानून बनाए और सख्ती से लागू करे ताकि पुनः ऐसी घटना की पुनरावृति न हो सके।

हजारीबाग यूथ विंग की पहल : डेमोटांड़ बिरहोर बस्ती में सेवा कार्य

- बच्चों के चेहरों पर लौटी मुस्कान
- सेवा ही संगठन की आत्मा है, बच्चों की मुस्कान हमारा सबसे बड़ा पुरस्कार है : चंद्र प्रकाश जैन
- वंचितों तक शिक्षा और पोषण पहुंचाना हमारा संकल्प है। समाज का वास्तविक उत्थान जमीनी स्तर से ही संभव है : करण जायसवाल

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। हजारीबाग में सामाजिक, शैक्षणिक और धार्मिक गतिविधियों में लगातार अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराती आ रही संस्था हजारीबाग यूथ विंग ने डेमोटांड़ बिरहोर बस्ती के निवासियों के बीच विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य वंचित वर्ग के बच्चों और परिवारों तक शैक्षणिक एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं को पहुंचाना था। कार्यक्रम के दौरान कक्षा नर्सरी, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय के बच्चों को विशेष रूप से चयनित शैक्षणिक पुस्तिकाओं का वितरण किया गया। साथ ही कापियां, रंगीन पेंसिल, स्टेशनरी की सामग्री, स्लेट, चॉक, नहाने का साबुन और हॉर्लिक्स मिक्सर भी प्रदान किए गए। यह सामग्री पाकर बच्चों के चेहरों पर जो मुस्कान आई, वह न केवल आयोजन की सफलता का प्रमाण था, बल्कि मानवता की गरिमा का प्रतीक भी बना। सिर्फ बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि बस्ती के वयस्कों के बीच भी खाद्य सामग्री और जरूरत की वस्तुएं वितरित की गईं। सभी लाभार्थियों ने कतारबद्ध होकर अनुशासन और सादगी के साथ सामग्री प्राप्त की। कार्यक्रम की सफलता में हजारीबाग यूथ विंग के सदस्यों की टीम भावना, सेवा-भाव और सकारात्मक दृष्टिकोण की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा की हजारीबाग यूथ विंग का उद्देश्य केवल सेवा करना नहीं, बल्कि समाज में समरसता और संवेदनशीलता की भावना को बढ़ावा देना है। डेमोटांड़ बिरहोर जैसे वंचित क्षेत्रों में बच्चों की आंखों में आशा की

चमक लाना हमारे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि हमारा यह प्रयास एक छोटा-सा कदम है, लेकिन ऐसे प्रयासों की निरंतरता ही समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकती है। हम शिक्षा, पोषण और आत्मसम्मान की दिशा में काम करते रहेंगे ताकि कोई भी बच्चा सिर्फ अभाव में बड़ा न हो, बल्कि अवसरों के साथ बढ़े। हजारीबाग यूथ विंग की इस पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और भविष्य में ऐसे आयोजनों की आशा जताई। यह आयोजन न केवल एक सेवा कार्यक्रम था, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी था। मौके पर संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, अध्यक्ष करण जायसवाल, सचिव रितेश खंडेलवाल, सह सचिव अभिषेक पांडे, उपाध्यक्ष विकास तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य रोहित बजाज, राजेश जैन सहित कई लोग मौजूद थे।

रामगढ़ के टायर मोड़ में बचपन प्ले स्कूल का उद्घाटन

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रामगढ़। रामगढ़ शहर के रामगढ़ कॉलेज के समीप टायर मोड़ में "बचपन प्ले स्कूल" का बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। तत्पश्चात स्कूल परिसर का उन्होंने निरीक्षण करने के बाद बताया ऐसा प्रतीत हो रहा कि एक बड़े कैंपस में शानदार आधारभूत संरचना के साथ वातानुकूलित और उन्नत तकनीक से लैस क्लासरूम के जरिए इस स्कूल द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनके प्रारंभिक शिक्षा की दिशा में बेहद हितकर साबित होगा। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा ही बच्चों का आधार बनती है और बच्चों के भविष्य के सपनों को उड़ान देने के लिए उन्हें गुणवत्त शिक्षा बेहद जरूरी है। उन्होंने स्कूल के संचालक शिव शरण साहू को इस नेक शुरुआत

के लिए ढेरों शुभकामनाएं और अनंत बधाई दी। साथ ही इस विद्यालय में नामांकन लेने वाले बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।

आतंकवाद पर मोदी का प्रहार : पूर्व सांसद यदुनाथ पांडे ने बताया निर्णायक रणनीति का अप्रतिम उदाहरण

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, हजारीबाग के पूर्व सांसद और झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यदुनाथ पांडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की स्थिति को मजबूती से प्रस्तुत किया है। पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह पाकिस्तान के आतंकी हमलों का निर्णायक और सटीक जवाब दिया है, वह पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की सुरक्षा और अखंडता को सर्वोपरि रखते हुए आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी हमलों के जवाब में मोदी सरकार का साहसिक और स्पष्ट रुख यह दर्शाता है कि भारत अब किसी भी प्रकार के आक्रमण को सहन नहीं करेगा। पांडे

ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीति "आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस" पर आधारित है। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और अन्य सैन्य अभियानों के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं होगा। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यदुनाथ पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत का पक्ष मजबूती से रखा है। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को प्रायोजित करने के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र महासभा सहित अन्य वैश्विक मंचों पर उठाकर भारत की सुरक्षा नीति को स्पष्ट किया। यदुनाथ पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा बल्कि कूटनीतिक मोर्चे पर भी सशक्त पहल की है। मोदी सरकार की स्पष्ट नीति ने यह संदेश दिया है कि आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत अब सिर्फ बचाव की नीति नहीं, बल्कि आक्रामक प्रतिरोध की नीति पर भी काम कर रहा है। यदुनाथ पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व भारतीय राजनीति के लिए प्रेरणा है। उनके कड़े फैसलों और नीतिगत सख्ती से आतंकवाद के खिलाफ एक सशक्त संदेश गया है। पांडे ने अंत में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, बल्कि विश्व स्तर पर भी अपनी रक्षा नीति को सशक्त रूप से प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरणा लेकर राष्ट्रनिर्माण में योगदान देना चाहिए।

बलरामपुर : दसवीं बोर्ड परीक्षा में ब्यूटी गुप्ता पूरे जिले में टॉप

टॉपर ब्यूटी गुप्ता

वर्ल्ड वाइज न्यूज

सेंट मेरिज हायर सेकेंडरी स्कूल, पुरानडीह

बलरामपुर, विष्णु पांडेय। बलरामपुर जिले के रामानुजगंज ब्लॉक के दसवीं बोर्ड की परीक्षा में सेंट मेरिज हायर सेकेण्डरी अंग्रेजी माध्यमिक स्कूल पुरानडीह रामानुजगंज की छात्रा ब्यूटी गुप्ता ने 96.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे जिले के टॉप टेन की सूची में पहला स्थान प्राप्त की है। ब्यूटी की शानदार सफलता से विद्यालय के साथ साथ माता-पिता का नाम रौशन हुआ है। विद्यालय की प्रिंसिपल जेरोमदीना लकड़ा ने बताया कि, इस सफलता का सारा श्रेय छात्रों, पालकों व शिक्षकों के अथक परिश्रम को देते हुए यह भी बताया कि यह परिणाम सिर्फ एक दिन का प्रयास नहीं अपितु शिक्षकों और छात्रों की सालों की मेहनत का नतीजा है। आगे बताया कि संत मैरिज स्कूल पुरानडीह आगे भी पूरी लगन, मेहनत व ईमानदारी के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए सतत प्रयासरत रहेगा।

कृषि मंत्री नेताम पहुंचे समाधान शिविर दोलंगी, हितग्राही मूलक सामग्री का किया वितरण

वर्ल्ड वाइज न्यूज

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के कृषि मंत्री रामविचार नेताम रामचंद्रपुर विकासखंड अन्तर्गत समाधान शिविर में शुक्रवार को दोलंगी पहुंचे। शिविर में ग्राम दोलंगी, बरवाही, सिलाजु, उचरूवा, चेरवाडीह, औरंगा, रेवतीपुर, आबादी तथा बिसुनपुर के ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं के आवेदन के निराकरण के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न जनहितैषी योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए लाभ लेने प्रेरित किया गया। शिविर में कृषि मंत्री द्वारा 5 गर्भवती महिलाओं का गोदभराई के साथ ही पोषण सामग्री का वितरण किया गया तथा 5 बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया।कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने समाधान शिविर में आम नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग के बीच आकर आप की समस्याओं का समाधान करना ही हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता है। हमारी सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है कि उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण हो। मंत्री रामविचार नेताम ने इस दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि शासन प्रशासन के प्रयासों से अब सभी के पास पक्का आवास है और जो अभी भी आवास से वंचित है उनका सर्वे जारी है, वे सर्वे में अपना नाम अवश्य जुड़वाएं। उन्होंने बताया कि जितने भी आवास स्वीकृत हैं, उन्हें प्रथम किस्त जारी की जा चुकी है और जैसे-जैसे पूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं किस्त की राशि जारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस कलस्टर अंतर्गत 939 लोगों को पहली किस्त जारी की जा चुकी है, 474 हितग्राहियों को दूसरी और 181 हितग्राहियों का आवास पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से आवेदनों

का समाधान करते हुए ग्रामीण जनों के लिए बेहतरी का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने किसानों के उन्नयन पर जोर देते हुए किसानों को कृषि और उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में अधिक से अधिक फसल उपज लेने, ड्रिप पद्धति से सिंचाई करने एवं रासायनिक खाद का उपयोग न करते हुए जैविक खेती पर जोर दिया। इस

दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कलस्टर अंतर्गत सभी जनों का आयुष्मान कार्ड, केसीसी कार्ड एवं किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत शत्-प्रतिशत लाभान्वित करने निर्देश दिए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस अवसर पर सुशासन तिहार के परिप्रेक्ष्य में अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कृषि मंत्री नेताम ने समाधान शिविर में स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जमीनी पहुँच तथा लाभान्वित हितग्राहियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से प्राप्त हुए आवेदनों एवं उसके निराकरण की स्थिति की भी जानकारी ली तथा पात्र एवं जरूरतमंद लोगों को लाभ देने योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करने के निर्देश भी दिए। हितग्राही मूलक सामग्री का किया वितरण मंत्री नेताम के द्वारा शिविर स्थल पर 172 हितग्राहियों को राशन कार्ड, 7 किसानों को राष्ट्रीय बागबानी मिशन योजनांतर्गत भिंडी बीज का वितरण, 6 हितग्राहियों को ऋण पुस्तिका वितरण, 5 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी, आयुष्मान कार्ड, स्व सहायता को चेक का वितरण किया।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व देवेंद्र प्रधान सहित, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनोज पैकरा, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकगण मौजूद रहे।

मृतक के नाम पर फर्जी सहमति पत्र बनाकर खनन पट्टा प्राप्त करने वाले तीन आरोपित गिरफ्तार

वर्ल्ड वाइज न्यूज

बलरामपुर। बलरामपुर पुलिस भू माफियाओं की कमर तोड़ने में लगी हुई है। पुलिस की लगातार कार्रवाई से अब भू माफिया दहशत में है। लेकिन फिर भी भू माफिया अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे है। भू माफियाओं ने मृतक का फर्जी सहमति पत्र बनाकर खनन पट्टा बना लिया है। अब पुलिस ने सभी तीनों आरोपितों को सलाखों के पीछे भेज दिया है। पुलिस के द्वारा शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, वृहस्पति निवासी बफौली थाना अंबिकापुर ने थाना राजपुर में लिखित शिकायत में बताया कि, उनके पिता स्व. झाड़ी एवं उनके भाई खरीदू के नाम पर ग्राम बधिमा (चौकी बरियो) तहसील राजपुर में कुल 1.014 हेक्टेयर भूमि दर्ज

है। झाड़ी की मृत्यु 26 नवम्बर 2019 को हुई थी। इसके बावजूद दिनांक 26 जून 2023 को विजय कुमार अग्रवाल निवासी कुण्डला सिटी अंबिकापुर द्वारा एक फर्जी सहमति पत्र प्रस्तुत कर चूना पत्थर के उत्खनन हेतु खनन पट्टा प्राप्त किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना के संबंध में तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर संज्ञान लेते हुये पुलिस अधीक्षक बलरामपुर-रामानुजगंज वैभव बेंकर के द्वारा आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विश्वदीपक त्रिपाठी एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी याकूब मेमन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राजपुर निरीक्षक कुमार चंदन सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम द्वारा सम्पूर्ण घटना क्रम की सुक्ष्मता से जांच शुरू की गई। जांच पर पाया गया कि ग्राम बधिमा में खसरा नं. 788, 789, 790, 791, 792 रकबा क्रमशः 0.160, 0.1420, 0.1540, 0.3840, 0.740 हे. कुल 1.014 हे. भूमि आवेदिका के पिता झाड़ी एवं चाचा खरीदू के स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि है एवं आवेदिका के पिता झाड़ी की मृत्यु दिनांक 26 नवंबर 2019 को हो गई थी। विजय कुमार अग्रवाल के द्वारा उक्त वर्णित भूमि के संबंध में सहमति पत्र का निष्पादन 26 जून 2023 को कराया गया था। जांच के दौरान एसडीएम राजपुर से प्राप्त प्रतिवेदन में पुष्टि हुई कि, सहमति पत्र मृत व्यक्ति के नाम पर बनवाया गया था, जो कि स्पष्ट रूप से अवैध और धोखाधड़ी है। आरोपित विजय कुमार अग्रवाल ने अरविंद सारथी और जगरनाथ पोर्ते के साथ मिलकर यह फर्जीवाड़ा किया। आरोपित विजय कुमार अग्रवाल से पुलिस ने पूछताछ की। उसने पुलिस को बताया कि, अरविन्द सारथी एवं जगरनाथ पोर्ते के द्वारा जमीन का लीज निष्पादित कर कलेक्टर कार्यालय में चूना पत्थर उत्खनन करने हेतु आवेदन किया गया था। जिसके बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपित विजय कुमार अग्रवाल (40 वर्ष) जिला सरगुजा निवासी, अरविंद सारथी उर्फ नईहर साय (36 वर्ष), ग्राम बधिमा थाना राजपुर निवासी, जगरनाथ पोर्ते (36 वर्ष), ग्राम बधिमा थाना राजपुर निवासी को गिरफ्तार कर आज शुक्रवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अपने हौसले और विश्वास से लोगों का दिल जीत रहीं डीसी नैंसी सहाय : संजय मलिक

- रामनवमी, ईद और सरहुल शांतिपूर्ण संपन्न कराने पर डीसी को किया सम्मानित
- झारखंड आंदोलनकारी सह शांति समिति के सदस्य फहीमुद्दीन उर्फ संजर मलिक ने डीसी को अंगवस्त्र किया भेंट

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। उपायुक्त नैन्सी सहाय को रामनवमी, ईद और सरहुल पर्व को शांतिपूर्ण और सुगम तरीके से सम्पन्न कराने में उनकी भूमिका के लिए झारखंड आंदोलनकारी सह शांति समिति के सदस्य फहीमुद्दीन उर्फ संजर मलिक ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी सह शांति समिति के सदस्य फहीमुद्दीन उर्फ संजर मलिक ने कहा कि उपायुक्त महोदया ने रामनवमी, ईद और सरहुल को शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने में अग्रणी भूमिका निभाई है। हजारीबाग की लोकप्रिय महिला उपायुक्त जो पिछले 4 वर्षों से अपने हौसले और विश्वास से लोगों का दिल जीत रही हैं। इसके लिए उपायुक्त महोदया बधाई की पात्र हैं। उपायुक्त ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा शांति और सौहार्द बनाए रखना रही है। जिला प्रशासन सदैव रामनवमी, ईद जैसे अन्य पर्व को भी शांतिपूर्ण और बेहतर तरीके संपन्न कराने के लिए तत्पर है। साथ ही मेरा यह भी प्रयास रहता है कि सरकार की विकास योजनाओं का लाभ भी जिले के अंतिम पायदान पर रह रहे लोगों तक आसानी से पहुंचे। इस अवसर पर शौकत अली खान, आरिफ कुरैशी, जयलाल हक, एजाज खान, काशिब अदीब, तबरेज खान, बिलाल खान, मिराज वारसी, इस्लाम उल हक सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

सांसद ने खुशी और ग़म में निभाई जनभागीदारी

तपती धूप पर मनीष का हौसला भारी, जब बरही विधानसभा क्षेत्र में निकली जायसवाल की सवारी

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल लगातार अपने दैनिक दिनचर्या में आले सुबह से लेकर मध्य रात्रि त तक अपने लोकसभा क्षेत्र के जनता के बीच बने रहते हैं। शुक्रवार को चिलचिलाती धूप के बीच 38 डिग्री टेंपरेचर में सांसद मनीष जायसवाल ने बरही विधानसभा क्षेत्र का तूफानी दौरा किया। इस दौरान चौपारण के दो महायज्ञ अनुष्ठान के पूर्णाहुति में शामिल हुआ और पदमा में एक युवक की दुर्घटना में आकस्मिक निधन पर उनके बीच पहुंचे एवं क्षेत्र के कई व्यक्तियों के लिए पारिवारिक और मांगलिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। चौपारण के विशनपुर और केंदुआ में महायज्ञ की पूर्णाहुति में हुए शामिल हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल शुक्रवार को बड़ी विधानसभा क्षेत्र के दौरे के क्रम में चौपारण प्रखंड अंतर्गत झापा पंचायत के ग्राम विशुनपुर में आयोजित 09 दिवसीय श्री दुर्गा देवी प्राण प्रतिष्ठा एवं नव चण्डी महायज्ञ और जगदीशपुर पंचायत के ग्राम केंदुआ में आयोजित 11 दिवसीय श्री श्री 1008 श्री महारुद्र यज्ञ सह शिव प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के पूर्णाहुति समारोह सह भंडारे में शामिल हुए और यज्ञ मंडप की परिक्रमा के साथ मंदिरों में माथा टेककर क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना ईश्वर से की। इस दौरान दोनों महायज्ञों के आयोजन समिति द्वारा सांसद मनीष जायसवाल का अंग- वस्त्र भेंटकर एवं फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। सांसद मनीष जायसवाल को तपती दोपहर की प्रचण्ड गर्मी में अपने बीच पाकर क्षेत्रवासियों में अद्भुत उत्साह और श्रद्धा का भाव दिखा । मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि धार्मिक अनुष्ठान यज्ञ के आयोजन की विशेष महत्ता है। ऐसे आयोजनों से धार्मिक चेतना जागृत होता है साथ ही सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूप से भी हम समृद्ध होता है। इन महायज्ञों के माध्यम से चौपारण क्षेत्र में धार्मिक कर्मकांड, भजन- कीर्तन और कथा- प्रवचन से भक्ति एवं आस्था की बयार बही और लोगों का तन, मन और क्षेत्र का वातावरण शुद्ध हुआ। सांसद मनीष जायसवाल ने लोगों से अपील किया कि यज्ञ के दौरान जो अच्छी और प्रेरक जानकारी आपको प्राप्त हुई उसे अपने जीवन में आत्मसात कर दैनिक दिनचर्या के अमल में जरूर लाए तभी यज्ञ के आयोजन की सार्थकता पूरी होगी ।

इसी दौरान सांसद मनीष जायसवाल चौपारण भाग- 1 के जिला परिषद सदस्य सह भाजपा के वरिष्ठ नेता राकेश रंजन के आवासीय परिसर चौपारण प्रखंड के बेढ़ना पंचायत स्थित ग्राम

सबैया पहुंचे और यहां इस क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं संग चाय के साथ संवाद हुआ। तत्पश्चात चौपारण प्रखंड अंतर्गत ग्राम झापा निवासी भाजपा कार्यकर्ता बिंदेश्वर नायक की सुपुत्री के शादी समारोह में शामिल होने उनके निवास पहुंचे एवं बिटिया रानी को शादी पूर्व आशीर्वाद दिया साथ ही ईश्वर से उसके सुखमय दाम्पत्य जीवन की कामना भी की ।

पदमा के नावाडीह निवासी पॉकलेन हेल्पर का आसाम के गुवाहाटी में मौत, शोकाकुल परिवार को मनीष ने बंधाया ढांढ़स हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बरही विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पदमा प्रखंड स्थित ग्राम नावाडीह निवासी पॉकलेन हेल्पर विकास कुमार मेहता (उम्र करीब 24 साल) के आसाम के गुवाहाटी में एक कंपनी के साइट पर कार्य के दौरान आकस्मिक निधन की बेहद दुःखद सूचना प्राप्त होते ही सांसद मनीष जायसवाल तत्काल पदमा के दाउजीनगर में उनके शोकाकुल परिवारजनों के बीच पहुंचे और उन्होंने घटना की पूरी विस्तृत

जानकारी ली। मृतक पॉकलेन हेल्पर के दो मासूम बिटिया हैं। यहां समाज के लोगों के बीच मृतक के परिवारजनों को मुआवजा दिलाने के प्रयास को लेकर सांसद मनीष जायसवाल ने वार्ता की। उचित मुआवजा दिलाने का कोशिश में उन्होंने सकारात्मक पहल किया। ज्ञात हो कि चार दिन पहले ही इनका निधन हुआ था जिसके बाद शुक्रवार की सुबह शव पदमा पहुंचा है और शव आने के साथ क्षेत्र ने शोक की लहर दौड़ पड़ी है। सांसद मनीष जायसवाल ने ईश्वर से मृतक के आत्मा को शांति और शोकाकुल परिवारजनों को इस विकट दुःख से उबरने का अदम्य साहस प्रदान करने की कामना भी किया । मौके पर कई गणमान्य लोग थे मौजूद सांसद मनीष जायसवाल के दौरे के क्रम में पदमा में हजारीबाग के जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता, स्थानीय जिप सदस्य बसंत नारायण मेहता, स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि विजय मेहता, पप्पू मेहता, छोटू मेहता, आजसू नेता संजय मेहता, मनीष कुमार, सुधीर मेहता, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, चौपारण दौरे के क्रम में जिप सदस्य राकेश रंजन, भाजपा नेता मुकुंद साव, पूर्वी मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, गुरुदेव गुप्ता, रंजीत चंद्रवंशी, प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा अशोक प्रजापति प्रभु चंद्रवंशी,रिशु वर्णवाल, रोहित जैन, ग्राम विशनपुर में आयोजित यज्ञ के अध्यक्ष रामचलितर राणा, सचिव शशि सिंह, कोषाध्यक्ष कैलाश साव, उपाध्यक्ष रामबृक्ष राणा, उप सचिव मनोज सिंह, उपकोषाध्यक्ष रक्षोपाल राणा और सक्रिय सदस्य दसरथ साव, पप्पू ठाकुर, मुकेश राणा, चंद्रशेखर सिंह, धन्नु साव, बिरेन्द्र राणा, राधेश्याम राणा, रामदेव गुप्ता, बबलू राणा, आदित्य ठाकुर और ग्राम केंदुआ में आयोजित यज्ञ के अध्यक्ष तुलसी साव, सचिव लव कुमार पंडित, कोषाध्यक्ष महावीर यादव, उपाध्यक्ष कैलाश पांडेय, उपसचिव चंदन कुमार यादव, उप कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चंद्रवंशी, संरक्षक विनय कुमार पांडेय सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

वनमण्डलाधिकारी ने किया रामानुजगंज वन परिक्षेत्र का निरीक्षण

वर्ल्ड वाइज न्यूज

बलरामपुर। वनमंडलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी के द्वारा वन परिक्षेत्र रामानुजगंज अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने वन वाटिका रामानुजगंज, कन्हर बेरियर तथा क्षेत्र में वन विभाग द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। वन परिक्षेत्र रामानुजगंज भ्रमण के दौरान सर्वप्रथम वनमंडलाधिकारी बाजपेयी ने वन वाटिका नर्सरी रामानुजगंज का निरीक्षण किया। उन्होंने वन वाटिका में सुधार कार्य, पौधों की ग्रेडिंग एवं शिफ्टिंग, ग्रीन हाउस एवं पॉली हाउस में मरम्मत करने हेतु आवश्यक निर्देश दिये। तत्पश्चात उन्होंने सुशासन तिहार में प्राप्त ओवदन का निराकरण करते हुये विश्वास महिला स्व

सहायता समूह की महिलाओं से मिलकर उनकी मांग अनुसार वन वाटिका में बोटिंग, कैंटिन संचालन, गेट पास के प्रस्ताव पारित करते हुये उनकी मांगों का निराकरण किया गया। उक्त संबंध में कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिये। वनमंडलाधिकारी वाजपेयी ने अन्तर्राज्यीय कन्हर बेरियर (झारखण्ड-छत्तीसगढ़ सीमा) का भी निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित वनोपज जांच नाका के कर्मचारियों से बात कर स्थिति की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने पंजी का भी अवलोकन किया और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वनोपज से संबंधित वाहनों का सघन जांच किया जावे, ताकि अवैध परिवहन न हो सके यदि कोई लापरवाही होती है तो कड़ी कार्रवाई की जावेगी। उसके पश्चात उन्होंने हाथी प्रभावित क्षेत्र एवं दूरस्थ ग्राम फुलवार का

भ्रमण कर ग्रामीणों से बातचीत किया एवं उनकी समस्याओं को सुना एवं त्वरित निराकरण हेतु आश्वस्त किया। वनमंडलाधिकारी ने हाल में हुई हाथी द्वारा जनहानि प्रकरण में मृतिका के परिजन को मुआवजा राशि छह लाख रुपये चेक के माध्यम से भुगतान किया। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को हाथियों से दूरी बनाये रखने की समझाइश दी तथा कहा कि हाथी आने की सूचना तत्काल वन विभाग को दें। उसके पश्चात उन्होंने वन्यप्राणी हाथियों की सुरक्षा हेतु समन्वय स्थापित करने विद्युत विभाग और वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

इस दौरान उप वनमण्डलाधिकारी बलरामपुर संतोष कुमार पाण्डेय एवं वन परिक्षेत्राधिकारी रामानुजगंज निखिल सक्सेना सहित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्लस टू उच्च विद्यालय कटकमसांडी में विद्यालय स्तरीय प्रथम कैरम टैलेंट प्रतियोगिता

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची के निर्देशानुसार + उच्च विद्यालय कटकमसांडी में नौ मई को प्रथम कैरम टैलेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभाग की यह एक बहुत ही सराहनीय पहल है इससे वैसे खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिलता हैं जो आउटडोर गेम नहीं खेलते हैं। प्रतियोगिता में अंडर 17 और अंडर-19 आयु वर्ग के बालक बालिकाओं के लिए एकल और युगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के कक्षा नवमी 11वीं से 12वीं तक के प्रतिभागियों ने भाग लिया। एकल कैरम प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयनित खिलाड़ियों

में अभिषेक कुमार, जैनब परवीन, दशरथ यादव और सोनम कुमारी, वही युगल प्रतियोगिता में मनीष कुमार सिंह ,अमित सांगा ,धनराज कुमार ,जीत ठाकुर, मिली कुमारी, मरियम निशा, शमा परवीन और राजनीधि शमिल हैं। यह प्रखंड स्तरीय कैरम प्रतियोगिता में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयनित खिलाड़ियों को विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय कुमार मसीह सरोज कुमार मालाकार, राहुल कुमार एवं अन्य सभी शिक्षकों ने प्रखण्ड स्तरीय प्रथम कैरम टैलेंट प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं।

शिक्षा से सेवा तक : ग्रामीण विकास को लेकर छात्रों की पहल

वर्ल्ड वाइज न्यूज

डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के ग्रामीण विकास विभाग के छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल जमाल गद्दी के नेतृत्व में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से मिला। छात्रों ने ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन, मनरेगा, पंचायत राज्य योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव, चुनौतियों और संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। इस संवाद का उद्देश्य अकादमिक अध्ययन के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान को भी जोड़ना था, जिससे छात्रों को नीतिगत समझ और प्रशासनिक दृष्टिकोण की जानकारी मिल सके। छात्र-छात्राओं ने राज्य सरकार द्वारा संचालित ग्रामीण विकास की योजनाओं, नीतियों एवं पहलों की जानकारी प्राप्त करना और उनके प्रभाव, चुनौतियों व संभावनाओं पर सीधा संवाद करना। छात्रों ने मंत्री को एक ज्ञापन सौंपते हुए निवेदन किया कि उन्हें शैक्षणिक अध्ययन के हिस्से के रूप में मंत्रालय की नीतियों और कार्यक्रमों को करीब से समझने का अवसर दिया जाए। इस पहल के माध्यम से छात्र व्यावहारिक अनुभव से जुड़कर नीति निर्माण की प्रक्रिया को समझने और अपने ज्ञान को धरातल पर लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल छात्र-छात्राएं :-

जमाल गद्दी, प्रीति कच्छप, सुषमा कुमारी, श्वेता कुमारी, तमन्ना कुमारी, शालू प्रजापति, अजय राणा, रोहित गुप्ता, प्रीति कुमारी दानिश क़मर, रमीज आदि। इस संवाद और भेंट से सभी छात्रों को एक प्रेरणादायक अनुभव प्राप्त हुआ। मंत्री ने छात्रों की जिज्ञासा और प्रयास की सराहना की तथा उनके द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को सकारात्मक दृष्टिकोण से लिया।

यह पहल न केवल छात्रों के शैक्षणिक विकास का प्रतीक है, बल्कि युवाओं की नीतिगत भागीदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। मंत्री ने छात्रों की पहल की सराहना करते हुए उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग देने का आश्वासन दिया। यह भेंट छात्रों के लिए प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक सिद्ध हुई।

शासी निकाय की बैठक में सीएन कालेज के विकास और शैक्षणिक बेहतरी का निर्णय

सांसद मनीष जायसवाल कॉलेज के अध्यक्ष और राजू चतुर्वेदी चुने गए सचिव

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रामगढ़। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के रामगढ़ जिला अंतर्गत रामगढ़ शहर के रामनगर, मरार स्थित छोटा नागपुर महाविद्यालय (सी.एन.कॉलेज), रामगढ़ की शासी निकाय की बैठक हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कॉलेज परिसर में संपन्न हुई। बैठक में स्थाई शासी निकाय का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष के रूप में सांसद मनीष जायसवाल एवं सचिव राजू चतुर्वेदी और को-ऑप्ट शिक्षाविद् सदस्य के रूप में डॉक्टर सुरेश प्रसाद पाल का चुनाव किया गया। साथ ही नवनिर्वाचित शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. खिरोधर साहु, (विभागाध्यक्ष, वाणिज्य) एवं विश्वविद्यालय प्रतिनिधि डॉ. के.के.गुप्ता (स्नातकोत्तर, हिंदी विभाग) को शासी निकाय की पहली बैठक में अभिनन्दन किया गया। बैठक में कॉलेज के विकास के साथ शैक्षणिक क्षेत्र में बेहतर करने को लेकर लंबी चर्चा-परिचर्चा हुई। इससे पूर्व सांसद मनीष जायसवाल ने कालेज परिसर का निरीक्षण किया। कॉलेज निरीक्षण के दौरान भाजपा नेता राजू चतुर्वेदी, रंजन सिंह फौजी, रामगढ़ जिले के सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी और रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस सहित अन्य लोग मौजूद थे।

थैलेसीमिया दिवस पर लगाया गया रक्तदान शिविर

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। अंतरराष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन द्वारा थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों एवं रक्त की कमी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए मई माह का पांचवा रक्तदान शिविर शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में गुरुवार कोआयोजित किया गया।शिविर का उद्घाटन एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्लड मैन निर्मल जैन के द्वारा किया गया। शिविर का शुभारंभ दिल्ली से पधारे भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश के सिख प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आरपी सिंह एवं नविद्र सिंह ने किया। दोनों अपने ननिहाल में आकर रक्तदान कर काफी खुशी महसूस की। तत्पश्चात् श्रेयांश जेय, नियमित रक्तदाता भैया सायन कुमार, मोहम्मद हासिम, रंजीत कुमार रंजन (9वीं वार), एसके सिंह, कृष्णा कुमार, राहुल यादव, रविंद्र कुमार, रौनक राज, विजय कुमार एवं सत्येंद्र जायसवाल आदि रक्तदाताओं ने रक्तदान कर

मानवता का परिचय दिया। श्रेयांश जेय ने प्रथम बार रक्तदान कर आनंद की अनुभूति की। भविष्य में भी रक्तदान करने का आश्वासन दिया।एक गर्भवती महिला को ओ नेगेटिव रक्त की आवश्यकता थी। उन्हें रंजीत कुमार रंजन ने रक्तदान करके मदद किया। रक्तदान के पश्चात वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ने समस्त रक्तदाताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके इस नेक कार्य के लिए बहुत-बहुत साधुवाद किया। साथ ही रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। थैलेसीमिया के रोग से बचने के लिए सरकार को सभी वयस्कों को शादी से पहले मुफ्त थैलेसीमिया जांच की सुविधा उपलब्ध करनी चाहिए, जिससे माइनर थैलेसीमिया पीड़ितों की जोड़ी न बने। शिविर को सफल बनाने में वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन, सदस्यगणएवं तय मेडिकल कॉलेज के टेक्नीशियन एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

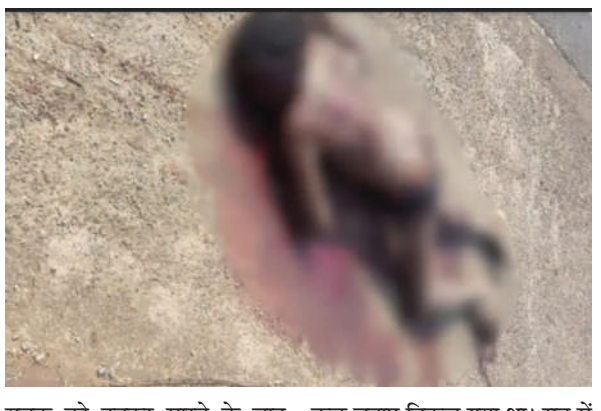

वर्ल्ड वाइज न्यूज

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के उदयपुर-सूरजपुर मुख्य मार्ग के खम्हरिया के पास शुक्रवार सुबह सड़क किनारे अज्ञात युवक का शव मिला। आशंका जताई जा रही है कि, सड़क दुर्घटना से उसकी मौत हुई है। शव को करीब सौ मीटर घसीटे जाने की निशान भी मिली है। पूरा मामला उदयपुर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने उदयपुर-सूरजपुर मुख्य मार्ग पर खम्हरिया के पास सड़क किनारे युवक का शव देखा। जिसकी सूचना तुरंत उदयपुर पुलिस कोई दो गई। सूचना पर उदयपुर टीआई कुमार चंद्राकर की टीम मौके पर पहुंची। सड़क पर युवक को देर तक घसीटने का निशान मिला है। आशंका जताई जा रही है कि, अज्ञात वाहन ने युवक को टक्कर मारने के बाद घसीटा होगा। मृतक के चेहरे और पीठ पर कई जगह चोट आई है।

पुलिस ने मृतक की शिनाख्त कर ली है। मृतक उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सरगवां निवासी चमन सिंह (35 वर्ष) के रूप में पहचान हुई है। मृतक के भाई दूबराज ने बताया कि, रात करीब 8 बजे उन्होंने साथ में खाना खाया था, उसके बाद वह किसी को बिना कुछ बताए निकल गया था। रात में वह वापस नहीं लौटा। सुबह शव मिलने की सूचना पर वे मौके पर पहुंचे तो चमन सिंह का खून से लथपथ शव मिला। वहीं इधर, पुलिस घटना को लेकर केस दर्ज कर जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी कुमारी चंद्राकर ने बताया कि, प्रथम दृष्टया यह दुर्घटना है। अज्ञात वाहन ने टक्कर मारने के बाद उसे घसीटा है।

कहां है स्वर्ग

(उषा जैन 'शीरीं' - विनायक फीचर्स)

दर्द से कराहते हुए सुहानी ने घुटनों पर हाथ रखा और बमुश्किल खड़ी हुई। उसने अपनी दृष्टि चारों ओर घुमाई आलीशान डबल बेड। इंपोर्टेड फर्नीचर। बेड के अपोजिट साइड में मुलायम गद्देदार मैहरून कलर का मिनी सोफा। दीवाल से लगा बड़ा-सा मिरर और अर्द्ध गोलाकार बड़ी-सी ड्रेसिंग टेबल जिस पर तरह-तरह के प्रसाधन और परफ्यूम्स करीने से सजे थे। उसके पति दत्त साहब ने यह बेडरूम बड़े चाव से उसके लिए एंटीरियर डिजाइनर से तैयार करवाया था। यह कमरा इतना खुला और कोजी था कि उसका ज्यादा समय इसी में गुजरता।

उसे पढने का शौक था। ढेर-सी मेगजींस और किताबें शेल्फ में रखी थीं। दूसरी ओर कलर टीवी और स्टीरियों जिसके साथ बड़े-बडे स्पीकर थे जो दीवार पर सफाई से लगे थे। नामी कलाकारों की नायाब पेंटिंग्स से पूरा कमरा सजा था। सुहानी गुजरे जमाने की हीरोईन है। अपने को उसने आज भी पूरी तरह मेंटेन कर रखा है। अपने जमाने में वह लाखों दिलों की मलिका, औरतों की ईर्ष्या मिश्रित प्रशंसा का बायस हुआ करती थी। सुबह के आठ बज रहे थे। नाश्ते के लिए उसने बैल बजाई। थोड़ी ही देर में जगत उनके नाश्ते की ट्रे ले आया। दो सूखे टोस्ट, ऑरेंज ज्यूस कुछ फ्रूट्स और .... बस यही सब होता था नाश्ते में। जगत उनका शोफर, खानसामा, अर्दली, मैनेजर पी.ए. माली गरज यह कि 'वन इन ऑल' सेवक था। उसके होते वे बाहरी झंझटों से काफी हद तक मुक्त थीं, लेकिन भीतर के द्वंद्व तो स्वयं उन्हें ही झेलना थे। जगत, नाश्ते का सामान समेटते हुए लंच में क्या बनेगा पूछ रहा था। आज मैं लंच नहीं लूंगी। तुम अपने लिए ही कुछ बना लेना सुहानी बोली। बाहर जाने के लिए तैयार होते हुए वह अतिरिक्त रूप से उत्साहित थी। उसने फिरोजी कलर का सिल्क का एम्ब्राइडरी किया सूट पहना जो वह अपनी पाकिस्तान की ट्रिप में वहां से लाई थी। दत्त साहब कहा करते थे उस पर फिरोजी कलर खूब फबता है उसके साथ मैचिंग एक्सेसरीज। नीलम और हीरे जड़ित एक हल्का-सा नेकलेस और मैचिंग लटकनें पहनकर वह गजब ढा रही थी। जगत, गाड़ी गैराज से निकालकर पोर्टिको में खड़ी कर चुका था। वह घर से प्रोड्यूसर मलिक के यहां पहुंचीं। मलिक साहब का सेक्रेटरी खुराना उन्हें अच्छी तरह पहचानता था। उसने आदर से उन्हें बैठाया। कोल्डड्रिंक मंगवाया। उनके हालचाल लेने के बाद उसने मलिक साहब को इन्फार्म किया कि सुहानीजी आई हैं। मलिक ने सुहानी की बदौलत करोड़ों रुपए कमाए थे। जब सुहानी ने उसकी पहली फिल्म 'कली गुलाब की' साइन की थी तब वे दोनों ही अस्तित्वहीन थे। पिक्चर सुपर-डुपर हिट हो गई और उसके साथ ही दोनों के भाग्य का सितारा भी चमक उठा। उसके बाद तो लगातार उन्होंने कई हिट फिल्में दीं। हीरो की तरह सुहानी के पति भी फिल्मों के साथ बदलते रहे। दत्त उनका चौथा पति था जिसे सुहानी ने नहीं छोड़ा था, बल्कि वे स्वयं ही मर के उन्हें छोड़ गए थे। मलिक सत्तर के करीब पहुंच रहा था, लेकिन कद काठी से अभी मजबूत अपनी उम्र से दस बरस कम लगता था। वह आज भी बाल डाई करके बढिया सूट-बूट में परफ्यूम की फिजां महकाता छैला बना रहता था। सुहानी से कभी उसके अंतरंग जिस्मानी रिश्ते रह चुके थे, लेकिन अब वे पुरानी बातें थीं। मलिक को हालांकि सुहानी का आना उबाऊ लग रहा था लेकिन आमतौर पर वो बहुत डिप्लोमेट आदमी था और किसी से रिश्ते आसानी से बिगडने नहीं देता था। सुहानी उससे अरसे से काम मांग रही थी। मलिक एक नई पिक्चर बना रहा था। उसमें मां का एक छोटा-सा रोल था जो वह सुहानी को ऑफर कर रहा था। गरीब मां का जो हुलिया होगा उसकी तस्वीर, उसके सामने उसे मुंह चिढ़ाने लगी फिर जब बेटे का रोल करने वाले का नाम उसने देखा, क्रोध से उसका चेहरा तमतमा गया। सत्येंद्र उसका पूर्व पति था। क्या मलिक ने उसको बेइज्जत करने के लिए बुलाया है। 'मलिक, हाउ केन यू...।' कहते-कहते सुहानी का गला भर आया। आंखों का पानी था कि अब टपका अब टपका। मलिक बेशर्मी से मुस्करा रहा था। वह अब अपने असली रूप में आ गया।

'यही प्रॉब्जम है तुम औरतों के साथ। सच्चाई को स्वीकारना ही नहीं चाहतीं। वक्त अपने साथ हुस्न जवानी सब ले जाता है। बाकी जो रह जाता है उस पर कितनी ही लीपा-पोती की जाए, बात नहीं बनती।'

सुहानी का अब पूरी तरह से मोह भंग हो चुका था। उसे मलिक से ऐसे हृदयहीन व्यवहार की आशा नहीं थी। फिल्मी दुनियां में अपनी जगह बनाने के लिए उसने बहुत से समझौते किए थे अपनी पहचान और स्वाभिमान दोनों को भुलाकर ही वह ऊंचाई तक पहुंच पाई थी।

कास्टिंग काउच के बारे में उसने सुन रखा था, लेकिन लोगों का जो घिनौना रूप उसे इस चकाचौंध भरी दुनिया में देखने को मिला उसमें कईयों के मुखौटे उतर गए थे। ऊपर से शरीफजादे, पूरी तरह घर-परिवार को समर्पित लोगों का असली चेहरा देखा है उसने। प्रतिस्पर्धा और खुदगर्जी का ऐसा घिनौना प्रदर्शन और यह चरित्रहीन बूढ़ा मलिक।

घर लौटते हुए वह सुदूर अतीत की यादों में खो गई। वे तीन बहनें और चार भाई थे। घर में बहुत ऐशो आराम से तो नहीं रहते थे। लेकिन खाने-पीने की कमी न थी। घर का बड़ा-सा मकान था। पिताजी प्रॉपर्टी डीलर थे। उसने बी.ए. तक पढ़ाई की फिर दो साल खाली बैठी रही इसी बीच उसे हीरोईन बनने की धुन सवार हो गई। हीरोईन की खोज में मलिक उन दिनों भटक रहा था। वह उनके शहर में भी आया। सुहानी के पास फिगर, सुंदर नयन-नक्श और दमकता रंग था। मलिक की खोज पूरी हुई। उसे सुहानी में अपना चमकता भविष्य नजर आया। वह प्रसिद्धि की सीढियां तेजी से चढ़ती गई। उसने घर वालों को कांटैक्ट करने की बार-बार कोशिश की, लेकिन पिताजी ने एक ही वाक्य कहकर फोन काट दिया था 'तुम हमारे लिए मर चुकी हो।' छोटा भाई अनिरुद्ध आया था उससे मिलने, लेकिन उसके दूसरे नंबर के पति ने उसे बेइज्जत कर घर से भगा दिया था। यह बात उसे शूटिंग से आने के बाद नौकरों से पता चली थी। आज उसके पास बैंक बैलेंस, नौकर-चाकर, गाड़ी, बंगला सब कुछ है, लेकिन बावजूद इसके वह निहायत अकेली हो गई है। उसकी कमाई के लालची पतियों ने उसे मां नहीं बनने दिया। हर बार उसका एबॉर्शन करा दिया गया। कभी कुछ खिला कर, कभी इमोशनली ब्लैकमेल करके। उसे सुनीता याद आ गई। उसकी मुश्किल घडियों में सुनीता ने उसका हमेशा साथ दिया। उस जैसी लड़कियां तो ईश्वर ने अब खैर बनानी ही बंद कर दी है। स्वाभिमानी निर्भीक और प्यार और अपनत्व से भरी। अपने परिवार के लिए उसने अपना जीवन उत्सर्ग कर दिया था। जितने भी रिस्की और ज्यादा एक्सापोजर वाले सीन थे वह उसी से कराये जाते। ऐसे ही एक स्टंट सीन करते हुए सुनीता बहुत बुरी तरह घायल हो गई थी। अस्पताल तक ले जाते समय बीच में ही उसने प्राण त्याग दिए। उसकी मौत पर सुहानी बहुत रोयी थी। उसने सुनीता के परिवार वालों की काफी मदद की, लेकिन वह उनकी सुनीता कहां से लौटाती। घर आ गया था और उसके साथ ही एक गहरी उदासी, वीरानगी और तनहाई एक साथ उसके स्वागत के लिए खड़ी थीं। कोठी के बाहर सुनहरी हर्फों में लिखा एलजियम मानों उसका उपहास उड़ा रहा था। 'एलजियम-फ्रेंच में जिसका अर्थ है 'स्वर्ग'। क्या यह घर कभी स्वर्ग बन सका? स्वर्ग तो वह तभी होता न जब उसमें प्यार करने वाला पति और निश्छल प्यार लुटाने के लिए अपने बच्चे होते। दुनिया ने उसे छला। उसने भी लोगों को मूर्ख बनाया। हिसाब बराबर। फिर जिन्दगी से कैसा गिला-शिकवा।

किससे करे वो शिकवा-शिकायत, कोई हमदम कोई सहारा... उसके पास तो खालीपन के सिवा कुछ भी नहीं। गहरे अवसाद में डूबी वह यंत्र चलित-सी अपने कमरे में पहुंची। फ्रिज से उसने पानी की बॉटल निकाली। नींद की ढेर-सी गोलियां लीं और पानी के साथ एक-एक कर सारी गटक लीं। फिर तकिए में मुंह छिपाकर हमेशा के लिए आराम की नींद सो गई। (विनायक फीचर्स)

नेकी नौ कोस बदी सौ कोस

(सुधाकर आशावादी -विनायक फीचर्स)

अभिव्यक्ति की आज़ादी पर लगाम कसना कभी कभी ज़रूरी हो जाता है। ज़रूरी इसलिए भी कि बिना लगाम कसे घोड़े को मनमानी दौड़ करने से रोकना मुश्किल जो होता है। आजकल सोशल मीडिया पर रील बनाने का चलन है, खासकर महिलाओं में सेलिब्रिटी बनने का भूत सवार है। लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए कोई भी किसी भी हद से गुज़र सकता है। इतिहास गवाह है कि नेकी नौ कोस बदी सौ कोस तक फैलती है। निंदा को लोग चाव से सुनते हैं, किसी की प्रशंसा को नही। फ़िल्मों में भी खलनायक की भूमिका नायक से अधिक पसंद की जाती है। इसी का अनुसरण करने में यू ट्यूबर भी जुटे रहते हैं। लोकप्रियता जब सर चढ़कर बोलती है, तो चींटियों के भी पर उग आते हैं। आसमान से धरती पर आदमी भी कीड़े मकोड़े से दिखाई देते हैं। सारा खेल ही नजरिए का है। जिसका जैसा नजरिया उसका वैसा विमर्श। यदि किसी व्यक्ति, परिवार या समूह के प्रति मन में निष्ठा का भाव है, तो उस भाव को सिद्ध करने के लिए व्यक्ति मनमाने तर्क देकर अपनी ही बात को श्रेष्ठ करने का प्रयास करता रहेगा। एक मित्र से चर्चा करने के उपरांत यह निष्कर्ष निकला कि वह जो भी जिस प्रकार से देखना चाहते हैं, वैसा ही देखते हैं। यह अपनी अपनी दृष्टि का विषय है। विभिन्न रोजगारों में जुटे लोग केवल अपने मतलब तक सीमित रहते हैं, मसलन दर्जी अपने सामने से गुजरने वाले शख्स के परिधानों की बनावट, डिजाइन पर नजर गढ़ाता है, तो ड्राईक्लीन करने वाला या धोबी कपड़ों की सफाई और करीने से की गई प्रेस से दूर की गई सलवटों पर।

ऑटो मैकेनिक आती जाती स्कूटी या बाइक के मॉडल और फिटनेस पर। लेखक अन्य लेखकों की रचनाओं पर। यानी जो स्वयं को जिस क्षेत्र का महारथी समझता है, वह उसी क्षेत्र में अपनी पैनी नजर का उपयोग करता है। उसका नजरिया भी अलग होता है। सामान्य व्यक्ति की दृष्टि और विशेषज्ञ की दृष्टि अलग अलग होती है। अधिवक्ता कानूनी पहलुओं को देखता है और चिकित्सक स्वास्थ्य से जुड़े पक्ष को। इन सबके अतिरिक्त एक प्रजाति ऐसी है, जिसका नजरिया समय के साथ बदलता है। उस प्रजाति से जुड़े लोग देश, काल और अपनी स्थिति के अनुसार ही अपने नजरिये में फेरबदल करते रहते हैं। न जाने कब वे सकारात्मक दृष्टि रखें और कब नकारात्मक कोई स्पष्ट नहीं कह सकता। आस्था के महाकुंभ में भी सभी ने अपनी अपनी नजर का कमाल दिखाया, किसी ने जल धाराओं के संगम में स्नान को आडम्बर कहा, तो किसी ने आस्था का विषय। किसी ने करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए की जाने वाली व्यवस्था को सराहा तो किसी ने व्यवस्था में कमियों का ही विश्लेषण किया। किसी ने अपनी दृष्टि भगदड़ में कुचली गई मृत मानव देह की गिनती को बढ़ा चढ़ाकर अफवाहें फैलाई तो किसी ने स्नान स्थल की सफाई व्यवस्था को ही कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। किसी ने महाकुंभ को सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया, तो किसी ने इसे जातीय छुआछूत तक ही सीमित करने का प्रयास किया। निसंदेह 'जाकी रही भावना जैसी, तिन देखी प्रभु मूरत वैसी' कहावत चरितार्थ हुई। यानि लाशों को देखकर गिद्धों की आँखों में चमक आ गई, संवेदनशील लोगों ने मानवीय रिश्तों में आत्मीयता को महसूस किया। श्रद्धालुओं ने आस्था के संगम में पुण्य की अनुभूति की। रोजी रोटी की तलाश में भटक रहे लोगों ने रोजगार देखा, मानवीय संवेदनाओं के प्रति समर्पित लोगों ने जाति विहीन व्यवस्था को प्रत्यक्ष रूप से देखा व बिना किसी भेदभाव के संगम स्नान किया। आम आदमी ने सनातन संस्कृति की जन जन को जोडने वाली परम्परा का जीवंत उदाहरण देखा। यही स्थिति पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर हुई। किसी ने हमले में धार्मिक आतंक के दर्शन किए, किसी ने सुरक्षा बलों को लापरवाह सिद्ध किया। सच किसी ने नही जाना। बहरहाल जिसने जो भी देखा, वह अपनी इच्छा और अपने नजरिए के अनुसार देखा या ये कहे कि जो जैसा भी देखना चाहता था, उसने वैसा ही देखा। वैसे भी यदि सभी एक सा सोचने लगें, एक सा देखने लगें, एक ही दिशा में दौडने लगें, तो तर्क की अवधारणा ही समाप्त हो जाएगी। व्यापक चिंतन दिशाओं के लिए अपने अपने नजरिए अपनी अपनी सोच किसी भी स्थिति में गलत नहीं कही जा सकती। फिर भी सत्य यही है कि लोग अपने अपने पूर्वाग्रहों में ही जीते हैं, अपने इर्द गिर्द अपने अपने चिंतन आकाश बुनने की उन्हें स्वतंत्रता प्राप्त होती है और यह स्वतंत्रता उनके मौलिक अधिकारों में निहित होती ही है। (विनायक फीचर्स)

ऑपरेशन सिंदूर

सत्येन्द्र कुमार पाठक

ओ पाक के आतंकियों, सुनो यह ललकार,
यह भारत माँ तुम्हें अब देगा फटकार।
छिपकर वार करते हो निर्दोषों के प्राण पर,
गर है हिम्मत, आओ रण में, खड़े हो कर।
मानवता को तुमने किया है लहूलुहान,
हर निर्दोष की आह, बनेगा तूफान।
यह देश तुम्हें कभी न देगा माफी,
हर कतरे का बदला, चुकाओगे बारी-बारी।
ओ देश के गद्दारों, धर्म की ओट में,
खेली तुमने जो खून की होली इस माटी में।
न दया, न ईमान, न धर्म का भय समाया,
कम से कम अपनी करतूतों से तो शरमाया।
इस पाप का अंजाम तुम्हें भुगतना होगा,
अब संभल जाओ, यह काल का नगाड़ा होगा।
ओ देश के दरिंदों, यह मजहबी कायरता कैसी?
धर्म के नाम पर बाँटी तुमने कैसी द्वेष की खेती?
अपनी दरिंदगी से देश को शर्मसार किया,
अब बारी है हमारी, दंड का प्रहार किया।
तैयार हो जाओ, अब दंड भुगतने का काल,
पापों की नैया न होगी अब पार।
सारी दुनिया थूकती है तुम्हारे घृणित कर्मों पर,
क्यों पनपने दी कलुषित भावना अंतर में?
अब वही अंजाम होगा, जो किया पर्यटकों संग,
यह हिंदुस्तान अब न बख्शेगा, लहू का होगा रंग।
दरिंदगी की हद हुई पार, सुनो यह हुंकार,
हिंदुस्तान ललकारता, खून का होगा प्रतिकार।
ऑपरेशन सिंदूर अब होगा साकार,
मिटा देगा हर आतंकी, हर अत्याचार ।

पाकिस्तान के सरेंडर के प्रस्ताव

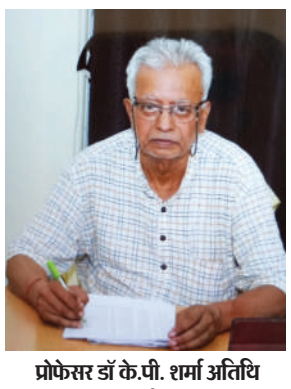

प्रोफेसर डॉ के.पी. शर्मा अतिथि संपादक, वर्ल्ड वाइज न्यूज

मेरे जैसा साधारण आदमी का पाक के विरुद्ध युद्ध का तरीका क्या है? एक हमारे जैसा साधारण आदमी को पाकिस्तान के बारे में यादाश्त 70 वर्षों का है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति, विदेश नीति पढ़ने-पढ़ाने का अनुभव भी 55 वर्षों का है। पाकिस्तान के बारे में भारत देश के अंदर सोच का तरीका एक-सा नहीं है, लेकिन 2/3 लोगों का सोच एक जैसा है। पहली सोच का तरीका है यह है कि कुछ लोग धार्मिक आधार पर सोचते हैं और पाकिस्तान को अपना बड़ा भाई और एक धर्म का मानते हैं। उनकी सोच में दोहरापन झलकता है। दूसरे तरह के लोग हैं जो वोट या पावर पालिटिक्स के आधार पर पाकिस्तान की हरकत को नजर अंदाज करते हैं, चौथे तरह के लोग देश विभाजन को षड्यंत्र मानकर चलते हैं। हमारी सरकार की नीतियां इतनी साफ्ट रही हैं कि अपनी जनता को पाकिस्तान के साथ रोटी-बेटी का संबंध स्थापित करने की छूट दे रखा है। इसका परिणाम अच्छा होने के स्थान पर बुरा हुआ है। पाकिस्तान कोई राष्ट्र निर्माण के नेचुरल सिद्धांत के आधार पर नहीं, बल्कि अन नेचुरल राष्ट्र का निर्माण कर सीमाओं को भौगोलिक रुप में असुरक्षित बना दिया है। पाकिस्तान का प्रारंभिक कार्य ही गैर दोस्ताना रहा है। हिंदुओं, सिखों के विरुद्ध दंगा कत्लेआम को अंजाम देकर दोनों देशों के बीच भाइचारे के स्थान पर घृणा की स्थिति पैदा कर दी।यहां तक कि भारत से विभाजन के बाद पाकिस्तान गये मुसलमानों को द्वितीय श्रेणी का दर्जा दिया, उनसे घृणा किया, मुजाहिर कहा। पाकिस्तान ने यह भय पैदा किया कि भारत को पाकिस्तान का निर्माण स्वीकार नहीं है, इसलिए भारत हमारा दोस्त नहीं दुश्मन है। यह भी कहता रहा कि हिंदू-मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते, इसलिए पाकिस्तान से 15% हिंदू आबादी को भगा दिया, धर्म परिवर्तन किया, दूसरे दर्जे का नागरिक माना। सबसे बड़ी दुर्घटना यह हुई कि ऐसी अंतरराष्ट्रीय शक्तियों को पाकिस्तान ने अपने यहां दोस्त बनाकर रखा जिसने वहां प्रजातंत्र को समाप्त कर सैनिक तानाशाही को पाकिस्तान में बैठा दिया, जो देश की जनता का शोषक बने रहे तथा भारत विरोधी नीतियों पर चलता रहा। पाकिस्तान में सैनिक तानाशाहों, आतंकवाद, कठमुल्लापन को बढ़ावा देने बाले आपस में मिलकर जनता के शोषक और भारत विरोधी गतिविधियों में लगे रहे। भारतीय नेतृत्व वर्ग ने पाकिस्तान को समझ कर भी पाकिस्तान के साथ माफ करने की नीति पर चलते रहे। 1947, 1965, 1971, कारगिल युद्ध, सिंधु नदी समझौता में भंयकर भूल कर अपने लिए पाकिस्तान रुपी भस्मासुर का निर्माण कर लिया है। तख्ता पलट, फांसी, आंतकवाद की नीति पर चलते हुए पाकिस्तान को विश्व में सबसे बदनाम राष्ट्र बना दिया है। आज पाकिस्तान पिछड़ता जा रहा है। अशिक्षा, धर्मांधता बढ़ती जा रही है। इसी की पराकाष्ठा पहलगाम नृशंस हत्याकांड है, जहां धर्म पूछकर हिंदुओ की हत्याएं की गईं। भारत के पास विकल्प क्या बचा है यह पाकिस्तान के अस्तित्व का सवाल नहीं, हिन्दुस्तान के अस्तित्व का सवाल है। पाकिस्तान का आर्मी जेनरल खुलेआम हिंदुओं के खिलाफ भाषण देकर आंतकवादी भेज कर हिंदुओं की हत्या करवाई, तो भारत के पास क्या विकल्प बचता है। मेरे जैसा साधारण आदमी पाकिस्तान के विरुद्ध क्या करेगा। यह हमारे तथा देश के अस्तित्व का सवाल है। सबसे पहले हम अपनी शक्ति को टटोलेंगे और देश की जनता के बीच एकता स्थापित करेंगे और अपनी सेना को जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार करेंगे, विश्व में हमारी सैनिक ताकत चौथे स्थान की है। हमारा आत्मबल भी ऊंचा है। हमें यह लोभ नहीं है कि पाकिस्तान जैसे प्रोबलोमैटिक देश को भारत में मिलाया जाए। यह जरूरी है कि पाकिस्तान को नख, दंत विहीन बना दिया जाय, पाकिस्तान के अन्दर की त्रस्त ब्लूच, पख्तून, सिन्धी को आजाद कर दिया जाय और उनके साथ कन्फेडरेशन बनाकर हम साथ रह सकते हैं। बचे पंजाब को हथियार रहित बना दिया जाय और सेना को भंग कर दिया जाय और वहां प्रजातंत्र लागू किया जाय और अगर वे तैयार हों, तो इनके साथ भी कन्फेडरेशन बनाया जाए या संयुक्त राष्ट्रसंघ कोई ट्रस्टीशीप बनाकर पाकिस्तान का शासन संभाले। भारत को पाकिस्तान के भू-भाग को अपने में मिलाने की हम मूर्खतापूर्ण कार्य नहीं कर सकते हैं। (लेखक विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग से राजनीति विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष, डीन सामाजिक विज्ञान, प्रखर राजनीतिक विश्लेषक और वर्तमान में भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं।)

आपरेशन सिन्दूर

डॉ उषाकिरण श्रीवास्तव

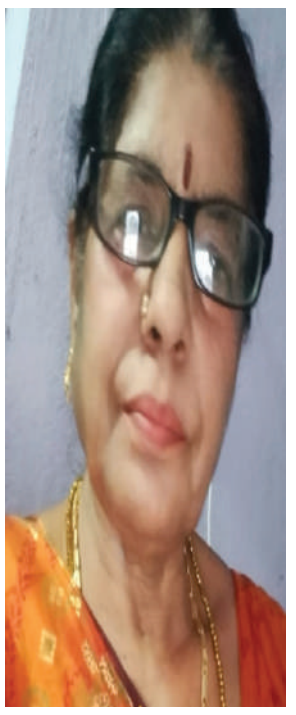

धर्म पूछ कर तुमने धोया
बहन बेटियों का सिन्दूर,
गिन-गिन हम बदला लेंगे
चल पडा आपरेशन सिन्दूर।

तेरे पापों का धड़ा भर गया
बहुत किया तुमने अपराध,
सिन्धु का जल है खौल उठा
अभी खून खौलना बाकी है।

अभी तो बस यह सिर्फ चेतावनी
बदले की ज्वाला धधक रही,
हिन्दुस्तान का बच्चा-बच्चा
दुश्मनों को ललकार रहा।

अबकी नहीं तू बच पायेगा
चाहे कहीं भी छिपे रहो,
सनातनी शेर दहाड़ उठा
चुपचाप शरण में आ जाओ।

मुजफ्फरपुर, बिहार

विश्वास की डोर टूटने न पाए

(डॉ. फ़ौज़िया नसीम 'शाद' -विनायक फीचर्स)

हम अपने जीवन में विश्वास को साख़, ऐतबार, भरोसा, यक़ीन आदि नामों से जानते हैं। यह एक अत्यंत कीमती भावना है, जो कठिन तपस्या और अनुभवों के पश्चात प्राप्त होती है। हर व्यक्ति इसमें दक्ष नहीं हो सकता, क्योंकि विश्वास करना अपने आप में एक बड़ी शक्ति है-यही वह डोर है जो हमें जीवन के संघर्षों से जोड़कर रखती है। विश्वास जीवन की आधारशिला विश्वास वह शक्ति है जिससे हम संसार को जीतने की क्षमता प्राप्त करते हैं। जब हम स्वयं पर या किसी अन्य पर विश्वास करते हैं, तब यह हमारे रब (ईश्वर) पर हमारी आस्था का भी प्रतीक होता है। यह भावना हमारे मन में उत्साह का संचार करती है, और कठिन समय में भी हमें सकारात्मकता की ओर प्रेरित करती है। हमारे जीवन में जो कुछ भी अच्छा या बुरा घटित होता है, वह हमारे रब की मर्जी से ही होता है। वही है जो हमारी परेशानियों को दूर करने की क्षमता रखता है। यह विश्वास ही हमें दुखों और चुनौतियों से लडने की ताक़त देता है। भविष्य अनिश्चित है, लेकिन विश्वास सुनिश्चित करता है,किसी को नहीं पता कि हमारे जीवन में आगे क्या घटेगा, हम आज जीवित हैं कल न हों, फिर भी हम अपने विश्वास की डोर थामे आगे बढ़ते रहते हैं। यही विश्वास हमें आशा देता है कि हर परिस्थिति के पार भी कुछ बेहतर छिपा है। विश्वास प्रेम का दूसरा रूपः प्रेम और विश्वास एक-दूसरे के पूरक हैं। विश्वास वह आशा है जो हमें अपने रब पर यक़ीन करना सिखाती है। इसकी ताक़त से बड़े से बड़े कार्य भी सरल हो जाते हैं, जबकि इसके बिना छोटे कार्य भी कठिन प्रतीत होते हैं। विश्वास को समझें कुछ महत्वपूर्ण बिंदु- विश्वास एक सीमा तक ही उचित होता है; इसकी अति अंधविश्वास बन जाती है, जो हानिकारक होती है। हमें सदैव विश्वास की गरिमा बनाए रखनी चाहिए। किसी का विश्वास जीतने के लिए, पहले उसके प्रति सच्चे और ईमानदार रहें। स्वयं पर विश्वास करें, यही आत्मविश्वास की नींव है।

विश्वास संघर्ष की स्थिति में भी शक्ति देता है। यह धर्म, नीति और समाज का आधार है। विश्वसनीय लोगों को समाज में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। विश्वास का धागा कच्चा होता है एक बार टूट जाए तो फिर से जुडना कठिन होता है। विश्वास कमाने में वर्षों लग जाते हैं, लेकिन टूटने में एक क्षण ही पर्याप्त होता है। संबंधों में विश्वास को कभी भी परिस्थितियों के आगे टूटने न दें।

निष्कर्षः विश्वास हमारे जीवन की बुनियाद है। इसके बिना न तो संबंध बनते हैं, न ही मन की शांति मिलती है। यह आत्मबल देता है, प्रेम को गहराता है और हमें ईश्वर से जोड़ता है। इसीलिए, कभी न टूटे विश्वास की डोर... यही जीवन की सच्ची जीत है। (विनायक फीचर्स)

दो टूक- ऑपरेशन सिंदूरः आतंक के अड्डों पर भारत का 'सिंदूरी' कहर

योगेश कुमार गोयल

'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये भारत ने साबित कर दिया है कि वह अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं बल्कि आतंक के स्त्रोतों पर निर्णायक और सर्जिकल प्रहार करने वाला राष्ट्र बन चुका है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह भारत ने सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों पर निशाना साधते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, उसने न केवल पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाई बल्कि भारत की नई सैन्य नीति को भी स्पष्ट कर दिया कि अब हम चुप नहीं बैठेंगे बल्कि हम आतंक के जन्मस्थल तक जाएंगे और वहां आग लगाएंगे। यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, यह उस बदले हुए भारत की घोषणा थी, जो अब बातों से नहीं, बमों से जवाब देता है, जो कूटनीति की किताब बंद करके अब अपने लड़ाकू विमानों और मिसाइलों की बोली में संवाद करता है। भारतीय वायुसेना ने जब पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकियों के अड्डों पर सर्जिकल स्ट्राइक की तो यह महज जवाबी हमला नहीं था, यह स्पष्ट संदेश था कि भारत अब किसी आतंकी की मांद को भी सुरक्षित नहीं छोड़ेगा, चाहे वह सरहद के इस पार हो या उस पार। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य स्पष्ट था, उन स्थानों को ध्वस्त करना, जहां से भारत में आतंक का बीज बोया जाता है। पहलगाम हमला, जिसमें हमारे निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया, उसकी साजिश कहीं और नहीं, पाकिस्तान की फौज, आईएसआई और लश्कर-ए-तैयबा जैसों की सांठगांठ से ही तैयार की गई थी। भारत ने न केवल इस साजिश को समझा बल्कि उसे जड़ से उखाड़ने की भी ठान ली है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने जिस साहस, रणनीति और सटीकता का परिचय दिया, वह दुनिया के किसी भी शीर्ष सैन्य बल को चुनौती देने के लिए पर्याप्त है। पाकिस्तान हमेशा से ही दोहरी भूमिका निभाता रहा है, एक ओर वह अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शांति और वार्ता की बात करता है तो दूसरी ओर अपने क्षेत्र को आतंकियों के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में प्रयोग करता है। भारत ने अब उस नकाब को पूरी तरह नोच फेंका है। ऑपरेशन सिंदूर ने बता दिया कि भारत अब उन भाषणों या प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं होगा, जो संयुक्त राष्ट्र में दिए जाते हैं बल्कि उन बंकरों को नेस्तनाबूद करेगा, जहां से ये षड्यंत्र जन्म लेते हैं। भारत द्वारा यह कार्रवाई अचानक नहीं की गई बल्कि पहले खुफिया एजेंसियों के माध्यम से आतंकियों की गतिविधियों की पूरी जानकारी जुटाई गई। सैटेलाइट इमेजिंग, मानव खुफिया नेटवर्क और तकनीकी निगरानी के जरिये भारत को यह स्पष्ट हो गया था कि पाक अधिकृत कश्मीर में कुछ स्थान आतंकियों के लांच पैड के रूप में कार्य कर रहे हैं। यह भी सामने आया कि हालिया पहलगाम हमले की योजना भी यहीं से बनाई गई थी। भारत की यह नीति अब 'हिट ऐंड होल्ड' की है कि हमला करो, कब्जा करो और दबाव बनाए रखो। इस ऑपरेशन में सबसे प्रभावशाली बात यह रही कि भारतीय लड़ाकू विमानों ने रात के अंधेरे में बेहद सटीकता से अपने लक्ष्य साधे और सीमित समय में वहां से निकल आए। यह 'नो वॉर्निंग, नो वॉर' रणनीति का आदर्श उदाहरण था। पाकिस्तान के वायु रक्षा तंत्र को भनक तक नहीं लगी और जब तक वहां के सैन्य प्रतिष्ठान कुछ समझ पाते, तब तक भारत अपना काम करके वापस लौट चुका था। इस ऑपरेशन में केवल आतंकी ठिकानों को ही नहीं, उन ठिकानों को भी निशाना बनाया गया, जहां से उन्हें रसद, हथियार और प्रशिक्षण दिया जाता था। यह केवल आतंकियों के खिलाफ नहीं बल्कि आतंक को संरक्षण देने वाली पूरी पाकिस्तानी सैन्य और खुफिया संरचना के खिलाफ कार्रवाई थी। यही कारण है कि पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य गलियारों में इस ऑपरेशन के बाद सन्नाटा छा गया। हालांकि पाकिस्तान की प्रतिक्रिया पूर्वानुमेय थी, पहले इन्कार, फिर विक्टिम कार्ड खेलना और अंत में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से गुहार लगाना लेकिन अब वैश्विक परिदृश्य बदल चुका है। अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अन्य लोकतांत्रिक देश भारत के साथ खड़े हैं। आतंक के प्रति उनकी नीति अब स्पष्ट है कि जो आतंक को शरण देगा, वह खुद सुरक्षित नहीं रहेगा। इसीलिए, भारत द्वारा किए गए इस ऑपरेशन को विश्वभर में नैतिक समर्थन और वैधता प्राप्त हुई है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ऑपरेशन सिंदूर का सैन्य पक्ष जितना शक्तिशाली था, उतनी ही मजबूत उसकी कूटनीतिक तैयारी भी थी। भारत ने पहले ही अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के आतंक समर्थक चेहरे को उजागर कर दिया था। एफएटीएफ जैसे मंचों पर पाकिस्तान की असफलताएं जगजाहिर हैं। ऐसे में भारत का यह सैन्य कदम उस लंबे कूटनीतिक संघर्ष का परिणामी वार था, जिसे वर्षों से संजोया जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी दिखा दिया कि भारत अब केवल एलओसी तक सीमित नहीं है।

बद्रीनाथ मंदिर को क्यों कहते हैं धरती का वैकुण्ठ धाम, किस रूप में विराजमान हैं भगवान

बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई को खुल गए हैं। ऐसे में अब आप सभी लोग बद्री नारायण के दर्शन करने के लिए बद्रीनाथ धाम जा सकते हैं। उत्तराखंड के चार धाम यात्रा में बद्रीनाथ का खास महत्व है। यहां पर आपको भगवान विष्णु के दर्शन करने को मिलते हैं। इसी वजह से बद्रीनाथ को लोग वैकुण्ठ भी कहते हैं। लेकिन ऐसा क्यों इसको लेकर हर किसी के दिल में सवाल आता है? चलिए आपको भी बताते हैं बद्रीनाथ धाम को वैकुण्ठ क्यों कहते हैं। साथ ही, इस स्थान की क्या महत्ता है।

बद्रीनाथ धाम को क्यों कहते हैं वैकुण्ठ

बद्रीनाथ धाम चार धामों में काफी महत्व रखता है। इसलिए इसे धरती का वैकुण्ठ भी कहते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां पर यहां पर भगवान विष्णु निवास करते हैं। हिंदू धर्म में इसलिए प्रमुख धाम का स्थान दिया गया है। ऐसा कहा जाता है कि अगर व्यक्ति अपने जीवन में बद्रीनाथ के दर्शन कर लेता है, तो उसे जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिल जाती है। इसका मतलब होता है उसे मोक्ष की प्राप्ति होगी। इसलिए इसे दिव्य लोक भी कहते हैं। यहां पर भगवान साक्षात्कार करते हैं।

बद्रीनाथ में किस रूप में विराजमान हैं भगवान

बद्रीनाथ धाम में भगवान विष्णु बद्री नारायण के रूप में विराजमान हैं। यहां पर उनकी एक मीटर ऊंची काले पत्थर की स्वयंभू मूर्ति स्थापित है, जिसे आदि शंकराचार्य ने नारद कुंड से निकालकर स्थापित की थी। इस मूर्ति को देखकर आपको लगेगा जैसे भगवान पद्मासन मुद्रा में ध्यानमग्न होकर बैठे हैं। उनके दाहिनी ओर कुबेर, लक्ष्मी और नारायण की मूर्तियां भी स्थापित की गई है। यह मूर्ति भगवान विष्णु की आठ स्वयं प्रकट हुई प्रतिमाओं में से एक मानी जाती है। आपको इस मूर्ति के पास बस दीये जले हुए दिखाई देंगे।

बद्रीनाथ धाम में कैसे करें दर्शन

- इसके लिए आपको सुबह भोर में उठकर पहले गर्म कुंड में स्नान करना है।
- फिर आपको नए वस्त्र को पहनना है।
- फिर आदि ईश्वर महादेव मंदिर के दर्शन करें।
- इसके बाद आपको वहां पर मिलने वाले प्रसाद को लेना है और भगवान के दर्शन करने हैं।
- आप चाहें तो ऑनलाइन पंजीकरण करके आरती भी कर सकते हैं।
- बद्रीनाथ धाम अलकनंदा नदी और पर्वतों के बीच स्थित है। वहां पर बस घंटी की आवाज और नदी की लहरों की आवाज ही सुनाई देती है। आप भी दर्शन करने जा रहे हैं, तो वहां पर बद्री नारायण के दर्शन को अच्छे से करें।

कैसे बने कुबेर धन के देवता? जानें ये रोचक कथा

हिंदू धर्म में धन और समृद्धि के देवता कुबेर देव को माना जाता है। कुबेर देव की पूजा खासतौर पर धनतेरस के दिन की जाती है। माना जाता है कि धनतेरस के दिन कुबेर देव की पूजा करने से कभी भी घर में धन की कमी नहीं रहती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कुबेर को धन के देवता क्यों कहा जाता है और क्या उनका असली नाम कुबेर ही था? आपको जानकर हैरानी होगी कि कुबेर कोई नाम नहीं है,बल्कि एक उपाधि है, जिसका मतलब होता है धन का स्वामी। पुराणों के अनुसार, कुबेर का असली नाम विश्रवण था, क्योंकि उनके पिता महर्षि विश्रवा थे और उनका भाई लंकापति रावण था। उन्होंने कठोर तप किया था और भगवान शिव ने प्रसन्न होकर वरदान दिया था और धन के देवता कुबेर की उपाधि दी थी।

कुबेर देव कौन हैं और वो धन के देवता कैसे बने?

पुराणों के अनुसार, कुबेर देवता रावण के सौतेले भाई थे। रावण की मृत्यु के बाद, उन्हें असुरों का राजा बना दिया गया था। कुबेर को उत्तर दिशा का रक्षक (दिक्पाल) भी माना जाता है और साथ ही वो देवताओं के खजाने के संरक्षक भी हैं। उनके पिता महर्षि विश्रवा और माता देववर्णिनी थीं। कुबेर भगवान शिव के बहुत बड़े भक्त माने जाते हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि उनके पास नौ निधियों का अधिकार है। इसलिए उन्हें धन और समृद्धि का देवता माना जाता है। कुबेर देव को अक्सर चित्रों में छोटे कद, भारी शरीर और गोरे रंग के रूप में दिखाया जाता है। उनके शरीर पर बहुमूल्य रत्नों से सजी वस्त्र और आभूषण होते हैं। कई बार उन्हें हाथ में उल्लू लिए हुए भी दिखाया जाता है, जो उनके वाहन के रूप में माना जाता है और संपन्नता का प्रतीक है।

क्या कुबेर पहले चोर थे?

स्कंद पुराण के अनुसार, पिछले जन्म में कुबेर एक ब्राह्मण परिवार में जन्मे थे और उनका नाम गुणनिधि था। बचपन में वह गलत संगति में पड़कर जुआ खेलने लगे थे। धीरे-धीरे उन्होंने चोरी-चकारी करनी शुरू कर दी थी। जब उनके पिता के यह बात पता चली थी, तो उन्होंने उन्हें घर से बाहर निकाल दिया था। जब वह बेघर हो गए, तो वह भटकते हुए एक शिव मंदिर में पहुंचे थे, जहां उन्होंने प्रसाद चुराने की कोशिश की थी। जब वह गर्भगृह के पास पहुंचे, तो देखा कि भगवान शिव की मूर्ति के सामने दीपक जल रहा था। चोरी करते समय दीपक की रोशनी को रोकने के लिए उन्होंने अपना अंगोछा ऊपर डाल दिया। हालांकि, उस समय मंदिर में एक पुजारी सो रहा था। जब पुजारी को किसी के आने का अहसास हुआ तो उसकी नींद खुल गई। जैसे ही गुणनिधि को देखा तो पुजारी उस पर टूट पड़ा। दोनों के बीच हाथापाई हुई, जिसमें गुणनिधि की मृत्यु हो गई।

भगवान शिव ने क्यों दिया धन देवता का आशीर्वाद?

मृत्यु के बाद, जब यमदूत गुणनिधि की आत्मा को लेने आए, तो वहां भगवान शिव के दूत भी जा पहुंचे। उन्होंने कहा कि शिवजी ने गुणनिधि को अपने पास बुलाया है और इतना कहकर वे गुणनिधि को भोलेनाथ के सामने ले गए। भगवान शिव ने देखा कि गुणनिधि ने उनकी पूजा में जल रहे दीपक को बुझने से रोका था, भले ही वह चोरी करने आया था। उसके अनजाने सेवा से प्रभावित होकर और उसके सभी पापों को माफ करते हुए। गुणनिधि की भक्ति से प्रसन्न होकर भोलेनाथ ने उसे कुबेर की उपाधि दे दी और देवताओं के खजाने का संरक्षक बना दिया।

रामायण में भी मिलता है कुबेर देव का जिक्र

रामायण में वर्णित कथा के अनुसार, कुबेर देव भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए हिमालय पर कठोर तप करने चले गए थे। तप के दौरान, शिव-पार्वती दोनों प्रकट हुए थे। जब कुबेर ने अपनी बाईं आंख से पार्वती जी को देखा, तो माता के दिव्य तेज की वजह से उनकी आंख जलकर पीली हो गई। इसके बाद, कुबेर देव ने दूसरी जगह जाकर तप किया। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भोलेनाथ ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा कि तुमने अपनी तपस्या से मुझे खुश कर दिया है। अब से तुम एकाक्षी पिंगल कहलाए जाओगे, जिसका अर्थ है कि एक आंख और पीले नेत्र वाले।

कुबेर देव कब बने पूजनीय?

कहा जाता है कि एक बार भगवान विष्णु ने कुबेर जी से पूछा कि वह अपने खजाने और धन का इस्तेमाल कैसे करते हैं। कुबेर देव ने गर्व से उत्तर दिया कि वह इसे इकट्ठा करते हैं और विलासिता का आनंद लेते हैं। विष्णु जी मुस्कुराए और उन्होंने बताया कि धन दूसरों की मदद के लिए होता है। तब कुबेर देव को अपनी गलती का एहसास हुआ और वह अपने धन का इस्तेमाल दूसरी की मदद में करने लगे। इस तरह, कुबेर देव की पूजा की शुरुआत हुई।

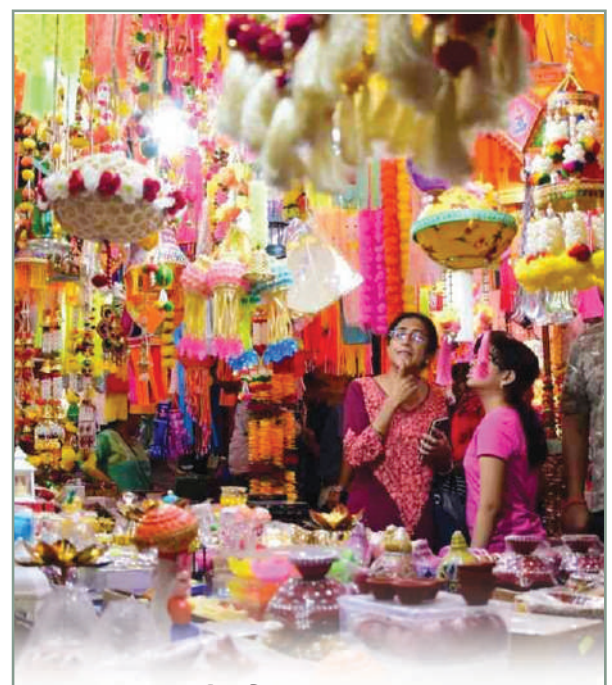

बुद्ध पूर्णिमा पर जरूर खरीदें ये चीजें धन में होगी वृद्धि

बुद्ध पूर्णिमा के दिन कई शुभ योगों का निर्माण एक साथ हो रहा है, ऐसे में इस दिन 3 ऐसी वस्तुएं जरूर हैं जिन्हें खरीदकर घर लाना चाहिए। तो चलिए जानते हैं कि आखिर बुद्ध पूर्णिमा के दिन कौन सी चीजें घर लाना बहुत शुभ माना जाता है।

बुद्ध पूर्णिमा इस साल 12 मई, सोमवार के दिन पड़ रही है। बुद्ध पूर्णिमा के दिन महात्मा बुद्ध की पूजा का विधान है। इसके अलावा, इस दिन मां लक्ष्मी की भी पूजा होती है क्योंकि पूर्णिमा तिथि देवी लक्ष्मी को समर्पित है। बुद्ध पूर्णिमा के दिन कई शुभ योगों का निर्माण एक साथ हो रहा है, ऐसे में इस दिन 3 ऐसी वस्तुएं जरूर हैं जिन्हें खरीदकर घर लाना चाहिए। तो चलिए जानते हैं ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से कि आखिर बुद्ध पूर्णिमा के दिन कौन सी चीजें घर लाना बहुत शुभ माना जाता है।

घर ले आएं पीतल का हाथी

बुद्ध पूर्णिमा के दिन पीतल का हाथी घर लाना ज्योतिष में शुभ माना जाता है। पीतल को सकारात्मक ऊर्जा का वाहक माना जाता है और हाथी शक्ति, स्थिरता और सौभाग्य का प्रतीक है। बुद्ध पूर्णिमा के पवित्र दिन पीतल का हाथी घर लाने से घर में सकारात्मकता बढ़ती है, स्थिरता आती है और भाग्य में वृद्धि होती है। यह घर और परिवार की सुरक्षा और समृद्धि के लिए भी लाभकारी माना जाता है।

बुद्ध पूर्णिमा के दिन घर ले आएं कौड़ी की माला

बुद्ध पूर्णिमा के दिन कौड़ी की माला घर लाना ज्योतिष में लाभकारी माना जाता है। कौड़ी माता लक्ष्मी से संबंधित है और इसे धन, समृद्धि और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। बुद्ध पूर्णिमा के पवित्र दिन कौड़ी की माला घर लाने से घर में देवी लक्ष्मी का वास होता है, आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। यह भाग्य और सुख-शांति को आकर्षित करने में भी सहायक मानी जाती है।

घर ले आएं चांदी का सिक्का

बुद्ध पूर्णिमा के दिन चांदी का सिक्का घर लाना ज्योतिष में बहुत शुभ माना जाता है। चांदी चंद्रमा का प्रतीक है और इसे शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ा जाता है। बुद्ध पूर्णिमा एक पवित्र दिन है, और इस दिन चांदी का सिक्का घर लाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है, आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। यह भाग्य और समृद्धि को आकर्षित करने में भी सहायक माना जाता है।

भैरव जी के पूजन से भक्तों को मिलते हैं अनगिनत लाभ

श्री काल भैरव को भगवान शिव का स्वरूप माना जाता है। यदि आप भैरव जी की पूजा सच्चे मन और विधि-विधान के साथ करती हैं, तो आपके जीवन में उसके शुभ फल मिलते हैं। भैरव की की पूजा कैसे करनी चाहिए और इसमें किन सामग्रियों का इस्तेमाल होना चाहिए, इसके बारे में यहां जानें। हिंदू धर्म में विभिन्न देवी-देवताओं का पूजन बड़े ही श्रद्धा भाव से किया जाता है। कुछ ऐसे भी स्वरूप हैं जिन्हें भगवान के रौद्र रूप में पूजा जाता है। उन्हीं में से के हैं काल भैरव जी। बाबा काल भैरव की पूजा भगवान शिव की उग्र रूप के प्रतीक की तरह की जाती है। यही नहीं उन्हें एक संरक्षक देवता के रूप में भी पूजा जाता है। काल भैरव नकारात्मकता को दूर करके आध्यात्मिक शुद्धि का प्रतीक माने जाते हैं। जिस स्थान पर भी माता दुर्गा का पूजन किया जाता है, वहां काल भैरव जी भी विराजमान होते हैं। काल भैरव की पूजा भी अन्य देवी देवताओं की ही तरह पूरे विधि-विधान से की जाती है। ऐसा माना जाता है कि यदि आप सही विधि और सामग्री के साथ काल भैरव की पूजा करती हैं तो आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में समृद्धि बनी रहती है।

काल भैरव, हिंदू पौराणिक कथाओं में एक महत्वपूर्ण देवता के रूप में पूजे जाते हैं, जिन्हें भगवान शिव के सबसे उग्र रूप के रूप में पूजा जाता है। इनकी पूजा मुख्य रूप से घर की सुरक्षा के लिए की जाती है। क्योंकि मान्यता है कि वह ब्रह्मांड की आठ दिशाओं की रक्षा करते हैं। काल भैरव की उत्पत्ति का स्रोत भगवान शिव को ही माना जाता है। पुराणों में उन्हें शिव के रौद्र रूप में ही दिखाया जाता है। कालभैरव अष्टमी के दौरान मुख्य रूप से उनकी पूजा की जाती है, यह दिन भक्तों के लिए उनका आशीर्वाद पाने का शुभ दिन माना जाता है। यही नहीं आध्यात्मिक रूप से भी बुराइयों से बचने और भगवान शिव का आशीर्वाद पाने का एक तरीका माना जाता है।

काल भैरव की पूजा विधि

- काल भैरव जी की पूजा करना भगवान काल भैरव का आशीर्वाद पाने का एक तरीका माना जाता है। आइए यहां जानें काल भैरव की पूजा की सही विधि के बारे में विस्तार से-
- काल भैरव जी की पूजा के लिए सबसे पहले ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। काल भैरव की पूजा ब्रह्म मुहूर्त में करना सबसे ज्यादा फलदायी माना जाता है।
- पूजा के लिए सबसे पहले सही पूजा स्थल का चुनाव करना जरूरी है। शुभ मुहूर्त में पूजा के लिए एक साफ और शुद्ध स्थान का चुनाव करें। अगर आप भैरव यंत्र उपयोग करती हैं, तो उसे पूजा वाले स्थान के मध्य में रखें।
- आपको ध्यान रखने की जरूरत है कि पूजा का स्थान साफ-सुथरा होना चाहिए। भैरव जी को काले तिल चढ़ाए जाते हैं क्योंकि यह इस पूजा के लिए शुभ माना जाता है।
- पूजा के लिए किसी साफ चौकी पर भगवान काल भैरव की मूर्ति या चित्र स्थापित करें। पूजा की चौकी को फूलों और काले कपड़े से सजाएं और चौकी पर सरसों के तेल का दीपक तैयार करें।
- काल भैरव की पूजा में काला तिल चढ़ाने से जीवन में शुद्धि और आशीर्वाद का बना रहता है।
- काल भैरव जी की मूर्ति या तस्वीर में सरसों का तेल चढ़ाएं और उनके मंत्रों का जाप करें। यदि आप पूजा के समय ओम बटुक भैरवाय नमः मंत्र का 108 बार जाप करें तो विशेष रूप से फलदायी हो सकता है।
- भगवान भैरव जी को प्रसाद चढ़ाएं और फल तरह मिठाई अर्पित करें।
- पूजन के समय कपूर का दीपक जलाएं और भैरव जी की पूजा करें। भैरव जी की पूजा के बाद उनकी आरती करें। यदि आप घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करना चाहते हैं तो काल भैरव जी की पूजा के समय घंटी जरूर बजाएं।

काल भैरव की पूजा सामग्री

काल भैरव की पूजा करने के लिए कुछ विशेष सामग्रियों का प्रयोग किया जाता है।

कालभैरव की मूर्ति या चित्र- काल भैरव की पूजा के लिए उनकी मूर्ति या चित्र की आवश्यकता होती है। पूजन के समय चौकी पर काल भैरव की मूर्ति स्थापित करें।

काले तिल- काले तिल का उपयोग काल भैरव की पूजा में किया जाता है। काले तिल को काल भैरव पूजा की विशेष सामग्री माना जाता है।

सरसों का तेल- सरसों का तेल दीपक जलाने के लिए उपयोग किया जाता है।

काला कपड़ा- काला कपड़ा काल भैरव की पूजा में उपयोग किया जाता है। काला रंग भैरव जी का पसंदीदा रंग माना जाता है।

धुप बत्ती और दीया- धूपबत्ती और दीपक का उपयोग काल भैरव की पूजा में विशेष रूप से किया जाता है।

फूल- काल भैरव जी की पूजा में गेंदा फूल या अन्य फूलों का उपयोग किया जा सकता है।

फल और मिठाइयां- फल और मिठाइयां काल भैरव की पूजा में प्रसाद के रूप में चढ़ाई जाती हैं।

भारतीय टीम के नये टेस्ट कप्तान के लिए ये हैं प्रबल दावेदार

मुम्बई। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद अब अगले माह होने वाले इंग्लैड दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को नये कप्तान की तलाश है। भारतीय टीम को इंग्लैड दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। ऐसे में इन चार खिलाड़ियों को कप्तानी का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

जसप्रीत बुमराह : तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट कप्तान बनने के सबसे बड़े दावेदार हैं। वह टीम के उपकप्तान भी हैं। उन्होंने कई अवसरों पर नेतृत्व कर प्रभावित किया है। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले और आखिरी टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी। उन्होंने पहले मैच में 72 रन देकर 8 विकेट लेकर भारत को 295 रनों से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी वह प्लेयर ऑफ द मैच ही रहे।हालांकि, बुमराह सिडनी में आखिरी टेस्ट में चोट लगने के कारण पूरा मैच नहीं खेल सके थे। बुमराह का कमजोर पक्ष उनकी फिटनेस है।

केएल राहुल : विकेटकीपर बल्लेबजा के एल राहुल भी दावेदारों की सूची में हैं। वह तीन टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी कर चुके हैं। जिसमें से दो में जीत मिली। राहुल ने साल 2021-22 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर दूसरे टेस्ट के दौरान कोहली की जगह कप्तानी की थी। इसके बाद उन्होंने बांग्लादेश दौरे पर भी नेतृत्व किया। राहुल ने हाल ही में टेस्ट में अपनी लय भी हासिल की है। उन्होंने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अच्छी अहम पारियां खेलीं। वह आईपीएल में पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान रहे हैं।

ऋषभ पंत : विकेटकीपर- बल्लेबाज ऋषभ पंत भी टीम इंडिया के टेस्ट की कप्तानी के दावेदारों में शामिल हैं। ऋषभ साल 2017 में डेब्यू के बाद से ही राष्ट्रीय टीम का अहम हिस्सा हैं। उन्होंने जून 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों में भारत की कप्तानी की थी। ऋषभ ने 54 से ज्यादा आईपीएल मैचों में कप्तानी की है। उन्होंने दो आईपीएल टीमों की कप्तानी की है।

शुभमन गिल : युव बल्लेबाज शुभमन गिल को भी टेस्ट टीम की कमान मिल सकती है। उन्होंने 2018 में न्यूजीलैंड में आयोजित अंडर-19 विश्व कप के बाद से ही कप्तानी का अच्छा अनुभव हासिल किया है। वह पिछले साल जिम्बाब्वे दौरे पर पांच टी20 मैचों में भारत के कप्तान रहे थे। भारत ने ये सीरीज 4-1 से सीरीज जीती थी। शुभमन आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस की कप्तानी कर रहे हैं। वह वनडे टीम के उपकप्तान भी हैं।

एक हफ्ते के लिए ही आईपीएल स्थगित, जल्द आयेगा नया शेड्यूल : राजीव शुक्ला

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टूर्नामेंट अनिश्चित काल के लिए स्थगित नहीं हुआ है। केवल एक सप्ताह के लिए ही स्थगित किया गया है। शुक्ला ने कहा है कि नये शेड्यूल की घोषणा शीघ्र ही होगी। वहीं इससे पहले कहा गया था कि आईपील मुकाबले अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिये गये हैं जिसपर अब बोर्ड की ओर से जवाब आया है। गत दिवस गुरुवार को दिल्ली और पंजाब मैच बीच में ही रद्द करने के बाद से ही टूर्नामेंट के आगे आयोजन पर भी संशय जताया जा रहा था। आईपीएल का ये 18 वां सत्र अपने अंतिम पड़वा पर था और फाइनल के साथ ही केवल 16 मैच बचे थे। इसमें लीग चरण के 12 मैच शामिल थे। ये पहली बार नहीं हुआ है कि जब आईपीएल का कोई सत्र बीच में ही स्थगित हुआ है था। इससे पहले 2021 में कोरोना महामारी के कारण सत्र रोका गया था। बीसीसीआई ने शुक्रवार को आईपीएल को स्थगित करने की घोष्णा की। आईपीएल को स्थगित करने का फैसला पाकिस्तान के साथ तनाव और युद्ध के हालात को देखते हुए लिया गया है। इसी कारण गुरुवार को धर्मशाला में चल रहे पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के मैच को बीच में ही रोक दिया गया था। बाद में मैच को रद्द कर दिया गया और सभी खिलाड़ियों, सहायेगी स्टाफ और दर्शकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। तभी से आईपीएल के मौजूदा सीजन पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे थे। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि सभी स्टेकहोल्डर्स से चर्चा के बाद टूर्नामेंट के लिए जल्द ही नया शेड्यूल घोषित होगा। हमें भारतीय सेना पर गर्व है। बीसीसीआई अपने सुरक्षा बलों और सरकार के साथ खड़ी है।' एक दिन पहले जब धर्मशाला में आईपीएल मैच चल रहा था, उसी वक्त पाकिस्तान ने देश के कई शहरों में मिसाइलों और ड्रोन से हमले किये थे हालांकि भारतीय रक्षा प्रणाली ने उन सभी को धवस्त कर दिया था। पाक के सभी ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया गया था।

आईपीएल के बाद टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी भारतीय टीम

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र समाप्त होने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम जून में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। इस सीरीज से 2025-26 सत्र के लिए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत होगी। ऐसे में ये सीरीज दोनो ही टीमों के लिए अहम रहेगी। रोहित शर्मा के टेस्ट प्रारुप से संन्यास की घोषणा किये जाने के कारण इस सीरीज के लिए नये भारतीय कप्तान की घोषणा अभी होनी है। इस सीरीज के लिए टीम की घोषणा इसी माह के अंत तक होने की संभावनएं हैं। टीम में श्रेयस अय्यर के अलावा आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे साई सुदर्शन को भी अवसर मिलने की संभावनाएं हैं। भारतीय टीम को इससे पहले न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था।

ऐसे में भारतीय टीम इस सीरीज में जीत के साथ ही एक बार फिर लय हासिल करना चाहेगी।

संभावित टीमः जसप्रीत बुमराह, यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, आकाश दीप, मुकेश कुमार

सीरीज का कार्यक्रमः-

भारत बनाम इंग्लैंड दूसरा टेस्टः 02 से 6 जुलाई

भारत बनाम इंग्लैंड तीसरा टेस्टः 10 से 14 जुलाई

भारत बनाम इंग्लैंड चौथा टेस्टः 23 से 27 जुलाई

भारत बनाम इंग्लैंड पांचवां टेस्टः 31 जुलाई से 4 अगस्त

पंजाब किंग्स में आने से बेहतर हुआः अर्शदीप

नई दिल्ली। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने आईपीएल के इस सत्र में पंजाब की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। अर्शदीप ने कहा है कि इस टीम में आने के बाद से ही उनमें काफी बदलाव आया है जिसके कारण ही वह पहले से बेहतर खिलाड़ी बन सके हैं। अर्शदीप ने कहा कि फ्रेंचाइजी में एक साल होने के बाद से ही उन्हें अहम भूमिका भी मिलने लगीं जिससे वह अधिक जिम्मेदारी से अपना काम कर पाते हैं। वह साल 2019 से ही पंजाब किंग्स से खेल रहे हैं। अर्शदीप ने कहा, जब से मैं पंजाब किंग्स में आया हूं, पहले साल को छोड़कर , मुझे अपनी भूमिका में वरिष्ठता महसूस होने लगी है। मैं पिछले सात सालों से इस टीम से जुड़ा हुआ हूं और टीम के साथ अपना पहला साल बिताने के बाद मुझे लगने लगा कि मुझे टीम में बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इससे

मुझे एक खिलाड़ी और बेहतर इंसान के रूप में विकसित होने में भी सहायता मिली। अर्शदीप का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन आईपीएल सीजन 2021 में आया जब उन्होंने 12 मैचों में 18 विकेट लिए। वहीं उन्होंने 2022 में 10 विकेट लिए थे। अर्शदीप ने कहा कि इस लीग में खेलने से उन्हें पता चला कि अधिक दबाव वाले मैचों में किस प्रकार से खेला जाता है। इसके साथ ही उनका रुख भी खेल को लेकर गंभीर को गया क्योंकि कठिन हालातों में अगर रुख गंभीर नहीं होगा तो उसका नुकसान टीम को हो सकता है।

जेसन रॉय की रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी, काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए खेलेंगे

लंदन। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज़ जेसन रॉय एक बार फिर रेड-बॉल क्रिकेट में उतरने के लिए तैयार हैं। उन्हें इस हफ्ते वारविकशायर के खिलाफ एजबेस्टन में होने वाले काउंटी चैंपियनशिप मुकाबले के लिए सरे की टीम में शामिल किया गया है।

चार साल बाद वापसी, पिछली बार 2020 में खेले थे रेड-बॉल मैच- 34 वर्षीय रॉय ने अब तक 87 रेड-बॉल मैचों में 36.46 की औसत से 9 शतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 143 (लंकाशर के खिलाफ, 2015) है। हालांकि, उन्होंने आखिरी बार 2020 की कोविड प्रभावित गर्मियों में बॉब विलिस ट्रॉफी में हैम्पशायर के खिलाफ यह फॉर्मेट खेला था।

टेस्ट में नहीं चल पाए थे रॉय- 2019 विश्व कप में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद रॉय को टेस्ट टीम में मौका मिला था। उन्होंने आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट खेले लेकिन आठ पारियों में महज 13.75 की औसत से रन बना सके। ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के सामने उनकी तकनीक नाकाम साबित हुई और आखिरकार उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

सफेद गेंद प्रारूप में गिरती लोकप्रियता का असर- रॉय की वापसी उनके टी20 करियर की घटती चमक को भी दर्शाती है। 2023 में भारत में हुए वनडे विश्व कप में उन्हें इंग्लैंड की टीम से बाहर रखा गया था और इस साल के आईपीएल के लिए भी उन्हें नहीं चुना गया।

कॉरपोरेट वर्ल्ड

जंग की आशंका से सहमा शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव का असर आज भी घरेलू शेयर बाजार में नजर आया, जिसकी वजह से लगातार दूसरे दिन सेंसेक्स और निफ्टी कमजोरी के साथ बंद हुए। आज के कारोबार की शुरुआत बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। हालांकि बाद में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर बाजार को काफी हद तक सहारा देने की कोशिश भी की। इसके बावजूद युद्ध की आशंका के कारण निवेशकों की घबराहट बनी रही। इस घबराहट के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 1.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान डिफेंस और पीएसयू बैंक सेक्टर से जुड़े शेयरों में खरीदारी होती रही। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर रियल्टी, ऑयल एंड गैस, एफएमसीजी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार दबाव बना रहा।

ब्रॉडर मार्केट में भी आज बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 2 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 416.61 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 418.50 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.89 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,010 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,366 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,488 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 156 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,543 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 824 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,719 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 1,366.47 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 78,968.34 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद थोड़ी ही देर में यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 1 हजार अंक से भी अधिक की रिकवरी करके 80,032.93 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी भी अधिक देर तक नहीं टिक सकी, क्योंकि कुछ देर बाद ही बिकवालों ने अपना दबाव बना दिया। बाजार में पूरे दिन लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। दिनभर के कारोबार बाद सेंसेक्स 880.34 अंक टूट कर 79,454.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 338.05 अंक लुढ़क कर 23,935.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 225 अंक से ज्यादा की रिकवरी करके 24,164.25 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में दोबारा कमजोरी आ गई।

सीमा पर तनाव के कारण सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली। एलओसी पर बने तनाव का असर आज घरेलू सर्राफा बाजार में भी गिरावट के रूप में नजर आया। कीमत में आज आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में सोना 610 से 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली कमजोरी दर्ज की गई। आज कीमत घटने के कारण 24 कैरेट सोना 98,350 से लेकर 98,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार करता रहा। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,150 से लेकर 90,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिकता रहा। चांदी के भाव में भी आज कमजोरी आई, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिकी। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट

सोना आज 98,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है।

वॉकी-टॉकी की अवैध बिक्री के लिए 13 ई-कॉमर्स कंपनियों को सीसीपीए का नोटिस

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने वॉकी-टॉकी की अनधिकृच बिक्री को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। सीसीपीए ने वॉकी-टॉकी की अवैध बिक्री के लिए अमेजन और फ्लिपकार्ट सहित अन्य 13 ई-कॉमर्स कंपनियों को नोटिस जारी किया है। ये कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने अनधिकृत वॉकी-टॉकी उपकरणों की बिक्री के लिए अमेजन और फ्लिपकार्ट सहित अन्य प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की है। मंत्रालय ने कहा कि ये कार्रवाई ई-कॉमर्स मंचों पर इन उपकरणों को सूचीबद्ध किए जाते समय उनके संचालन वाली रेडियो तरंगों के बारे में समुचित जानकारी का अभाव, लाइसेंसिंग विवरण और उपकरण प्रकार अनुमोदन (ईटीए) प्रमाण की कमी पर केंद्रित है। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मंत्री प्रल्हाद जोशी ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा, "नियमों का अनुपालन न करने वाले वायरलेस उपकरणों की बिक्री न केवल वैधानिक दायित्वों का उल्लंघन करती है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा संचालन के लिए भी महत्वपूर्ण जोखिम पैदा कर सकती है।" जोशी

ने कहा कि यह उल्लंघन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम और वायरलेस टेलीग्राफी अधिनियम सहित कई कानूनी ढांचों के खिलाफ हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सीसीपीए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 18(2)(एल) के तहत आधिकारिक दिशा-निर्देश जारी करेगा, जिसका उद्देश्य डिजिटल बाजारों में अनुपालन और उपभोक्ता सुरक्षा उपायों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि विक्रेताओं को उपभोक्ता अधिकारों को बनाए रखने और गैरकानूनी व्यापार प्रथाओं को रोकने के लिए सभी लागू नियामक मानकों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

भारत और चिली ने सीईपीए पर वार्ता के लिए संदर्भ शर्तों पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और चिली ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए आधिकारिक तौर पर संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम है। इस ऐतिहासिक कदम को इन दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर भारत में चिली के राजदूत जुआन अंगुलो और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव और भारतीय पक्ष की ओर से भारत-चिली सीईपीए के मुख्य वार्ताकार विमल आनंद ने विधिवत हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर

दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को दोहराया और 26 से 30 मई, 2025 को नई दिल्ली में होने वाली पहली वार्ता के दौरान सार्थक चर्चा के प्रति आशा व्यक्त की। सीईपीए का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूदा पीटीए को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल सेवाओं, निवेश प्रोत्साहन एवं सहयोग, एमएसएमई, महत्वपूर्ण खनिजों आदि सहित कई क्षेत्रों को शामिल करना है, जिससे आर्थिक एकीकरण और सहयोग बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि भारत और चिली रणनीतिक साझेदार और करीबी सहयोगी हैं। दोनों देश उत्साहपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध साझा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में उच्चस्तरीय यात्राओं के आदान-प्रदान से द्विपक्षीय संबंध निरंतर रूप से मजबूत हुए हैं। जनवरी, 2005 में दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग पर एक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, उसके बाद मार्च, 2006 में अधिमान्य व्यापार समझौते (पीटीए) पर हस्ताक्षर किए गए। तब से भारत और चिली के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध मजबूत बने हुए हैं और निरंतर प्रगति की दिशा में अग्रसर हैं।

तेल कंपनियों ने कहा-देश में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक, घबराहट में खरीदारी की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने जनता को पर्याप्त ईंधन स्टॉक का आश्वासन देते हुए कहा कि घबराहट में खरीदारी की जरूरत नहीं है। आईओसी का ये बयान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन खबरों एवं वीडियो के आने के बाद जारी किया गया है, जिनमें दावा किया गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के कारण पेट्रोल पंप पर ईंधन भरवाने के लिए लोगों की कतारें लग गई हैं। देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने शुक्रवार को कहा कि हमारी सभी आपूर्ति लाइन सुचारू रूप से काम कर रही हैं। हमारे सभी 'आउटलेट' पर ईंधन और एलपीजी उपलब्ध हैं। शांत रहकर और अनावश्यक भीड़ लगाने से बचते हुए हमें आपकी बेहतर सेवा करने में मदद करें। इससे हमारी आपूर्ति लाइन निर्बाध रूप

से चलती रहेंगी और सभी के लिए निर्बाध ईंधन पहुंच सुनिश्चित होगी। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने भी एक बयान में कहा कि उसके राष्ट्रव्यापी नेटवर्क में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलपीजी उपलब्ध है। देशव्यापी नेटवर्क में बीपीसीएल के सभी ईंधन स्टेशन और एलपीजी वितरक सुचारू रूप से काम कर रहे हैं। कंपनी ने कहा कि चिंता या घबराहट में खरीदारी करने की कोई वजह नहीं है। हमारी आपूर्ति श्रृंखला का संचालन मजबूत और कुशल बना हुआ है, इसलिए हम सभी ग्राहकों से शांत रहने का आग्रह करते हैं। बीपीसीएल ऊर्जा की सुलभता और विश्वसनीयता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है।

dainikworldwisenews@gmail.com
वर्ल्ड वाइज न्यूज

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, रामनगर, हजारीबाग में शपथ ग्रहण समारोह

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, रामनगर, हजारीबाग में बाल संसद का शपथ ग्रहण समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राजकुमार जी ने बाल संसद के सभी सदस्यों, प्रधानमंत्री तथा विभिन्न विभागों के मंत्रियों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण करने वाले पदाधिकारी इस प्रकार हैं:

विद्यालय के प्रधानमंत्री – दिलखुश कुमार

मंत्री – शिवराज पुरी

सहमंत्री – मोनिका कुमारी

सफाई मंत्री – देव कुमार, खुशी कुमारी

चिकित्सा मंत्री – श्रावणी पाटिल, शिवम कुमार पांडे

जल मंत्री – अभिषेक सोनी

वंदना विभाग – अनुष्का कुमारी, पीहू कुमारी, मोहिनी कुमारी, अमृता कुमारी, सोनाक्षी कुमारी, जानवी कुमारी

खोया-पाया विभाग – अश्विन मिश्रा, परी कुमारी

बागवानी प्रमुख – अश्विन सोनी

बेला प्रमुख – अभिषेक सोनी एवं लक्ष्य कुमार

अनुशासन विभाग – पीयूष राणा, राकेश कुमार

जल विभाग – अभियज्ञान राणा एवं सचिन कुमार

शारीरिक प्रमुख – रिशु कुमार एवं शशि कुमार

आमंत्रण प्रमुख – शिवम कुमार पांडे एवं अनूप कुमार राणा

जनसंपर्क प्रमुख – निलेश कुमार और शिवम कुमार

प्रधानाचार्य राजकुमार जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि बाल संसद लोकतांत्रिक प्रणाली का जीवंत अभ्यास है, जो बच्चों में नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्वबोध तथा सामाजिक चेतना को विकसित करने में सहायक सिद्ध होता है। उन्होंने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को उनके कर्तव्यों के प्रति सजग और निष्ठावान रहने का संदेश दिया। विद्यालय की वरिष्ठ आचार्यगण एवं दीदीगण, जिनमें आरती कुमारी, सुधा राय, श्रीमती कविता सिंह, अभिषेक आनंद, ऋषिका जानवी, पुष्पा पाठक, नैंसी कुमारी एवं सरिता कुमारी प्रमुख रूप से उपस्थित थीं। बाल संसद चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में इन सभी भैया-बहनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क उपलब्ध होंगे आवश्यक यंत्र व उपकरण

मूल्यांकन शिविर का किया जाएगा आयोजन

वर्ल्ड वाइज न्यूज

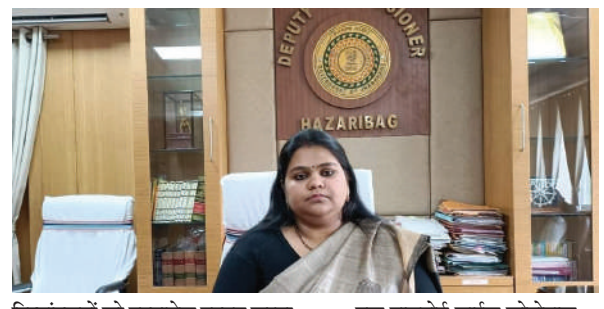

हजारीबाग। उपायुक्त नैन्सी सहाय के निर्देशानुसार जिलान्तर्गत विभिन्न प्रखण्डों में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिको को आवश्यक यंत्र/उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराये जाने के लिए एलिम्को के सहयोग से मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया जाना है। मूल्यांकन शिविर का आयोजन जिले के केरेडारी प्रखंड में 09 एवं 10 मई को किया जाएगा। इचाक प्रखंड में 13 मई, बरकट्ठा प्रखंड में14 मई और चलकुशा प्रखंड में 15 मई को मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया जाएगा।

उपायुक्त के निर्देशानुसार उपरोक्त के अनुसार विभिन्न प्रखण्डों में आयोजित कैम्प में एलिम्को के सहयोग से मूल्यांकन शिविर (Assessment Camp) में वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों की जाँच की जायेगी तदोपरांत अगली तिथि निर्धारित कर उन्हें यंत्र/उपकरण वितरित किया जाएगा।

यंत्र/उपकरण के मूल्यांकन के लिए कैम्प में जांच के दौरान दिव्यांगजनों को दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा अनिवार्य

एक पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ

दिव्यांगता प्रमाण पत्र की छाया प्रति।

आय प्रमाण पत्र की प्रति (मासिक आय 22,500/- रूपये से कम का)

आवासीय पता के लिए आधार कार्ड की प्रति।

यंत्र/उपकरण के मूल्यांकन के लिए कैम्प में जांच के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को यह दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा अनिवार्य

आधार कार्ड की प्रति (आयु 60 से अधिक)

आय प्रमाण पत्र की प्रति (मासिक आय 15000/- रूपये से कम का)

एक पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ

उपायुक्त के आदेशानुसार सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी का संयुक्त रूप से यह दायित्व होगा कि प्रखण्ड अन्तर्गत सभी दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को कैम्प के आयोजन एवं अनिवार्य कागजातों से सम्बन्धित सूचना अधीनस्त कर्मियों के माध्यम से ससमय उपलब्ध करावें। सम्बन्धित प्रखण्ड अन्तर्गत जन प्रतिनिधियों तथा दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न स्वयं सेवी संस्था के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम/कैम्प का व्यापक प्रचार-प्रसार में सहयोग करने का प्रयास करेंगे।

गैर मजरुआ खास जमीन की खरीद-बिक्री पर लगी रोक हटाना झारखंड हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला : डीपी मेहता

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। झारखंड हाइकोर्ट ने राज्य में गैर मजरुआ खास जमीन की खरीद-बिक्री से रोक हटा दी है। हाइकोर्ट ने राजस्व, निबंधन व भूमि सुधार विभाग के उस आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें गैर मजरुआ खास जमीन के निबंधन पर रोक लगाई गई थी। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत गैर मजरुआ खास जमीन की खरीद-बिक्री और रजिस्ट्री पर रोक लगा दी गई थी। यह फैसला राज्य भर के लाखों रैयतों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। हाई कोर्ट के फैसले का झारखंड राज्य विस्थापित संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सीपीआई के वरिष्ठ नेता सह पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने स्वागत किया एवं आभार व्यक्त किया है। आभार व्यक्त करते हुए

उन्होंने कहा कि झारखंड हाईकोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है इस फैसले से झारखंड के गरीब परिवार के बीच में काफी खुशी का माहौल है गरीब वंचित परिवार के लोगों को हाई कोर्ट के फैसले से काफी राहत मिली है कहा कि गैर मजरूवा जमीन की खरीद बिक्री की रोक से कई गरीब परिवार संकट की स्थिति में आ गए थे। जमीन की खरीद-बिक्री नहीं होने से गरीब परिवार के लोग काफी परेशान थे और काफी संकटों का सामना भी कर रहे थे। ऐसे में इस फैसले ने गरीब परिवार के लोगों के बीच में राहत का काम किया है। साथ ही श्री मेहता ने झारखंड सरकार से अपील करते हुए कहा कि झारखंड सरकार हाई कोर्ट के आदेश के आलोक में जल्द से जल्द अंचल कार्यालयों को आदेश जारी कर गैर मजरूवा जमीन की रसीद काटने संबंधित आदेश जारी करें ताकि जल्द से जल्द गैरमजरूवा जमीन की रसीद काटने का कार्य शुरू कर किया जाए। इस फैसले का स्वागत करने वालों में झारखंड राज्य स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता, सीपीआई के जिला सहसचिव निजाम अंसारी, सीपीआई नेता मजीद अंसारी, महेंद्र राम, अनंत कुमार आर्या, खतियानी परिवार के केंद्रीय महासचिव मोहम्मद हकीम शामिल हैं।

सांसद ने नवनिर्मित गौरी शंकर मंदिर का लिया जायजा

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रामगढ़। सांसद मनीष जायसवाल ने शुक्रवार को रामगढ़ शहर के कैथा स्थित जगरनाथ नगर कॉलोनी का निरीक्षण कर जायजा लिया। यहां पहुंचने पर कॉलोनी वासियों ने सांसद मनीष जायसवाल का फूल माला पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। स्थानीय लोगों के आग्रह पर सांसद मनीष जायसवाल ने यहां नवनिर्मित गौरीशंकर मंदिर का जायजा लिया और जल्द मंदिर के प्राण- प्रतिष्ठा को लेकर विशेष चर्चा-परिचर्चा की। स्थानीय लोगों की मांग पर इस नवनिर्मित मंदिर में प्रतिमा भेंट करने का भरोसा जताया। मौके पर विशेष रूप से भाजपा नेता रणंजय कुमार उर्फ़ कुंटू, रामगढ़ जिले के सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, भाजपा जिला महामंत्री विजय जायसवाल, राजू चतुर्वेदी, भाजपा नगर अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव, सुनील प्रसाद, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, रामगढ़ विधानसभा के सांसद मीडिया प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस, सांसद प्रतिनिधि अनमोल सिंह, मनोज गिरी, स्थानीय जेबी सिंह, आरपी सिंह, सीबी सिंह, सरोज यादव, गुड्डू ओझा, यूके सिंह, पीयूष अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

नशा कारोबार पर त्वरित और ठोस कार्रवाई करे प्रशासन : हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। जब राज्य के डीजीपी और डीआईजी स्वयं यह स्पष्ट निर्देश दे चुके हैं कि झारखंड को नशा मुक्त बनाना है, तब भी हजारीबाग में पुलिस की निष्क्रियता चिंता का विषय बन चुकी है। क्या कारण है कि अब तक कार्रवाई केवल कागजों तक ही सीमित है?

हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट बीते तीन वर्षों से हजारीबाग में नशा मुक्ति अभियान चला रहा है। हमारी टीम जमीनी स्तर पर लगातार जागरूकता फैला रही है, लेकिन अब हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि हमें न केवल नशा पेडलरों से, बल्कि कुछ पुलिसकर्मियों से भी डर महसूस होने लगा है।

पेडलरों को पकड़ा जाता है, परंतु कुछ ही दिनों में वे फिर बाहर आकर अपना धंधा शुरू कर देते हैं। यह चक्र आखिर क्यों नहीं टूट पा रहा? किसकी शह पर ये सब हो रहा है?

अब सवाल यह है — क्या पुलिस

सच में पेडलरों के खिलाफ है या कहीं उनके साथ खड़ी है?

हम सरकार नहीं, बल्कि पुलिस प्रशासन से जवाब मांगते हैं:

हमारे सवाल:

क्यों नहीं गठित की जा रही हर थाने में एक सक्रिय विशेष टीम जो नशा पेडलरों पर लगातार निगरानी रखे?

हर बार मामलों को दबाने या भटका देने की कोशिश क्यों होती है?

जब ट्रस्ट राज्य सरकार की 'नशा मुक्त झारखंड' मुहिम में सहयोग कर रहा है, तो प्रशासनिक सहयोग क्यों नहीं मिल रहा?

अब सवालों का नहीं, कार्रवाई का समय है।

हमारी मांगें:

हर नशा पेडलर के विरुद्ध त्वरित एफआईआर दर्ज की जाए और बेल के रास्ते बंद किए जाएं।

प्रत्येक थाना स्तर पर नशा नियंत्रण के लिए एक सक्रिय और जवाबदेह तंत्र स्थापित हो।

जिन पुलिसकर्मियों पर मिलीभगत का संदेह है, उनकी निष्पक्ष जांच हो।

ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं की सुरक्षा की पूर्ण गारंटी दी जाए।

जिला प्रशासन द्वारा नशा मुक्ति अभियान को मंच, प्रचार सामग्री, डॉक्टर, परामर्शदाता और अन्य आवश्यक संसाधन प्रदान किए जाएं।

हजारीबाग की जनता अब चुप नहीं बैठेगी।

यदि जल्द और प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, तो हेल्पिंग इंडिया ट्रस्ट जन सहयोग के साथ सड़कों पर उतरने को बाध्य होगा।

तलवार लेकर तैयार रहिए...लड़ाई के लिए जाना पड़ सकता है

एजेंसी, पटना

पटना में महाराणा प्रताप की जयंती के मौके पर भामा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मंत्री नीरज बबलू ने कहा कि सभी लोग हाथों में तलवार लेकर तैयार रहिए। हमें कभी भी लड़ाई के लिए जाना पड़ सकता है। बिहारियों को अगर छूट दिया जाए तो पाकिस्तान को धूल चटा देगा। उन्होंने आगे कहा कि आप अपने क्षमता का सही उपयोग करें। अपने क्षमता का दुरुपयोग ना करें। हमारा देश युद्ध कर रहा है। हमें अपने सेना पर गर्व हो रहा है, जो पाकिस्तान में घुसकर वार कर रहा है। पाकिस्तान रो रहा हैं कि हमको बचाओ लेकिन पाकिस्तान को कोई पानी भी नहीं देने वाला। दरअसल, पटना में आयोजित कार्यक्रम में डिप्टी

पटना में मंत्री नीरज बबलू बोले- बिहारी तो पाक को धूल चटा दें, हमें सेना पर गर्व है

CM सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल, मंत्री नीरज कुमार बबलू, मंत्री मंगल पांडेय, संतोष सिंह, राजू सिंह सहित बड़े संख्या में मंत्री और विधायक मौजूद शामिल रहे। इस कार्यक्रम में दोनों डिप्टी CM को तलवार भेंट देकर सम्मानित किया गया।

मातम में बदली खुशियां : कल होनी थी शादी, पेड़ से लटका मिला युवक का शव

ब्यूरो, वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के बरकट्ठा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गैयपहाड़ी के युवक आशीष प्रसाद का शव झिंगीबराई जंगल में पेड़ से लटका मिला। बताया जाता है कि युवक आशीष कुमार 25 वर्ष पिता भोला महतों ग्राम गैयपहाड़ी की शादी 11 मई को होनी थीं। शादी को लेकर सभी खुशियां मना रहे थे। युवक शुक्रवार की सुबह घर से गायब था। उसके बाद परिजनों ढूंढ़ने लगे। मृतक की मां और होने वाले साले ने झिंगीबराई जंगल में पेड़ से लटका शव करीब दो बजे देख मां बिलख पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में शौक की लहर दौड़ गई। वही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

एमएलसी संजय सिंह बोले- हम लोगों की मांग पर सीएम ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगवाई थी

एजेंसी, पटना

महान शूरवीर महाराणा प्रताप की जयंती के मौके पर पटना के फ्रेजर रोड स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा स्थल पर राजकीय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने माल्यार्पण कर महाराणा प्रताप को याद किया। इस मौके पर एमएलसी संजय सिंह ने सीएम को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि हम लोगों की मांग पर ही सीएम ने प्रतिमा लगवाई थी। मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, परिवहन

मंत्री शीला कुमारी मौजूद रही। इसके अलावा विधान पार्षद संजय सिंह, विधायक संजीव चौरसिया तथा पूर्व विधायक अशोक सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने भी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर सूचना एवं जन-संपर्क विभाग द्वारा आरती पूजन, भजन-कीर्तन, बिहार गीत और देशभक्ति गीतों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक, राजनीतिक कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में लोग भी मौजूद रहे।

MLC का CM को धन्यवाद: MLC संजय सिंह ने कहा कि साल 2019 से महाराणा प्रताप की जयंती और पुण्यतिथि मनाने का प्रयास किया था। वह प्रयास सफल हो गया है। इसको लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मांग की थी। उन्होंने इस मांग को 2023 में स्वीकार कर लिया था। पटना में महाराणा प्रताप की मूर्ति लगाई गई। इसके लिए तहे दिल से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद देना चाहता हूं।

पटना जू में लीजिए रेन डांस का आनंद, वाटर गार्डेन में इसी महीने बनेगा चेंजिंग रूम

एजेंसी, पटना

गर्मी के मौसम में अगर रेन डांस का आनंद लेना हो तो दर्शकों के लिए सबसे बेस्ट ऑप्शन पटना जू है। यहां पिछले साल दिसंबर महीने में ही वाटर गार्डेन (जल उद्यान) का उद्घाटन किया गया था, जिसमें 7 तरह के फाउंटेन लगाए हैं। वहीं अब पटना जू में मौजूद जल उद्यान में चेंजिंग रूम बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। इस जल उद्यान में दो चेंजिंग रूम बनेंगे। दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। इस चेंजिंग रूम को इसी महीने में बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

चेंजिंग रूम के लिए विभाग से मिली स्वीकृति: जू प्रशासन ने बताया कि जल उद्यान के उद्घाटन के समय में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की पूर्व सचिव बंदना प्रेयषी ने चेंजिंग रूम बनाने को लेकर बात की थी। ऐसे में जू प्रशासन की ओर से चेंजिंग रूम बनाने को लेकर प्रस्ताव विभाग को दिया गया था, जिसकी स्वीकृति मिल चुकी है। फिलहाल पर्यटक

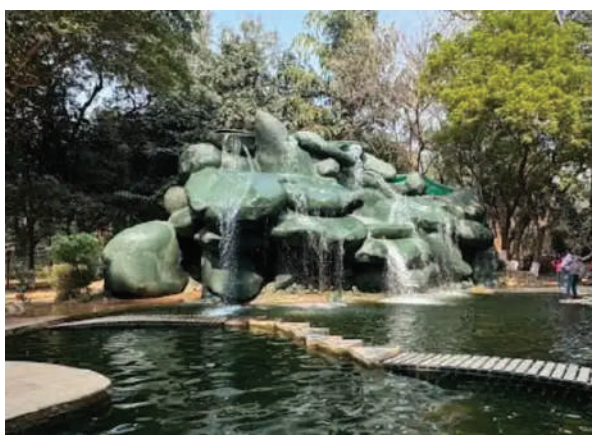

2.45 करोड़ रुपए की लागत से हो रहा निर्माण

सिर्फ फाउंटेन को देखकर जा रहे हैं। चेंजिंग रूम बनने के बाद इसका आनंद सभी ले सकेंगे।

2.45 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है तैयार: इस जल उद्यान के मुख्य फाउंटेन का डिजाइन इको पार्क में लगे झरने जैसा बनाया गया है।

इसे पहाड़ीनुमा नेचुरल झरने का लुक दिया गया है। यह फाउंटेन 30 फीट ऊंचा है। इसके साइड से पाथवे बनाया गया है, जहां से विजिटर्स आ-जा सकेंगे। रेन डांस फाउंटेन के अलावा रहत फाउंटेन, वॉल फाउंटेन, फिश फाउंटेन, बैम्बू फाउंटेन, मिस्ट फाउंटेन और एलिफेंट फाउंटेन आकर्षण के केंद्र हैं।कुल 2.45 करोड़ रुपये की लागत से इस पूरे जल उद्यान को तैयार किया गया था।

पटना यूनिवर्सिटी में पीएचडी के लिए आज से आवेदन, जून में होगी परीक्षा

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी में पीएचडी एडमिशन टेस्ट (पैट) 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया कल से शुरू हो जाएगी। अभ्यर्थी 10 मई से 31 मई तक आवेदन कर सकते हैं। 400 से अधिक सीटों के लिए यह परीक्षा जून 2025 में आयोजित की जाएगी। परीक्षा के बाद सभी सफल अभ्यर्थियों का इंटरव्यू भी होगा। अधिक जानकारी के लिए छात्र वेबसाइट www.pup.ac.in पर विजिट कर सकते हैं।

आवेदन के लिए पीजी में 55 प्रतिशत अंक जरूरी: आवेदन के लिए पीजी में 55 प्रतिशत अंक या फिर यूजीसी स्केल-7 में ग्रेड बी का होना जरूरी है। आरक्षित वर्ग एससी, एसटी, ईबीसी, ओबीसी और दिव्यांग के लिए 5 प्रतिशत की छूट दी गई है। एससी, एसटी के लिए 700 रुपए और सामान्य के लिए 1000 रुपए ऑनलाइन आवेदन फीस देनी होगी। एंट्रेंस टेस्ट उसी विषय में लिए जाएंगे, जिनमें सीटें खाली रहेंगी। जिस विषय में मास्टर डिग्री है, उसी विषय में

1000 रुपए है आवेदन फी

पीएचडी कर सकते हैं।

पैट में दो पेपर की होगी परीक्षा: पैट में दो पेपर की परीक्षा होगी। पेपर-1 और पेपर-2, दोनों 100-100 अंकों के होंगे। पेपर-1 ऑब्जेक्टिव होंगे और रिसर्च एप्टीट्यूड और जीएस से सवाल होंगे। कुल 50 प्रश्न पूछे जाएंगे और उसके लिए एक घंटा का समय होगा। कोई नेगेटिव मार्किंग नहीं है। पेपर-2 संबंधित विषय से होंगे और पीजी के सिलेबस से ही सवाल पूछे जाएंगे। यह पेपर दो घंटे का होगा। इसमें तीन ग्रुप में प्रश्न पूछे जाएंगे। ग्रुप एक में 30 अंकों के प्रश्न होंगे, जिसमें 8 शॉर्ट प्रश्न होंगे। वहीं, ग्रुप बी में 40 अंकों के 7 प्रश्न होंगे। ग्रुप-सी में 30 अंकों के प्रश्न होंगे, जिसमें 4 प्रश्नों में 2 का उत्तर 500 शब्दों में देना अनिवार्य है।

दानापुर में रेलवे ट्रैक से युवक का शव बरामद

एजेंसी, पटना

दानापुर के रूपसपुर थाना क्षेत्र में एक युवक का शव रेलवे ट्रैक पर मिलने से सनसनी फैल गई। शुक्रवार की सुबह टहलने निकले लोगों ने पाटलिपुत्र रेलवे लाइन पर शव देखा। मृतक की पहचान रेलवे लाइन के पास झोपड़पट्टी निवासी प्रदीप कुमार उर्फ राहुल उर्फ चूहा (20) के रूप में हुई। मृतक के भाई विक्रम ने बताया कि प्रदीप की शादी 6 महीने पहले हुई थी। कल शाम शंभू बिंद के बेटे अजय कुमार ने फोन कर प्रदीप को घर से बुलाया था। सभी ने एक साथ शराब पी। देर शाम तक प्रदीप घर नहीं लौटा और उसका मोबाइल भी बंद मिला। शव के सिर पर गहरे चोट के निशान हैं और पूरा शरीर काला पड़ा हुआ है।

परिजनों ने तीन लोगों पर लगाया हत्या का आरोप: परिजनों ने तीन लोगों पर हत्या कर शव को रेलवे लाइन पर फेंकने का आरोप लगाया है। रूपसपुर पुलिस और रेलवे पुलिस के बीच क्षेत्राधिकार को लेकर विवाद के बाद, आक्रोशित

परिजनों ने हत्या कर शव फेंकने का लगाया आरोप, 6 महीने पहले ही हुई थी शादी

परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव को रूपसपुर ROB पर रखकर दानापुर-बेली रोड को जाम कर दिया। जाम की सूचना पर पहुंची दानापुर ट्रैफिक पुलिस और रूपसपुर पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है।

संक्षिप्त समाचार

चीन से व्यापार वार्ता का मतलब 145 प्रतिशत टैरिफ में कमी नहीं : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोटूक कहा है कि चीन के साथ अधिकांश आयातों पर 145प्रतिशत टैरिफ फिलहाल लागू रहेगा। ट्रंप ने यह बयान तब दिया जबकि अमेरिकी और चीनी अधिकारी इस सप्ताह स्विट्जरलैंड के जिनेवा में व्यापार वार्ता के लिए तैयारी कर रहे हैं। चीन में नए अमेरिकी राजदूत डेविड पर्ड्यू के शपथ समारोह में बोलते हुए ट्रंप ने कहा, अमेरिका अब पहले की तरह बड़े पैमाने पर व्यापार घाटे का सामना नहीं कर रहा है। आगामी वार्ता के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, हम हर साल एक खरब डॉलर खो रहे थे, अब हम कुछ भी नहीं खो रहे हैं। मैं इसे इसी तरह देखता हूं।

अमेरिका-ब्रिटेन में होगा पहला व्यापार सौदा: अमेरिका और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौते की उम्मीद बढ़ गई है। इससे राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापक टैरिफ का बोझ घटेगा और ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर को एक राजनीतिक जीत देगा।

अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो ने भारत, पाकिस्तान से तनाव कम करने का आग्रह किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बृहस्पतिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से अलग-अलग बात की और तनाव कम करने की आवश्यकता पर बल दिया। रूबियो ने पाकिस्तान से आतंकवादी समूहों को किसी भी तरह का समर्थन बंद करने के लिए ठोस कदम उठाये जाने का आह्वान किया। जयशंकर के साथ बातचीत में रूबियो ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत के लिए अमेरिकी समर्थन व्यक्त किया तथा संचार में सुधार के लिए निरंतर प्रयास करने को प्रोत्साहित किया।

विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस द्वारा जारी बयान में कहा गया, ''मंत्री ने तत्काल तनाव कम करने की आवश्यकता पर बल दिया।'' इसमें कहा गया है, ''रूबियो ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले पर अपनी संवेदनाएं दोहराईं और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ मिलकर काम करने की अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।'' जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज शाम अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो से बात की। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ काम करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता की मैं तहे दिल से सराहना करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''सीमा पार आतंकवाद के प्रति भारत की लक्षित और संतुलित प्रतिक्रिया को रेखांकित किया। आतंकवाद को बढ़ाने के किसी भी प्रयास का दृढ़ता से मुकाबला किया जाएगा।'' ' रेडियो पाकिस्तान' की खबर के मुताबिक, रूबियो ने प्रधानमंत्री शरीफ को फोन किया और दक्षिण एशिया क्षेत्र में उभरते हालात पर चर्चा की। खबर के अनुसार, रूबियो ने कहा कि अमेरिका दक्षिण एशिया की स्थिति पर करीबी नजर रख रहा है, क्योंकि वह इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

अब वर्ल्ड बैंक ने पाकिस्तान को दिखाया आईना; सिंधु जल संधि मामले में अपना रुख किया स्पष्ट

जेनेवा, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन लेते हुए सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया। इस मामले को लेकर पाकिस्तान काफी ज्यादा छटपटा रहा था और पाकिस्तान के कई बड़े नेताओं ने जल संधि को लेकर गीदड़भभकी भी दी थी। इस बीच वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष ने भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर बयान दिया है और यह साफ कर दिया है कि विश्व बैंक का इसमें क्या रोल रह सकता है। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र से लेकर विश्व बैंक तक इसकी गुहार लगाई थी। सिंधु जल संधि के निलंबन पर वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने कहा, हमारे पास मध्यस्थ के अलावा कोई भूमिका नहीं है। मीडिया में इस बारे में बहुत अटकलें लगाई जा रही हैं कि विश्व बैंक कैसे हस्तक्षेप करेगा और समस्या का समाधान करेगा, लेकिन यह सब बकवास है। विश्व बैंक की भूमिका केवल मध्यस्थ की है। हर तरफ से झटका खा रहे पाकिस्तान को अब वर्ल्ड बैंक ने भी बड़ा झटका दे दिया है।

रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट नए पोप बने

अमेरिका से पोप बनने वाले पहले कार्डिनल; पोप लियो-14 के नाम से जाने जाएंगे

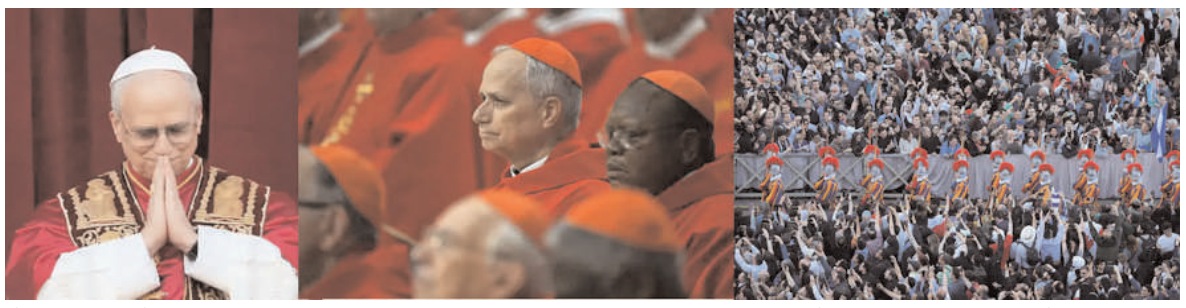

वेटिकन, एजेंसी। वेटिकन में आज पैपल कॉन्क्लेव के दूसरे दिन नए पोप का चयन हो गया। 69 साल के रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को नया पोप चुन लिया गया है। वो अमेरिका से पोप बनने वाले पहले कार्डिनल हैं। उन्होंने अपने लिए पोप लियो-14 नाम चुना है। 133 कार्डिनल्स ने वोटिंग के जरिए दो-तिहाई बहुमत (89 वोट) से उन्हें पोप चुना। 1900 के बाद से यह पांचवां मौका है जब नए पोप को दो दिनों में चुन लिया गया। वोटिंग के दूसरे ही दिन रोमन कैथोलिक चर्च के सिस्टीन चैपल पर स्थित चिमनी से सफेद धुआं निकला, जिससे पता चलता है कि नए पोप का चयन हो गया है।

नए पोप का चयन होते ही वेटिकन में मौजूद 45 हजार से ज्यादा लोगों ने जोरदार तालियां बजाई और एक दूसरे को बधाई दी। इससे पहले 7 मई को वोटिंग के पहले दिन किसी को भी पोप नहीं चुना गया था। कल सिस्टिन चैपल में औपचारिक जुलूस और हर कार्डिनल की तरफ से गोपनीयता की शपथ लेने के बाद, बुधवार रात करीब 9:15 बजे वोटिंग का पहला दौर शुरू हुआ था।

नए पोप ने पहले संबोधन में कहा- सबके दिलों में शांति हो: पोप चुने जाने के बाद पोप लियो-14 ने सेंट पीटर्स बेसिलिका की बालकनी से स्पेनिश भाषा में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से दूसरों के लिए दया दिखाने और प्रेम के साथ रहने की अपील की। उन्होंने कहा- मैं सभी कार्डिनल्स को शुक्रिया करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे फ्रांसिस के उत्तराधिकारी के तौर पर चुना है। मैं उन पुरुषों और महिलाओं के साथ काम करने की कोशिश करूंगा जो मिशनरी बनकर बिना किसी डर के यीशु का प्रचार करते हैं और उनके लिए वफादार हैं।

पोप फ्रांसिस के करीबी माने जाते हैं नए पोप: पोप लियो का जन्म 14 सितंबर 1955 को अमेरिका के इलिनोय में हुआ था। वे पोप फ्रांसिस के करीबी सहयोगी माने जाते थे और उनकी विचारधारा भी पोप फ्रांसिस से मेल खाती है। उन्होंने पोप फ्रांसिस के उस फैसले का समर्थन किया जिसमें तलाकशुदा और दोबारा शादी करने वाली महिलाओं को त्योहार मनाने की इजाजत दी गई थी। 21 अप्रैल को पोप फ्रांसिस का निधन हो गया था। रोमन कैथोलिक चर्च के 267वें पोप का चयन हो रहा था।

7 मई को वोटिंग शुरू होने से लगभग 90 मिनट पहले सभी सिग्नल बंद कर दिए थे। लीक को रोकने के लिए कॉन्क्लेव क्षेत्र को सख्त लॉकडाउन में रखा गया था। 2013 में भी यही तरीका अपनाया गया था जब पोप फ्रांसिस के चुनाव के लिए सिग्नल ब्लॉकर्स लगाए गए थे। वेटिकन में रोजाना का काम करने वाले कर्मचारियों ने भी मौन रहने की शपथ ली है।

कॉन्क्लेव एक गुप्त और पवित्र प्रक्रिया है, जो 13वीं शताब्दी से चली आ रही है। वेटिकन के संविधान के मुताबिक पोप के निधन के 15 से 20 दिनों के भीतर कॉन्क्लेव की शुरुआत होनी चाहिए। कॉन्क्लेव की शुरुआत से 2 दिन पहले वेटिकन के कर्मचारियों जैसे कि पुजारी, सुरक्षा गार्ड, डॉक्टर, टेक्नीशियन आदी ने प्राइवेसी की शपथ ली है, ताकि नए पोप के चुनाव की गोपनीयता बनी रहे।

वोटिंग से पहले सिस्टीन चैपल को बाहरी दुनिया से पूरी तरह अलग कर दिया जाता है। इस पूरे इलाके की जांच की जाती है। कार्डिनल्स के पास मोबाइल फोन, इंटरनेट और न्यूजपेपर की सुविधा नहीं होती।

पैपल कॉन्क्लेव- नए पोप की चयन प्रक्रिया: पोप की मौत के बाद अगले पोप के दावेदारों के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं होती है। नए पोप के चयन की प्रक्रिया को 'पैपल कॉन्क्लेव' कहा जाता है। जब पोप की मौत हो जाती है या फिर वे इस्तीफा दे देते हैं, तब कैथोलिक चर्च के कार्डिनल्स चुनाव करते हैं। कार्डिनल्स बड़े पादरियों का एक ग्रुप है। इनका काम पोप को सलाह देना है। हर बार इन्हीं कार्डिनल्स में से पोप चुना जाता है। हालांकि पोप बनने के लिए कार्डिनल होना जरूरी नहीं है, लेकिन अब तक हर पोप चुने जाने से पहले कार्डिनल रह चुके हैं। जितने भी कार्डिनल्स नए पोप का चुनाव करेंगे, उसमें से ज्यादातर को पोप फ्रांसिस ने चुना था। इसलिए माना जा रहा है कि नए पोप भी फ्रांसिस की तरह उदार और बदलाव को स्वीकार करने वाले होंगे।

गोपनीयता की कसम खाते हैं कार्डिनल्स कॉन्क्लेव का पहला दिन विशेष प्रार्थना सभा से शुरू होता है। प्रार्थना के दौरान सभी कार्डिनल्स एक कमरे में एकजुट होते हैं। इसमें हर एक कार्डिनल गॉस्पेल यानी पवित्र किताब पर हाथ रखकर यह कसम खाता है कि वह इस चुनाव से जुड़ी किसी भी जानकारी का कभी भी किसी और के सामने खुलासा नहीं करेगा।

इसके बाद कमरे को बंद कर दिया जाता है फिर सीक्रेट तरीके से वोटिंग की प्रक्रिया शुरू होती है। वोटिंग शुरू होने के दौरान हर एक कार्डिनल को एक बैलेट दिया जाता है। वह उस पर उस शख्स का नाम लिखता है, जिसे वह पोप बनाना चाहता है। इसके बाद इन्हें एक प्लेट में रखा जाता है। इसके बाद तीन अधिकारी इन्हें गिनते हैं। यदि किसी व्यक्ति को दो-तिहाई बहुमत मिलते हैं, तो वह नया पोप घोषित होता है। इस बार पोप बनने के लिए 89 वोट हासिल करना होगा।

काले-सफेद धुएं से पता चलता है पोप चुने गए या नहीं : अगर किसी को 89 वोट नहीं मिले तो सभी बैलेट को जला दिया जाएगा। इस दौरान बैलेट में एक खास रसायन मिलाया जाएगा, जिससे काला धुआं निकलेगा। काले धुएं का मतलब- अभी तक नए पोप को लेकर कोई फैसला नहीं किया गया है। सफेद धुआं तब निकलता है जब नया पोप चुन लिया जाता है। कॉन्क्लेव के दौरान हर दिन चार बार मतदान होता है। दो सुबह में और दो दोपहर में। यदि किसी उम्मीदवार को दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलता, तो वोटिंग की प्रक्रिया दोहराई जाती है। अगर किसी उम्मीदवार को 89 वोट्स मिल जाएंगे, उनसे पूछा जाएगा कि क्या आप पोप के रूप में चुने जाने को स्वीकार करते हैं? उसकी मंजूरी मिलने के बाद वेटिकन की सेंट पीटर बेसिलिका की बालकनी से नए पोप मिलने की घोषणा की जाती है। इसके बाद नए पोप औपचारिक रूप से पद ग्रहण करते हैं।

यल्दा हकीम ने आतंकवाद पर पाकिस्तान का झूठ किया बेनकाब, पाक उच्चायुक्त को दुनिया के सामने किया शर्मिंदा

इस्लामाबाद, एजेंसी। स्काई न्यूज के लिए प्रमुख विश्व समाचार प्रस्तुतकर्ता और वृत्तचित्र निर्माता यल्दा हकीम ने पाकिस्तान के झूठे प्रचार को एक शक्तिशाली तरीके से बेनकाब किया। यह घटना पाकिस्तान के राजनयिक मोहम्मद फैसल के साथ उनकी एक तगड़ी बहस के दौरान सामने आई, जब हकीम ने शांति और स्पष्टता के साथ पाकिस्तान के दावों को तथ्यों से खारिज कर दिया।पाकिस्तान के यूके उच्चायुक्त मोहम्मद फैसल को स्काई न्यूज पत्रकार यल्दा हकीम के साथ साक्षात्कार के दौरान एक शर्मनाक पल का सामना करना पड़ा। यह साक्षात्कार तब हुआ, जब वे भारत-पाकिस्तान तनाव पर चर्चा कर रहे थे और पाकिस्तान के 26 लोगों की जान लेने वाले पहलगाम हमले के बाद की स्थिति पर बात कर रहे थे। पाकिस्तान के उच्चायुक्त ने इस हमले के बाद आंतरिक जांच की इच्छा और जांच में शामिल होने के लिए तैयार होने का दावा किया, जिसे यल्दा हकीम ने कठोर तथ्यों के साथ चुनौती दी।

यल्दा हकीम ने पाकिस्तान के झूठे दावों को उजागर करते हुए कहा, 2001 में भारतीय संसद पर हमला हुआ था और पाकिस्तान को जांच के लिए आमंत्रित किया गया था। 2008 में मुंबई हमले के बाद भी पाकिस्तान पर आरोप लगाए गए थे और उसे जांच में शामिल होने के लिए कहा गया था। 2016 और 2019 में उरी और पुलवामा हमलों के बाद भी पाकिस्तान को जांच के लिए बुलाया गया था। इन सभी मौकों पर पाकिस्तान ने सतही सहयोग जरूर किया, लेकिन कभी आतंकवादी समूहों को पनपने से रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

हकीम के सवालों से पाकिस्तान के उच्चायुक्त परेशान हो गए और उनका झूठा प्रचार पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। उनकी यह सटीक पत्रकारिता पाकिस्तान के दावों को सामने लाते हुए सच्चाई को स्पष्ट रूप से उजागर करती है।इस साक्षात्कार के बाद सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने यल्दा हकीम की तारीफ की। एक ने लिखा, उसने उसे खा लिया, जबकि एक अन्य ने पूछा, कहाँ पूरा साक्षात्कार देख सकते हैं? वह असली पत्रकार हैं जो सवाल पूछ रही हैं, न कि सिर्फ भावनाओं को भड़काकर।यल्दा हकीम की यह पत्रकारिता न केवल पाकिस्तान के झूठ को उजागर करती है, बल्कि यह दर्शाती है कि सच और तथ्यों के आधार पर ही कोई भी झूठी कथा को नष्ट किया जा सकता है।

आतंकियों का गढ़ है पाकिस्तान, ब्रिटेन में भारत के राजदूत ने खोली पोल; अब्दुल रऊफ अजहर की फोटो दिखाकर दिए सबूत

लंदन , एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। इस बीच ब्रिटेन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी स्काई न्यूज से बात करते हुए एक प्रतिबंधित आतंकवादी हाफिज अब्दुल रऊफ की फोटो दिखाई है। ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने स्काई न्यूज के साथ इंटरव्यू में पाकिस्तान सेना पर आतंकवादियों को राजकीय अंतिम संस्कार देने का गंभीर आरोप लगाया।

यल्दा हकीम से बात करते हुए दोराईस्वामी ने अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी हाफिज अब्दुल रऊफ की एक फोटो निकाली, जिसमें पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी और जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर के भाई हाफिज अब्दुर रऊफ के साथ, ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत द्वारा मारे गए आतंकवादियों को अंतिम संस्कार में शामिल होते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दोराइस्वामी ने कहा: पिछले 30 वर्षों में, दुनिया को पाकिस्तान को अपनी धरती पर आतंकवादी ढांचे को खत्म करने के लिए मजबूर करना चाहिए था, जिसका उसने वादा किया था, लेकिन कभी नहीं किया। भारतीय दूत ने साफ लहजे में कहा कि अगर पाकिस्तान भारत के सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करना बंद कर दे तो यह मामला खत्म हो जाएगा।

विक्रम दोराइस्वामी ने कहा, मैं आपको कल की यह तस्वीर दिखाता हूं मुझे लगता है कि यह आपके दर्शकों के लिए है। यहां मौजूद यह व्यक्ति अमेरिकी प्रतिबंध व्यवस्था के तहत एक प्रतिबंधित आतंकवादी है। उसका नाम हाफिज अब्दुर रऊफ है। वह उस आतंकवादी समूह के संस्थापक का भाई है जिसका आप जिक्र कर रहे हैं। देखिए उसके पीछे कौन है। पाकिस्तानी सेना, वहां ताबूतों को देखिए। उन पर पाकिस्तानी राष्ट्रीय ध्वज है।

प्रेस ब्रीफिंग में भारत के राजदूत ने पेश किए सबूत: विक्रम दोराइस्वामी ने आगे कहा- अगर आप आतंकवादियों को राजकीय अंतिम संस्कार देने जा रहे हैं, तो यह आपकी व्यवस्था का क्या मतलब है?नई दिल्ली में एक प्रेस ब्रीफ़िंग में भारत द्वारा साझा की गई तस्वीर को इस बात के सबूत के रूप में प्रस्तुत किया गया कि भारत दशकों से यह मानता रहा है कि पाकिस्तान और विशेष रूप से उसका सैन्य प्रतिष्ठान न केवल आतंकवादियों को पनाह देता है बल्कि आधिकारिक तौर पर उनका समर्थन भी करता है।

श्रीलंका में वायुसेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, 6 सैन्यकर्मियों की मौत

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका में शुक्रवार को एक बड़ा सैन्य हादसा हुआ जब वायुसेना का एक बेल 212 हेलीकॉप्टर उड़ान के दौरान मदुरु ओया जलाशय में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में श्रीलंका के सशस्त्र बलों के छह जवानों की मौत हो गई है। श्रीलंका रक्षा मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, यह हेलीकॉप्टर सेना के विशेष बल ब्रिगेड की पासिंग आउट परेड के लिए रवाना हुआ था। लेकिन उत्तर-मध्य क्षेत्र के मदुरु ओया जलाशय के पास पहुंचते ही तकनीकी कारणों से यह दुर्घटना का शिकार हो गया। दुर्घटनास्थल पर राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है, और दुर्घटना की विस्तृत जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। सरकार और सेना ने मृत सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की है और उनके परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

भारत की जवाबी कार्रवाई में पीएम शहबाज़ शरीफ के घर से 20 किलोमीटर दूर भीषण धमाका !

इस्लामाबाद , एजेंसी। एशिया की दो परमाणु शक्तियों के बीच तनाव एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। सीमापार से हुई आक्रामक कार्रवाई के जवाब में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक हमला बोला है। खबरों के मुताबिक, भारत की जवाबी कार्रवाई में इस्लामाबाद के पास एक बड़ा धमाका हुआ है, जो प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के आवास से करीब 20 किलोमीटर की दूरी पर दर्ज किया गया। गुरुवार शाम पाकिस्तान द्वारा भारत के कई शहरों को निशाना बनाने के बाद भारतीय सेनाओं–थलसेना, वायुसेना और नौसेना–ने एकजुट होकर पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर प्रहार किया। पाकिस्तान के सेना और नौसेना अड्डों पर निशाना साधा गया, जिससे देशभर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है।

पाकिस्तानी अधिकारी विदेश भागने की कोशिश में: भारतीय हमले के बाद पाकिस्तान के भीतर घबराहट का माहौल है। सूत्रों के अनुसार, कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी हवाई अड्डों के आसपास देखे गए हैं, जो जल्द से जल्द देश छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य ढांचे की आंतरिक स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

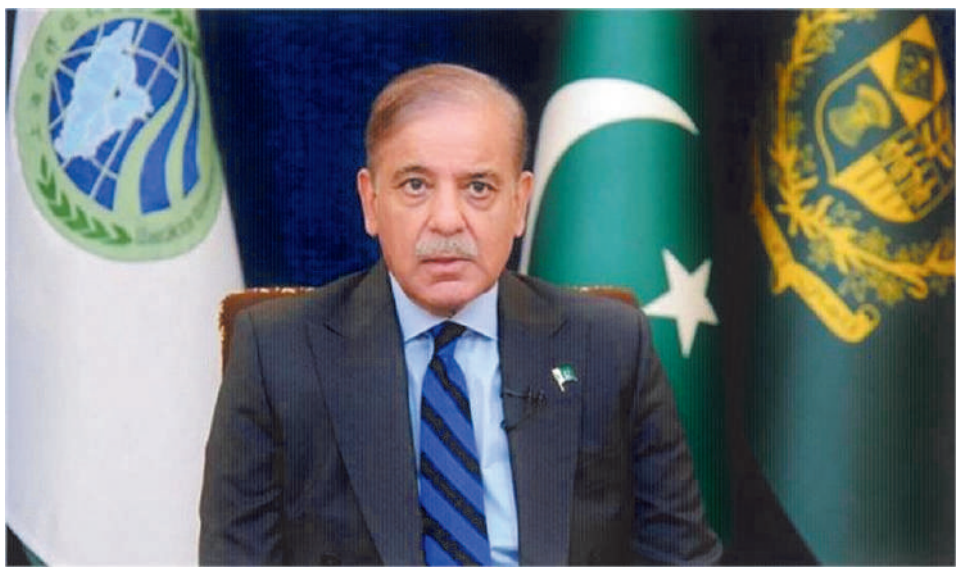

दिल्ली में पीएम मोदी की उच्चस्तरीय बैठक: भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी इस बैठक में शामिल हुए और उन्होंने सीमा पर ताज़ा हालात और सैन्य कार्रवाइयों की विस्तृत जानकारी दी।

रक्षा मंत्री की इमरजेंसी मीटिंग: रक्षा मंत्री ने तात्कालिक आपात बैठक बुलाई, जिसमें चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और थलसेना, वायुसेना, नौसेना प्रमुख शामिल हुए। बैठक में सीमावर्ती इलाकों की स्थिति और आगे की रणनीति पर चर्चा की गई।

पाकिस्तान की गोलीबारी पर भारत की कड़ी जवाबी कार्रवाई: जम्मू-कश्मीर के सांबा और आरएसपुरा सेक्टर में पाकिस्तान ने संघर्षविराम का उल्लंघन किया, लेकिन भारतीय सेना की सख्त जवाबी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान को पीछे हटना पड़ा।

एफ-16 मार गिराया, मिसाइलें नष्ट

पाकिस्तान की ओर से दागी गई लगभग 8 मिसाइलों को भारत के एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही निष्क्रिय कर दिया। वहीं, सरगोधा के पास पाकिस्तान का एक एफ-16 फाइटर जेट भी मार गिराया गया है। जैसलमेर क्षेत्र में भी लगभग 30 मिसाइलें भारतीय सुरक्षा प्रणाली द्वारा रोकी गईं।

पहलगाम में हुए नरसंहार का बदला- 'ऑपरेशन सिंदूर'

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले में 26 पर्यटकों की हत्या कर दी गई थी। इसी हमले के जवाब में भारतीय सेना और वायुसेना ने 7 मई को एक संयुक्त अभियान—'ऑपरेशन सिंदूर'—को अंजाम दिया, जिसने पाकिस्तान को गहरे झटके दिए हैं।

एलियंस को खोज निकालने का दावा

दूसरी दुनिया के लोगों के साथ कैसे बात करेंगे इंसान?

वैज्ञानिकों ने इस प्रश्न का उत्तर ढूंढने में महत्वपूर्ण प्रगति की है कि क्या पृथ्वी के अलावा ब्रह्मांड में कहीं और जीवन संभव है। हमारी पृथ्वी ब्रह्माण्ड का एकमात्र ऐसा ग्रह है जहाँ जीवन मौजूद है। लेकिन अनगिनत तारों और उनके चारों ओर परिक्रमा करने वाले अरबों-खरबों ग्रहों के बीच क्या कोई ऐसा ग्रह है जहां जीवन संभव है? वैज्ञानिकों को इस गहन खोज में एक आशा दिखाई दी है। खगोलविदों ने जीवन की संभावना वाले पृथ्वी जैसे एक नए ग्रह की खोज की है, जो हमसे मात्र 20 प्रकाश वर्ष की अपेक्षाकृत कम दूरी पर स्थित है। इस ग्रह का नाम एचडी 20794 डी रखा गया है। यह ग्रह हमारे सूर्य जैसे एक तारे की परिक्रमा कर रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह ग्रह भी कुछ हद तक पृथ्वी जैसा हो सकता है। इन्हीं संभावनाओं के कारण इस ग्रह को 'सुपर अर्थ' की श्रेणी में रखा गया है।

तारों के जीवन योग्य क्षेत्र में स्थित

वैज्ञानिकों के अनुसार, एचडी 20794 डी अपने तारे की एक परिक्रमा 647 दिनों में पूरी करता है। इस ग्रह की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह अपने तारे के 'जीवन योग्य क्षेत्र' में स्थित है। जीवन योग्य क्षेत्र किसी तारे के आसपास का वह क्षेत्र है जहां का तापमान ग्रह की सतह पर तरल जल के अस्तित्व के लिए पर्याप्त अनुकूल होता है। यह सर्वविदित है कि जहां जल है, वहां जीवन पनपने की संभावनाएं भी प्रबल होती हैं।

HD 20794 तारे का अध्ययन

स्पेन के इंस्टीट्यूटो डी एस्ट्रोफिसिका डी कैनारियास (आईएसी) और यूनिवर्सिडैड डी ला लगुना (यूएलएल) के खगोलविदों ने इस महत्वपूर्ण खोज की पुष्टि की है। वैज्ञानिक कई वर्षों से HD 20794 तारे का गहन अध्ययन कर रहे हैं। यह तारा हमारे सूर्य से थोड़ा छोटा है और इस तारे के आसपास पहले भी दो अन्य 'सुपर अर्थ' ग्रहों की खोज की जा चुकी है।

यह तारा 647 दिनों में अपनी परिक्रमा पूरी करता है

एचडी 20794 डी का द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान का लगभग छह गुना है। इसकी कक्षा हमारे सौरमंडल में स्थित मंगल ग्रह की कक्षा से थोड़ी बड़ी है, क्योंकि यह अपने तारे की एक परिक्रमा 647 दिनों में पूरी करता है, जो मंगल द्वारा सूर्य की परिक्रमा करने में लगने वाले समय से केवल 40 दिन कम है। अपने तारे से ग्रह की दूरी और जीवन योग्य क्षेत्र में इसकी स्थिति इसे जीवन के लिए संभावित रूप से आदर्श स्थान बनाती है, क्योंकि यहां का तापमान और अन्य स्थितियां ग्रह की सतह पर तरल जल को बनाए रखने के लिए अनुकूल हो सकती हैं। यह खोज दो दशकों के शोध का परिणाम है और इसके निष्कर्ष प्रतिष्ठित खगोल विज्ञान पत्रिका एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स में प्रकाशित हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस खोज से न केवल हमें पृथ्वी जैसे अन्य ग्रहों की खोज में महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी, बल्कि इन ग्रहों के वायुमंडल को और गहराई से समझने में भी मदद मिलेगी।

इस मंदिर के साथ रखी गई थी टोंक की जामा मस्जिद की नींव

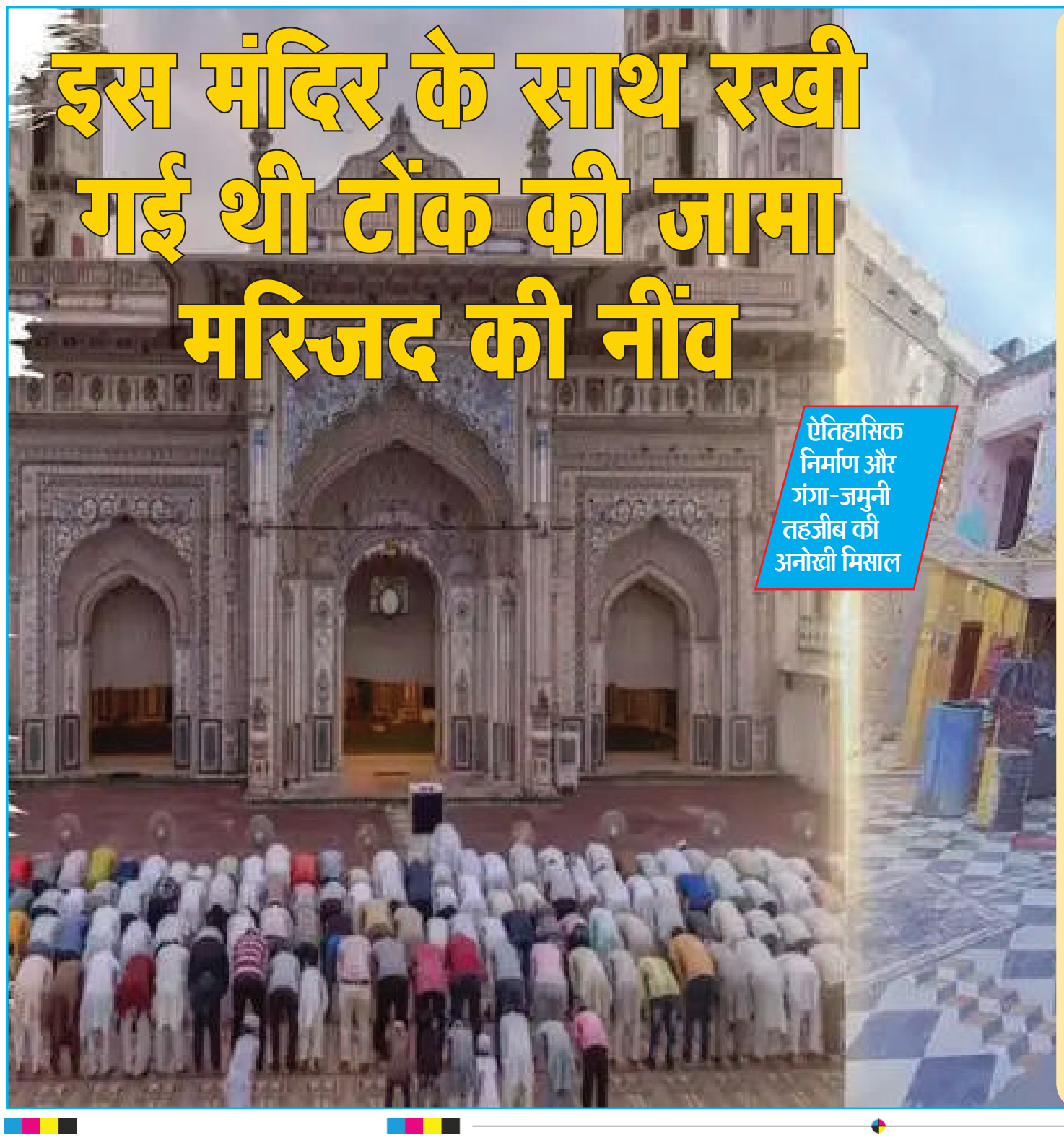

गंगा जमुनी तहजीब के शहर टोंक में मौजूद दिल्ली और आगरा की मस्जिदों की तर्ज पर राजस्थान की सबसे बड़ी शाही जामा मस्जिद मौजूद है, जो सौहार्द का संदेश देती है। जब टोंक नवाब अमीर खां ने इसकी नींव रखी थी, उसी दिन हिंदुओं की प्रार्थना के लिए पास में ही रघुनाथ जी का मंदिर भी बनवाया था। आज भी धार्मिक आस्था के इन दोनों केंद्रों से यहां के लोगों द्वारा प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया जा रहा है।

नवाब अमीर खां ने करवाया था इसका निर्माण

टोंक के पहले नवाब अमीर खां ने अपने राज्य टोंक में शाही जामा मस्जिद का निर्माण शुरू करने के लिए 1817 में इसकी नींव रखी थी। साथ ही उसी दिन थोड़ी दूरी पर रघुनाथ जी के मंदिर की नींव रखकर दोनों धार्मिक स्थलों का निर्माण शुरू किया गया था। बताया जाता है कि मस्जिद के लिए इस मस्जिद में करीब 72 दुकानें भी बनाई गई थीं, जिनमें से आज भी करीब 50 दुकानें सालों से हिंदू किराएदारों के पास हैं। हिंदू मस्जिद की दुकानों में बैठकर अपना कारोबार करते हैं।

रघुनाथ जी मंदिर में धूमधाम से होती है पूजा-अर्चना

टोंक नवाब अमीर खां ने जामा मस्जिद के साथ ही रघुनाथ जी मंदिर का निर्माण कराया और टोंक के बाहर से लाए गए महंत परिवारों को जागीरदारी दी। आज बड़ा तख्ता में मौजूद रघुनाथ जी का यह मंदिर आस्था का केंद्र है। जहां साल भर धार्मिक आयोजन, पूजा-अर्चना और अनुष्ठान चलते रहते हैं। यहां हर दिन लोग पूजा-अर्चना करने आते हैं। साथ ही सावन के महीने में झांकियों का आयोजन और समय-समय पर कथा आदि का आयोजन होता है और इसी मंदिर परिसर में निर्माण के समय खोदा गया पानी के लिए कुआं आज भी मौजूद है। मंदिर के महंत कहते हैं कि टोंक नवाब ने हमें यहां लाकर बसाया और यहीं जागीर है।

ऊंची मीनारें हैं आकर्षण का केंद्र

आज इस जामा मस्जिद में बच्चे आंखों में सुनहरे भविष्य के सपने लिए दीनी और दुनियावी शिक्षा लेते नजर आते हैं अगर मुगल शैली में बनी शाही जामा मस्जिद की बात करें तो यह मस्जिद अपनी भव्यता के साथ-साथ दूर से दिखाई देने वाली चार ऊंची मीनारों, मीनाकारी और सोने के काम के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है।

टोंक की धरती ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं

टोंक, जिसमें बनास नदी की स्वच्छ धारा जीवन तत्व को प्रभावित करती है। टोंक की इस धरती ने यहां से न जाने कितने कारवां गुजरते देखे हैं, कितनी सेनाएं बनास नदी के किनारे उतरी हैं, कितने राजाओं, बादशाहों, सामंतों, राज्यपालों ने यहां अपने झंडे फहराए हैं। वहीं दूसरी ओर सुल्तान महमूद गजनवी, मोहम्मद गौरी, अल-ततमस, बलबन, अलाउद्दीन और तुगलक की सेनाएं यहां से गुजरीं, यह शहर आबाद होता रहा, उजड़ता रहा और फलता-फूलता रहा। 1817 से 1947 तक टोंक में नवाबी शासन रहा। शाही जामा मस्जिद नवाबी काल की इमारतों में से एक है।

गंगा जमुनी तहजीब का शहर

टोंक में आज भी ऐसे कई उदाहरण देखने को मिलते हैं। जहां अज़ान और आरती एक साथ होती है, मंदिर और मस्जिद के बीच सिर्फ़ एक दीवार है। नोगजा बाबा की दरगाह पर हर साल मेला लगता है, हिंदू वहां जाकर फूल और चादर चढ़ाते हैं। ऐसे शहर टोंक की जामा मस्जिद और रघुनाथ जी का प्रेम और भाईचारे का संदेश आज भी हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है।

मैं यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थी

एक्ट्रेस निकिता दत्ता इन दिनों ज्वेल थीफ में अपने काम के लिए तारीफ बटोर रही हैं। इस फिल्म में वह जयदीप अहलावत और सैफ अली खान के साथ नजर आ रही हैं। अपने करियर के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मैं एक आर्मी फैमिली से आती हूं। मेरे आसपास लगभग सभी ने किसी न किसी रूप में सेना में सेवा दी है। ऐसे अनुशासित माहौल में पली-बढ़ी होने के कारण, मैं भी एक ऐसा करियर चाहती थी जिसमें स्पष्टता और स्थिरता हो। एक समय ऐसा भी था जब मैं यूपीएससी की परीक्षा देकर सिविल सर्विस में जाना चाहती थी। लेकिन अब जब मैंने एक्टिंग को अपना पेशा चुना है, तो ये बदलाव मेरे लिए बहुत बड़ा लगता है। उन्होंने आगे कहा, हम ऐसे माहौल में बड़े हुए जहां बहुत सारे नियम, दिनचर्या और बंदिशें थीं। हर काम नियम के अनुसार होता था। क्रिएटिव फील्ड में करियर चुनना, जहां हर दिन कुछ नया होता है.. मेरे लिए उस जीवनशैली से बिलकुल अलग था। लेकिन मुझे लगता है कि उस अनुशासित परवरिश ने ही मुझे इस उथल-पुथल भरी इंडस्ट्री में फोकस्ड और मजबूत बनाए रखा है। भले ही फिल्म इंडस्ट्री चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन बचपन का अनुशासन और ठहराव मुझे हार न मानने की ताकत देता है।

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो निकिता दत्ता ने 2014 में रोमांटिक ड्रामा लेकर हम दीवाना दिल से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। वह गोल्ड, कबीर सिंह, द बिग बुल और खाकी- द बिहार चैप्टर जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में, वह हीस्ट एक्शन थ्रिलर ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स में नजर आईं। कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल की निर्देशित इस फिल्म में सैफ अली खान, जयदीप अहलावत और कुणाल कपूर भी थे। ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिन्स का प्रीमियर 25 अप्रैल, 2025 को नेटफ्लिक्स पर हुआ।

वरुण धवन की हीरोइन बनेंगी मृणाल ठाकुर

हाल ही में अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में एक्ट्रेस निर्देशक डेविड धवन के साथ दिख रही हैं, जो शूटिंग सेट से साझा की गई है। इस तस्वीर को मृणाल ठाकुर ने यूके से शेयर किया है, जिसमें वह निर्देशक डेविड धवन के साथ मुस्कुराती हुई बैठे नजर आ रही हैं। आपको बताते चलें कि रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री इस समय है जवानी तो इश्क होना है फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन डेविड धवन कर रहे हैं। इस फिल्म में बतौर मुख्य अभिनेता के तौर पर एक्टर वरुण धवन हैं, जो शूटिंग में जोरो-शोरों से व्यस्त हैं। इसके अलावा रिपोर्ट्स के जरिए ये जानकारी भी सामने आ रही है कि फिल्म में मृणाल ठाकुर के साथ पूजा हेगड़े भी नजर आएंगी। इस फिल्म की कास्टिंग को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।

भूल चूक माफ के ओटीटी रिलीज पर बोली वामिका

वामिका गब्बी और राजकुमार राव की फिल्म भूल चूक माफ 9 मई को थिएटर्स में रिलीज होने वाली थी। कई दिनों के प्रमोशन के बाद आज मुंबई और दिल्ली में फिल्म के प्रेस शोज भी आयोजित किए गए थे। इसी बीच मेकर्स ने एक चौंकाने वाली अनाउंसमेंट कर दी। उन्होंने बताया कि अब यह फिल्म 16 मई को रिलीज होगी और वो भी ओटीटी पर। अब अमर उजाला से एक्सक्लूसिव बातचीत में अभिनेत्री वामिका गब्बी ने मेकर्स के इस फैसले के पीछे की कहानी बयां की।

.

वामिका गब्बी ने कहा, इस समय भारत-पाकिस्तान के बीच के हालात नाजुक हैं। देश की स्थिति को देखते हुए थिएटर में फिल्म रिलीज करना संभव नहीं था। हम अपने देश के साथ खड़े हैं। यही हमारी प्राथमिकता है। हालांकि, हम इस बात से भी खुश हैं कि फिल्म आखिरकार ऑडियंस तक पहुंचेगी। मेरा मानना है कि ओटीटी पर रिलीज होगी तो यह और ज्यादा लोगों तक पहुंच सकेगी। वामिका ने आगे बताया, मैं मेकर्स के इस फैसले से बहुत खुश हूं। फिल्म का थिएटर में रिलीज होना हम सभी के लिए खास था, लेकिन हालात को देखते हुए हम खुश हैं कि फिल्म अब अपने ऑडियंस तक पहुंच सकेगी।

बतौर ऑडियंस मुझे भी थिएटर में फिल्में देखना पसंद है

जब वामिका से पूछा गया कि उन्हें थिएटर में फिल्में देखना कितना पसंद है? तो वामिका ने कहा, थिएटर में फिल्म देखने का अनुभव हमेशा यादगार होता है। बतौर ऑडियंस, मुझे पर्सनली थिएटर में फिल्में देखना पसंद है लेकिन इस बार हमें देश की स्थिति को देखते हुए डिजिटल रिलीज का रास्ता अपनाना पड़ा।

9 मई को थिएटर में रिलीज होने वाली थी फिल्म

बता दें, भूल चूक माफ जो 9 मई को थिएटर में रिलीज होने वाली थी, अब 16 मई को ओटीटी पर रिलीज होगी। फिल्म का ओटीटी पर रिलीज होने का फैसला देश में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए लिया गया। मेकर्स ने एक बयान जारी करते हुए कहा, हाल के घटनाक्रमों और देशभर में बढ़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण, हमने यह निर्णय लिया कि हम अपनी पारिवारिक फिल्म भूल चूक माफ को सीधे आपके घरों तक पहुंचाएंगे। यह केवल ओटीटी पर 16 मई को रिलीज होगी।

भारत-पाकिस्तान तनाव का असर

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए खासकर जम्मू और कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद यह फैसला लिया गया है। इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी, जिसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च किया।

कोहली के लाइक से बढ़ी लोकप्रियता, इन फिल्मों में नजर आ चुकी हैं अवनीत कौर

सोशल मीडिया पर एक छोटा सा 'लाइक्स' कितना बड़ा तूफान ला सकता है यह हाल ही में अवनीत कौर और विराट कोहली के मामले ने दिखा दिया है। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने अवनीत की एक इंस्टाग्राम पोस्ट को गलती से लाइक किया, जिसके बाद अभिनेत्री सुर्खियों में छा गईं। हालांकि, विराट ने इसे एल्गोरिदम की गलती बताकर सफाई दी, लेकिन इस वाकये ने 23 साल की अवनीत कौर की पॉपुलैरिटी को और बढ़ा दिया। अवनीत कौर ने 2010 में 'डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स' से शुरुआत की, जहां उनकी प्रतिभा को खूब सराहा गया। इसके बाद उन्होंने 'मेरी मां', 'चंद्र नंदिनी', और 'अलादीन - नाम तो सुना होगा' जैसे टीवी सीरियल्स में काम किया। छोटे पर्दे पर उनकी लोकप्रियता ने उन्हें बड़े पर्दे का रास्ता दिखाया। अवनीत ने 2014 में रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उन्होंने मीरा का किरदार निभाया, जो छोटा लेकिन प्रभावशाली था। इसके बाद 2017 में वह 'करीब करीब सिंगल' में एक छोटी सी भूमिका में दिखीं। 2019 में 'मर्दानी 2' में भी उनका कैमियो दर्शकों को पसंद आया।

गर्व और गौरव के पल :

धनबाद की बेटी अनीता बनीं राष्ट्रीय फैशन शो की विजेता

इलाहाबाद टाइम्स के राष्ट्रीय फैशन वीक में स्टाइलिश, ग्रेसफुल व शानदार रैंप वॉक कर हुई शो टॉपर

वर्ल्ड वाइज न्यूज

धनबाद/ इलाहाबाद। यह बड़े ही गर्व और गौरव का विषय है कि धनबाद की बेटी मॉडल और एक्ट्रेस अनीता मजूमदार ने इलाहाबाद में आयोजित इलाहाबाद टाइम्स राष्ट्रीय फैशन वीक में स्टाइलिश, ग्रेसफुल व शानदार रैंप वॉक कर दर्शकों और जजों का दिल जीत, शो टॉपर घोषित होकर धनबाद समेत पूरे झारखंड का नाम रौशन किया। अनीता मजूमदार ने बताया कि इस प्रतिष्ठित रैंप शो लिए लुक और चेहरे पर कॉन्फिडेंस के लिए उसने बहुत मेहनत की थी। उनके साथ इस शो में मॉडल ऋषभ सिंह पार्टनर थे। बता दें पिछले दिनों अनीता मजूमदार ने पेरिस फैशन शो, बॉम्बे टाइम फैशन वीक, लैक्मे फैशन वीक में भी शानदार रैंप वॉक कर ख्याति बटोर चुकी हैं। जापान की विश्व ख्यातिप्राप्त लव किल्लन परफ्यूम के ब्रांड इंडोर्स करने के लिए जापान बुलाया गया था और वहीं अनीता की प्रोफाइल और परफॉर्मेंस देखकर कंपनी ने उसे परफ्यूम का मॉडल चुना था। आगे आने वाले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फैशन शो आयोजनों के लिए बहुत मेहनत और लगन से अपने को तैयार कर रही हैं। अनिता ने जी म्यूजिक ओ टी टी पर रिलीज हुए तू निकली बेवफा,ओ हीरिए वेब सीरीज, बंगला सीरियल ब्रह्म पिशाचिनी में काम कर चुकी हैं।अनीता ने बताया कि बहुत मेहनत से प्राप्त इन सब उपलब्धियां की बदौलत बहुत सारे एल्बम फिल्मों एवं कई वेब सीरीज के ऑफर भी आ रहे हैं। साथ ही मेरा सपना है कि अंतराष्ट्रीय मंच पर मैं बड़ा परफॉर्मेंस कर धनबाद का नाम और रौशन करूं। मेरी इन सारी सफलताओं के पीछे धनबादवासियों एवं परिवार का आशीर्वाद, ढेर सारा शुभकामनाएं एवं समर्थन है। इस खास वजह से अच्छे परफॉर्मेंस के लिए मनोबल ऊंचा रहता है। इसके लिए मैं सारे धनबाद को नमन करती हूं।

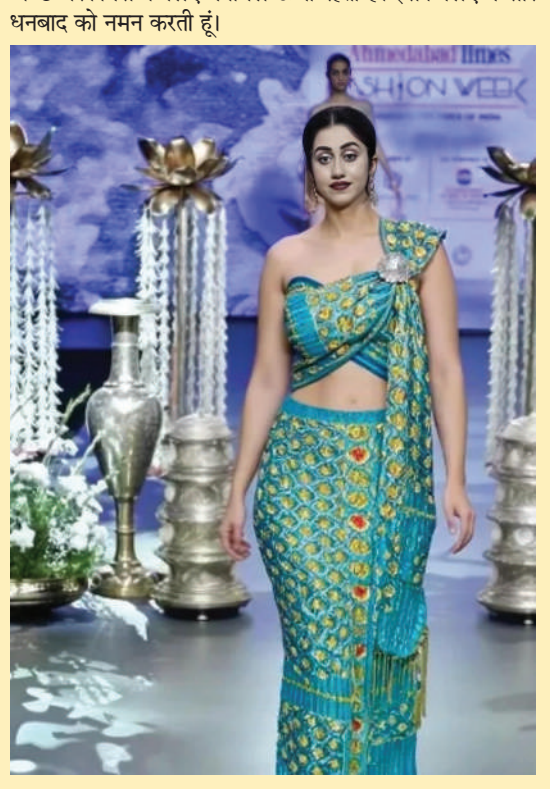

मेरे माता-पिता का अलग होना हम तीनों के लिए अच्छा

इसमें कोई शक नहीं कि जानी-मानी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी मनोरंजन जगत में आने से पहले ही स्टार बन चुकी थी। सोशल मीडिया में हमेशा सुर्खियों में छाई रहने वाली पलक अपने लिंकअप्स के कारण भी ख़बरों में रहती हैं। सलमान खान के साथ किसी का भाई किसी की जान से फिल्मों में डेब्यू कर चुकीं पलक इन दिनों चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म द भूतनी से।

या आप मानती हैं कि आपको अपनी अभिनेत्री मां के कारण इतना बड़ा मौका मिला?

मुझे लगता है, ये बहुत बड़ा कन्वर्जेशन है। हर किसी को अलग-अलग एडवांटेज मिलते हैं। अब जैसे मैं टेलिविजन में जाती तो मुझे बहुत फायदा मिलता, क्योंकि मेरी मम्मी ने छोटे पर्दे पर एक बहुत बड़ा मुकाम बनाया है। पर अपनी पहली फिल्म का मौका मुझे बिग बॉस के कारण मिला। मैं वहां हार्डी संधू के साथ अपना बिजली गाना प्रमोट करने गई थी। हां, मम्मी के कारण मुझे विजिब्लिटी बहुत मिली, मैं मानती हूं कि श्वेता तिवारी की बेटी होने के नाते मुझे बहुत शोहरत मिली। मगर फिल्म में मेरा रोल छोटा था, अगर फायदा होना होता तो फिर रोल में भी होना चाहिए था। मैं नहीं मानती कि मम्मी के स्टारडम के कारण काम के तरीके में मुझे कोई मदद मिली हो।

आप इंडस्ट्री में आने से पहले ही स्टार बन चुकी थीं?

जी, ये सही है और ये मेरी मम्मी के कारण हुआ। मेरी मम्मी को बहुत प्यार मिला है आज तक। बिजली गाने में अपने डेब्यू से पहले मुझे भी बहुत प्यार मिलता था। पर यह प्यार कभी -कभी प्रेशर में भी बदल जाता है, क्योंकि मेरी मम्मी के फैंस उनको लेकर इतने पजेसिव हैं। मैं तो बस यही चाहती हूं कि वो मुझे अपनाएं और मेरी कोशिश यही रहेगी कि मैं उन्हें निराश न करूं। प्रेरणा की बेटी का जो दर्जा मिला है, मैं उनकी नाक हमेशा ऊंची रखूं।

अक्सर सोशल मीडिया पर अगल-बगल में आपकी और आपकी मम्मी की तस्वीर लगा कर आप दोनों के बीच तुलना भी की जाती है, अजीब लगता होगा?

चूंकि मेरी मम्मी बहुत फेमस हैं, तो लोग ये भूल जाते हैं कि वे मेरी मां हैं। अब तो हम इस बात पर हंसना सीख गए हैं, मगर पहले हमें भी ये बात अजीब लगती थी। मम्मी भी इस बात को समझ नहीं पातीं, मैं समझने की कोशिश करती हूं। मुझे लगता है, हम दोनों पब्लिक निगाह में हैं और लोग हमें जानते हैं। हमने ही उन्हें वो सहमति दी है कि वे हमें जानें। इसके अलावा भी कई बार बहुत सारी चीजें आ जाती हैं, जैसे कभी कहा जाता है, हमें तुमसे ज्यादा तुम्हारी मां पसंद हैं, तो उन्हें क्यों लगता है कि ये सुनकर मुझे बुरा लगेगा? लोगों को लगता है कि मेरी मां और मैं अभिनेत्रियां हैं, तो इसके कारण हम दोनों में कॉम्पिटीशन होगा, तो ये बात तो मुझे बहुत फनी लगती है। अपनी मां से मैं क्यों कॉम्पिटीशन करूंगी भाई।

आपके माता-पिता (एक्टर राजा चौधरी) के अलगाव और जटिल संबंधों का आप पर कितन प्रभाव पड़ा? कभी लगता है कि पलट कर कुछ बदला जा सकता था?

सच बताऊं, तो जो होता है, अच्छे के लिए ही होता है, क्योंकि मेरे मम्मी और पापा अलग नहीं हुए होते तो मैं वो इंसान न होती, जो आज मैं हूं। मेरी मम्मी भी वो इंसान न होतीं, जो वो आज हैं। उनको ग्रो करने का मौका नहीं मिलता। मेरी मम्मी के डिवोर्स से कितनों को उम्मीद मिली है कि हां, हम भी छोड़ सकते हैं अपने पति को। मेरे मम्मी और पापा साथ नहीं हैं, तो इसका मतलब ये नहीं है कि मेरे पापा ने अच्छे पापा बनने की कोशिश नहीं की। वो शायद उस समय जितना कर सकते थे, उन्होंने किया। मगर वो सही नहीं था हम तीनों के लिए, पर आज हम तीनों खुश हैं। अब कोई भी चीज मुझे उतना दुख नहीं देती, क्योंकि मुझे लगता है कि मैं किसी भी हालात से निकल सकती हूं। ये मैंने सीखा अपनी मम्मी से, क्योंकि मैं जानती हूं कि मेरी मम्मी मेरे पापा से कितना प्यार करती हैं और कितना मुश्किल था ये उनके लिए। मगर एक औरत होने के नाते दूसरी औरत, जो कि मेरी मां है, के लिए बहुत कठिन था, मगर उन्होंने किया और मैंने उससे बहुत कुछ सीखा।

आपकी नई फिल्म भूतनी में आपके साथ मौनी रॉय जैसी लोकप्रिय अभिनेत्री भी हैं, तो उनकी मौजूदगी को लेकर कभी कोई असुरक्षा थी?

मेरे दिल में उनके लिए बहुत इज्जत है, क्योंकि वे बहुत ही ज्यादा अच्छी अभिनेत्री हैं और उस पर उन्होंने जो भूमिकाएं की हैं, वो बहुत कमाल का है। हमारी फिल्म में वे मोहब्बत नाम का चरित्र निभा रही हैं जबकि इससे पहले उनका किरदार जुनून भी काफी फेमस हुआ था। टीवी पर उन जैसी नागिन तो हुई ही नहीं। असल में उनका स्क्रीन प्रेजेंस इतना स्ट्रॉन्ग है कि पूछो मत। चूंकि वे टीवी के बैकग्राउंड से आती हैं, तो मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं, क्योंकि वो छोटे पर्दे के कलाकार ही होते हैं, जो किसी भी हालात में अपना बेस्ट दे जाते हैं। उनका बेस बहुत मजबूत होता है। उनसे किसी तरह के कॉम्पिटीशन और असुरक्षा की तो बात ही नहीं, क्योंकि उनका दर्जा चाहे वो अनुभव हो या कला, मुझसे काफी ऊंचा है। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक निहाल कुमार साह वर्ल्ड वाइज न्यूज (दैनिक), दैनिक भास्कर प्रिंटिंग प्रेस,प्लॉट नंबर 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन , रातू राँची (झारखंड) से मुद्रित , मोनिका भारती फ्लैट नंबर 305 सुशीला अपार्टमेंट, नियर काली मंदिर (जिला- हजारीबाग) राज्य- झारखंड , पिन नंबर 825301 से प्रकाशित (वरीय संपादकः अमरनाथ पाठक) (स्थानीय संपादकः विष्णु पांडेय) पीआरबी एक्ट के तहत ख़बरों के लिए जिम्मेवार ,
RNI.NO: JHAHIN/2023/85732, समस्त दिवानी विवादी, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परीवादो के लिए क्षेत्राधिकार हजारीबाग न्यायालय में रहेगा।